गुरुवार, 6 फरवरी 2025

मौसम

तापमान 32 – 19
आर्द्रता 52%
सूर्योदयः 6:14 सूर्यास्तः 17:28

ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।

www.samagya.in

समाज्ञा

कोलकाता, माघ शुक्लपक्ष नवमी, वि.स. 2081, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये

स्थानीय खबरें पृष्ठ तीन, चार और पांच पर

शांति की तलाश में सनातन की ओर खिंचे आ रहे हैं विदेशी श्रद्धालु -पृष्ठ 6

सुविचार : जब रिश्तों में दरारें पड़ जाती हैं तो दीवारें खड़ी हो जाती हैं।

पश्चिम बंगाल निवेश के लिए सर्वश्रेष्ठ गंतव्य : ममता

- कोलकाता में दो दिवसीय ग्लोबल बिजनेस समिट का हुआ भव्य आगाज, देश-दुनिया के दिग्गज उद्योगपति हुए शामिल
- बीजीबीएस में पहले ही दिन एक लाख करोड़ से अधिक के निवेश का मिला प्रस्ताव

कोलकाता : कोलकाता में बुधवार को शुरू हुए दो दिवसीय वार्षिक बंगाल ग्लोबल बिजनेस समिट (बीजीबीएस) के आठवें संस्करण के पहले ही दिन देश के दिग्गज उद्योगपतियों ने राज्य में एक लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश की घोषणा की। न्यूटाउन स्थित विश्व बांग्ला कन्वेंशन सेंटर में आयोजित इस बिजनेस समिट का उद्घाटन मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने किया। सम्मेलन में उद्योग जगत के भारत के प्रमुख हस्तियों सहित 40 देशों के 200 से अधिक विदेशी प्रतिनिधि भी हिस्सा ले रहे हैं, जिसमें 20 से अधिक देशों के राजनयिक भी शामिल हैं। ममता के आमंत्रण पर उद्घाटन सत्र में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भी शामिल हुए। हालांकि, भूटान के प्रधानमंत्री दाशो शेरिंग तोबगे ने हिस्सा नहीं लिया और उनकी जगह कृषि मंत्री यूंटेन फुंटशो ने देश का प्रतिनिधित्व किया। इस मौके पर, ममता ने बंगाल को निवेश के लिए देश का सर्वश्रेष्ठ गंतव्य बताते हुए दावा किया कि पहले दिन एक लाख करोड़ से अधिक का निवेश प्रस्ताव मिला। उन्होंने उद्योग जगत के लोगों से बंगाल में अधिक से अधिक निवेश का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने विश्व भर के व्यावसायियों से आह्वान किया है कि पश्चिम बंगाल आपका घर है, यहां आइए और निवेश कीजिए। यहां पर आपको हर तरह की सुविधाएं दी जाएंगी। आपको किसी तरह की चिंता करने की जरूरत नहीं होगी। मुख्यमंत्री ने औद्योगिक विकास के प्रति अपनी सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई और राज्य के व्यापार अनुकूल माहौल तथा मजबूत बुनियादी ढांचे पर प्रकाश डाला। मुख्यमंत्री ने यह भी घोषणा की कि सरकार पर्यटन, बालू खनन, नवीकरणीय ऊर्जा, निर्माण और निर्यात जैसे क्षेत्रों से संबंधित नई नीतियां लाएगी ताकि निवेशकों के लिए एक सहज व्यापार अनुभव सुनिश्चित किया जा सके। साथ ही, छह आर्थिक गलियारों की भी घोषणा की गई। उन्होंने राज्य के व्यापार-अनुकूल माहौल पर जोर देते हुए कहा कि बंगाल में हमारी सरकार स्थिर है जहां मानव श्रम दिवस का नुकसान नहीं होता है।

मुख्यमंत्री का दावा, बंगाल का जीडीपी देश की तुलना में अधिक तेजी से बढ़ा

मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि पिछले वित्त वर्ष में बंगाल का राज्य सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) राष्ट्रीय जीडीपी की तुलना में अधिक तेजी से बढा है, जो राज्य के मजबूत आर्थिक प्रदर्शन को दर्शाता है। सामाजिक कल्याण पहल का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि लक्ष्मी भंडार जैसी विभिन्न योजनाओं के माध्यम से बंगाल महिला सशक्तीकरण में अग्रणी है।

ममता ने की बड़ी घोषणा, देवचा पचामी में कोयला खनन आज से ही होगा शुरू

बीजीबीएस के मंच से ममता ने यह भी घोषणा की कि बीरभूम जिले में स्थित दुनिया के दूसरे सबसे बड़े व एशिया के सबसे बड़े कोयला ब्लॉक देवचा पचामी में खनन उत्पादन का कार्य गुरुवार से ही शुरू हो जाएगा। इसके लिए सभी पर्यावरणीय और अन्य मंजूरी मिल गई है। उन्होंने दावा किया कि इस परियोजना से एक लाख से अधिक लोगों को रोजगार मिलेगा और कई सहायक परियोजनाएं भी आएंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस कोल ब्लॉक में करीब 119.8 करोड़ टन कोयला और 140 करोड़ घन मीटर बेसाल्ट (ब्लैक स्टोन) का अनुमानित भंडार होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि यह भारत ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व का सबसे बड़ा कोयला रिजर्व है।

'बंगाल की तरह दूसरे राज्य भी आयोजित कर रहे शिखर सम्मेलन', विरोधियों को जवाब

ममता ने समावेशन के प्रति अपनी सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि हम लोगों को विभाजित नहीं करते, विविधता में एकता हमारी ताकत है। उन्होंने कहा कि कई लोग पूछते हैं कि इन शिखर सम्मेलनों से क्या हासिल होता है। लेकिन आज, हर दूसरा राज्य हमारे उदाहरण का अनुसरण कर रहा है और इसी तरह के आयोजन कर रहा है। यह शिखर सम्मेलन बंगाल की भावी पीढि.यों के लिए महत्वपूर्ण है।

'10 वर्षों में 12 लाख करोड़ का हुआ निवेश'

इस दौरान, ममता ने दावा किया कि 2011 में राज्य में उनकी सरकार आने के बाद वर्ष 2015 से लेकर 2023 तक बंगाल में हुए पिछले सात बिजनेस सम्मेलनों में कुल 19.54 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिले थे, जिनमें से 12 लाख करोड़ से अधिक (60 प्रतिशत से ज्यादा) का निवेश जमीन पर हो चुका है। उन्होंने कहा कि शेष राशि की योजनाएं भी पाइपलाइन में हैं, जो अगले कुछ वर्षों में पूरा हो जाएगा।

बंगाल ग्लोबल बिजनेस समिट में लगा उद्योगपतियों का जमघट, एक लाख करोड़ रुपये की निवेश की प्रतिबद्धता

बंगाल में 2030 तक 50,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी रिलायंस : मुकेश अंबानी

- रिलायंस ग्रुप के चेयरमैन ने दी सौंगात, 1 लाख लोगों को मिल सकता हैं रोजगार

रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने इस दशक के अंत यानी 2030 तक बंगाल में 50,000 करोड़ रुपये के नए निवेश की बुधवार को घोषणा की। कोलकाता में आयोजित वार्षिक बंगाल वैश्विक व्यापार शिखर सम्मेलन (बीजीबीएस) के आठवें संस्करण के उद्घाटन समारोह में अंबानी ने कहा कि इस निवेश से राज्य में एक लाख नौकरियों का सृजन होगा। उन्होंने कहा कि रिलायंस ने पिछले दशक में बंगाल में 50,000 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इस दशक के अंत तक 50,000 करोड़ रुपये का और निवेश किया जाएगा। हमारा निवेश डिजिटल सेवाओं, हरित ऊर्जा और खुदरा सहित कई क्षेत्रों में फैला होगा। अंबानी ने राज्य में आर्थिक वृद्धि को गति देने के लिए रिलायंस की प्रतिबद्धता की पुष्टि की और बंगाल के कारोबारी परिदृश्य को बदलने में इसकी भूमिका का उल्लेख किया। पश्चिम बंगाल में इकोनॉमिकल डेव्हलप्मेंट को बढ़ावा देने के लिए मुकेश अंबानी ने रिलायंस के डेडिकेशन को रिपीट किया।

'आज बंगाल का मतलब है ऊंची नजर, महान महत्वाकांक्षा व व्यापार'

इस दौरान, अंबानी ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि यह मेरा सौभाग्य है कि आज मुझे यहां 8वें बंगाल ग्लोबल बिजनेस समिट 2025 में शामिल होने का मौका मिला है। आज बंगाल का मतलब है ऊंची दृष्टि, महान महत्वाकांक्षा, कुशल कार्यान्वयन। ममता दीदी के नेतृत्व में बंगाल का मतलब है व्यापार है। साथ ही, मुकेश अंबानी ने बंगाल ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट में ममता बनर्जी की प्रशंसा की और उन्होंने बंगाल के विकास और व्यापारिक संभावनाओं पर जोर देते हुए ममता बनर्जी को बेहतरीन प्रशासक बताया।

'दीदी हमारे लिए लकी', देश में जियो के क्रांति को लाने में ममता का किया धन्यवाद

मुकेश अंबानी ने कहा कि कोलकाता से ही 2016 में जियो की यात्रा शुरू हुई थी। आज देशभर में जियो की धूम मची हुई है। इसके लिए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को धन्यवाद देते हुए मुकेश अंबानी ने कहा कि दीदी हमारे लिए लकी हैं। सम्मेलन में अपने भाषण के दौरान मुकेश अंबानी ने 2016 में कोलकाता से जियो के परिचालन की शुरुआत का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि 2016 में जियो ने अपनी पहली वाणिज्यिक सेवा कोलकाता से शुरू की थी। कोलकाता में उस शुभ उद्घाटन ने यह साबित किया कि दीदी हमारे लिए बहुत लकी हैं। जियो ने सिर्फ पूरे देश में डिजिटल क्रांति नहीं लाई, बल्कि इसने भारत को एक डिजिटल सुपरपावर बना दिया है। आज डिजिटल सर्विसेज प्रोवाइडर के रूप में जियो सिर्फ भारत में ही नंबर 1 नहीं है, बल्कि दुनिया में भी नंबर 1 स्थान पर है। और इसकी यात्रा की शुरुआत कोलकाता से हुई थी।

RED-X
B.W.P. PLY, BOARDS& DOORS
'X' Factor that Makes A Difference
Stockist :
GULAB CHAND LAL CHAND& Co.
9831114555
9874415555

रुपया 36 पैसे गिरकर 87.43 प्रति डॉलर के नए सर्वकालिक निचले स्तर पर

मुंबई : वैश्विक व्यापार युद्ध की आशंका गहराने से निवेशकों के बीच जोखिम से बचने की प्रवृत्ति हावी होने के कारण बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 36 पैसे लुढ़ककर 87.43 प्रति डॉलर के नए सर्वकालिक निचले स्तर पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि वैश्विक व्यापार युद्ध की आशंका बढ़ने से रुपये में नकारात्मक धारणा के साथ कारोबार हुआ। इसकी वजह यह है कि बाजार प्रतिभागी अमेरिका और चीन द्वारा एक-दूसरे पर लगाए जा रहे शुल्कों के प्रभाव को लेकर चिंतित हैं।

मां गंगा का आशीर्वाद पाकर असीम शांति और संतोष मिला: प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महाकुंभ में संगम में आस्था की डुबकी लगाई

प्रयागराज : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाई और कहा कि ''मां गंगा का आशीर्वाद पाकर मेरे मन को असीम शांति और संतोष मिला।'' वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच संगम में स्नान करते समय प्रधानमंत्री को पूरी बांह का केसरिया रंग का कुर्ता और नीले रंग का पायजामा पहने देखा गया। उन्होंने रुद्राक्ष की माला से जाप भी किया। उनके गले में भी रुद्राक्ष की एक माला थी। उन्होंने दूध से गंगा का अभिषेक किया और माला फूल चढ़ाकर आरती की। इसके बाद पुरोहितों ने प्रधानमंत्री के माथे पर चंदन का तिलक लगाया और उन्हें गंगा जल का आचमन कराया। संगम में स्नान के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने पूरे विधि विधान से पूजन-अर्चन किया। काले कुर्ते और केसरिया पटके एवं हिमांचली टोपी पहने प्रधानमंत्री मोदी ने वैदिक मंत्रों और श्लोकों के बीच त्रिवेणी संगम में अक्षत, नैवेद्य, पुष्प, फल और लाल चुनरी अर्पित की। इसके बाद प्रधानमंत्री ने संगम स्थल पर तीनों नदियों की आरती की।

मुफ्त राशन ले रहे अपात्र लोगों की छंटनी के लिए आयकर विभाग साझा करेगा आंकड़े

नयी दिल्ली : आयकर विभाग 'प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना' (पीएमजीकेएवाई) के तहत अपात्र लोगों को लाभार्थियों की सूची से हटाने के लिए आंकड़ों को खाद्य मंत्रालय के साथ साझा करेगा। पीएमजीकेएवाई के तहत उन गरीब परिवारों को मुफ्त राशन दिया जाता है जो आयकर का भुगतान नहीं करते हैं। सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 के बजट में पीएमजीकेएवाई के लिए 2.03 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया है, जो चालू वित्त वर्ष के 1.97 लाख करोड़ रुपये के संशोधित अनुमान से अधिक है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) को देश में कोविड-19 महामारी से हुए आर्थिक गतिरोधों के कारण गरीबों और जरूरतमंदों को होने वाली मुश्किलें कम करने के विशिष्ट उद्देश्य से शुरू किया गया था। हालांकि, सरकार ने पीएमजीकेएवाई के तहत मुफ्त खाद्यान्न वितरण की अवधि एक जनवरी, 2024 से पांच साल के लिए बढ़ा दी है।

आज आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत पहुंचेंगे कोलकाता, 16 तक बंगाल प्रवास में रहेंगे

कोलकाता, समाज्ञा : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत दस दिवसीय दौरे पर आज कोलकाता पहुंच रहे हैं। वे 16 तक बंगाल में प्रवास करेंगे। बुधवार को यह जानकारी पूर्व क्षेत्र सह प्रचार प्रमुख जिष्णु बसु और दक्षिण बंग प्रांत प्रचार प्रमुख बिप्लव राय ने दी। उल्लेखनीय है कि वे इस बार दक्षिण बंग और मध्य बंग प्रांत के प्रवास पर आ रहे है। वह बंगाल दौरे के दौरान संगठनात्मक मामलों पर संघ के पदाधिकारियों से बातचीत करेंगे और संगठन के भविष्य के रोडमैप पर चर्चा करेंगे। उनकी यात्रा आत्मनिर्भरता, पारिवारिक मूल्यों, देशभक्ति, पर्यावरण संरक्षण और परिवार-उन्मुख प्रथाओं के माध्यम से सामाजिकता जैसे मूल्यों को स्थापित करने पर केंद्रित होगी। आरएसएस के पूर्वी क्षेत्र के सह प्रचार प्रमुख जिष्णु बसु और दक्षिण बंग प्रांत प्रचार प्रमुख बिप्लव राय के अनुसार, आज भागवत केरल से राज्य में आएंगे। उन्होंने बताया कि भागतव दक्षिण बंग दौरे में 7 से 10 फरवरी तक संघ के विभिन्न संगठनों के कार्यकर्ताओं के साथ बैठक करेंगे।

दिल्ली विधानसभा चुनाव में 60 प्रतिशत से अधिक मतदान, एग्जिट पोल में भाजपा को आप पर बढ़त

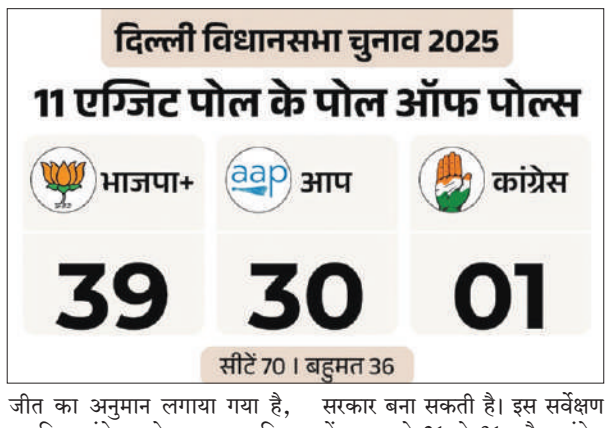

नयी दिल्ली : दिल्ली में बुधवार को विधानसभा चुनाव में 60 प्रतिशत से ज्यादा मतदान हुआ। मतदान के दौरान हालांकि आम आदमी पार्टी (आप) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने एक दूसरे पर पर पैसे बांटने और फर्जी मतदान सहित गड़बड़ी के आरोप लगाए। इस चुनाव में 2020 के विधानसभा चुनाव के आसपास ही मतदान हुआ है। पिछली बार 62.59 प्रतिशत मतदान हुआ था। पिछले चुनाव में अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली पार्टी ने 70 में से 62 सीट जीती थीं, जबकि भाजपा को आठ और कांग्रेस को शून्य सीट मिली थी। विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान केन्द्रों के बाहर सुबह से ही मतदाताओं की लंबी कतारें देखी गईं तथा शाम छह बजे मतदान समाप्त होने के निर्धारित समय के बाद भी लोग इंतजार करते रहे। इसके तुरंत बाद एग्जिट पोल के नतीजे आने शुरू हो गए, जिनमें से कई में सत्तारूढ़ आप पर भाजपा की जीत का अनुमान लगाया गया है, जबकि कांग्रेस को एक बार फिर हारते हुए दिखाया गया है। 'मैट्रिज' के सर्वेक्षण के अनुसार, भाजपा 39 से 35 सीट जीतकर सरकार बना सकती है। इस एजेंसी ने आप को 32 से 37 तथा कांग्रेस को शून्य से दो सीट मिलने का अनुमान जताया है। 'पी-मार्क' के एग्जिट पोल में संभावना जताई गई है कि भाजपा 39-49 सीट जीतकर पूर्ण बहुत की सरकार बना सकती है। इस सर्वेक्षण में आप को 21 से 31 और कांग्रेस को 0-1 सीट मिलने की संभावना जताई गई है। 'पीपुल्स इनसाइट' के सर्वेक्षण में कहा गया है कि भाजपा को 40-44 सीट मिल सकती हैं। उसका अनुमान है कि आप को 25-29 तथा कांग्रेस को 0-2 सीट मिल सकती हैं। 'पीपुल्स प्लस' के एग्जिट पोल में भाजपा को प्रचंड बहुमत मिलने का अनुमान जताया गया है।

Suffering from hip or Knee pain?
Ask Dr. Santosh

ज्वाइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी आपको सामान्य स्थिति में वापस ला सकती है, जब सटीकता के साथ की जाये -डॉ संतोष कुमार

प्रश्न: घुटने के लिगामेंट पुनर्निर्माण की आवश्यकता किसे है?
डॉ. कुमार: आम तौर पर घुटने के लिगामेंट पुनर्निर्माण जैसे कि एसीएल पुनर्निर्माण आर्थोस्कोपिक प्रक्रिया द्वारा किया जाता है जो युवा सक्रिय लोगों के लिए उपयोग किया जाता है। वृद्ध लोगों के लिए जिसे गठिया पहले से ही हो चुका होता है, तो उनके लिए आर्थोस्कोपिक प्रक्रिया की कोई भूमिका नहीं होती है।

प्रश्न: विस्कोसप्लिमेंटेशन कितना उपयोगी है?
डॉ. कुमार: विस्कोसप्लिमेंटेशन का अर्थ है अत्यधिक क्रॉस लिंक्ड उच्च आणविक भार हायलूरोनिक एसिड का इंजेक्शन जो घुटने का प्राकृतिक स्नेहक है। मेरी राय में, इसकी भूमिका बहुत अधिक नहीं है लेकिन निश्चित रूप से यह एवस्कुलर नेक्रोसिस आदि को कोई नुकसान नहीं पहुंचाता है।

प्रश्न: जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी की आवश्यकता किसे है?
डॉ. कुमार: जब कूल्हे या घुटने के प्रतिस्थापन गठिया अपने दर्द, प्रतिबंधित गतिविधियों, अस्थिरता या विकृति के माध्यम से दैनिक जीवन, सामाजिक गतिविधियों, पेशेवर या व्यक्तिगत जीवन को प्रभावित करना शुरू कर देता है, तो व्यक्ति को जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी की आवश्यकता होती है।

प्रश्न: जॉइंट रिप्लेसमेंट की सही उम्र क्या है?
डॉ. कुमार: जब भी दैनिक जीवन की गतिविधियों में बाधा उत्पन्न होती है, चाहे उम्र कुछ भी हो, तो जॉइंट रिप्लेसमेंट पर विचार करना चाहिए। जॉइंट रिप्लेसमेंट में देरी करने से सर्जरी अधिक मुश्किल हो जाती है और रिकवरी में देरी होती है, लेकिन इसे जरूरत से पहले भी नहीं किया जाना चाहिए।

Joint Replacement Surgeon Dr Santosh Kumar With world's latest Navigation System Orthopilot

प्रश्न: गठिया के प्रकार क्या हैं?
डॉ कुमार: अधिकांश गठिया उम्र से संबंधित होते हैं, घिसने के कारण होते हैं, लेकिन विभिन्न विशिष्ट गठिया पूर्ण घुटने को मोड़ने में अधिक समय लगता है, जो कम उम्र में प्रभावित कर सकते हैं जैसे किशोर गठिया, एंकिलॉजिंग स्पॉन्डिलाइटिस, युवा गठिया वाले लोग ज्यादातर हिप गठिया से पीड़ित होते हैं।

प्रश्न: प्रतिस्थापन प्रत्यारोपण की उम्र क्या है?
डॉ. कुमार: बेशक, इसे फिर से किया जा सकता है। प्रतिस्थापन प्रत्यारोपण ज्यादातर सीमेंटेड होते हैं और इनके औसतन 20 से 30 साल तक चलने की उम्मीद की जाती है।

प्रश्न: क्या जॉइंट प्रतिस्थापन सर्जरी दूसरी बार की जा सकती है?
डॉ. कुमार: बेशक हां, इसे फिर से किया जा सकता है और इसे रिवीजन जॉइंट रिप्लेसमेंट कहा जाता है जो पहले या प्राथमिक जॉइंट रिप्लेसमेंट जितना ही सफल होता है।

प्रश्न: सर्जरी के परिणाम को प्रभावित करने वाला सबसे महत्वपूर्ण कारक क्या है?
डॉ कुमार: सबसे महत्वपूर्ण सर्जिकल तकनीक, विशेषज्ञता सर्जन व टीम का अनुभव है।

प्रश्न: क्या घुटने के प्रतिस्थापन के बाद हम पालथी मार कर बैठ सकते हैं?
डॉ कुमार: हां, हमारे पास उच्च फ्लेक्सन घुटने के प्रत्यारोपण और बेहतर सर्जिकल तकनीक हैं जो व्यक्ति को बेड, सोफा आदि चीजों पर पालथी मार कर बैठने में सक्षम बनाती हैं लेकिन अगर सर्जरी से पहले घुटना काफी अकड़ा रहा होगा, तो घुटने के पूरे मोड़ को ठीक करने में अधिक समय लगेगा।

प्रश्न: घुटने के प्रतिस्थापन के बाद किन गतिविधियों को करने की अनुमति है?
डॉ कुमार: अधिकांश गतिविधियां जैसे अप्रतिबंधित पैदल चलना, सीढ़ियां चढ़ना, साइकिल चलाना, ड्राइविंग, तैराकी आदि की अनुमति होगी। वहीं रस्सी कूदना, स्कार्टिंग जैसी उच्च प्रभाव वाली गतिविधियां प्रतिबंधित हैं।

प्रश्न: हिप रिप्लेसमेंट के लिए सबसे अच्छा इम्प्लांट कौन सा है?
डॉ. कुमार: सबसे अच्छा इम्प्लांट नाम की कोई चीज नहीं होती है। परिणाम अच्छे होते हैं और सर्जिकल की सटीकता पर लॉजिविटी निर्भर करती है। बेहतर गतिशीलता और स्थिरता के लिए हमारे पास बड़े सिर वाले हिप इम्प्लांट हैं। हमारे पास हड्डी के विकास के लिए छिद्रयुक्त लेपित इम्प्लांट हैं जिन्हें अनसीमेंटेड फिक्सेशन के रूप में जाना जाता है। गतिविधियां मुख्य रूप से दो हैं।

प्रश्न: जॉइंट रिप्लेसमेंट की सफलता दर क्या है
डॉ. कुमार: अच्छी तरह से जॉइंट इसे जल्द ही ठीक करने की जरूरत होती है लेकिन कई मामलों में जब उम्र अधिक हो या जब ऑस्टियोपोरोसिस की आशंका हो, तो हमें जॉइंट को बदलने की जरूरत पड़ सकती है जो कि पूर्ण या आंशिक हो सकता है। एक्स्ट्रास्कैपुलर फ्रैक्चर को हमें कील या प्लेट से ठीक करने की जरूरत होती है।

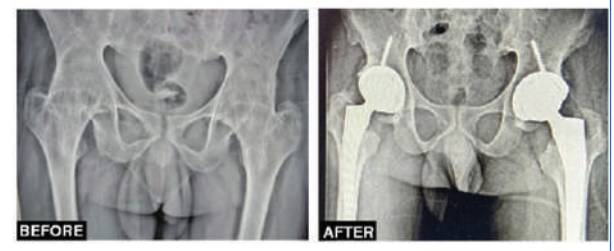

प्रश्न: फ्रैक्चर नेक फीमर का उपचार क्या है?
डॉ. कुमार: फ्रैक्चर नेक फीमर दो प्रकार का होता है, इंट्राकैप्सुलर और एक्स्ट्रास्कैपुलर। इंट्राकैप्सुलर फ्रैक्चर एक आपात स्थिति है और रिप्लेसमेंट के बाद सर्जन और टीम के हाथों में निर्भर करती है जो इसे दैनिक रूप से करते हैं। चूंकि यह परिशुद्धता आधारित सर्जरी है, इसलिए अच्छी परिशुद्धता अच्छे परिणाम देती है।

Dr. Santosh Kumar Hip & Knee Foundation
Chamber : Plot No 332, Laketown, Block A, Kolkata-700 089
Belle Vue Clinic- Kolkata ● www.mykneemylife.org ● www.facebook.com / Dr.santoshkumar.orthousurgeon
● WhatsApp : 09831911584 ● Email : santdr@gmail.com
● FREE online Consultation Link : bit.ly/consultdrsantosh
Call for Appointment : 9831911584 / 9831266632 ● Experience of Treating 25000+Patients in 15+Years

अवैध प्रवास रोकने पर गंभीर पहल हो

यह विडंबना ही है कि पूरे विश्व को लोकतांत्रिक मूल्यों, मानव अधिकारों व आदर्श जीवन मूल्यों की नसीहत देने वाले अमेरिका ने विभिन्न देशों के कथित अवैध प्रवासियों को उनके देश भेजने की कार्रवाई को बलपूर्वक अंजाम दिया है। सुनहरे सपनों की आस में घर-खेत दांव पर लगाकर व एजेंटों को लाखों रुपये देकर अमेरिका पहुंचे युवाओं ने सपने में नहीं सोचा होगा कि उन्हें अपराधियों की तरह वापस उनके देश भेजा जाएगा। ये हमारे नीति-नियंताओं की विफलता ही है कि हमारी युवा शक्ति दुनिया के विभिन्न देशों में लुट-पिटकर अपमानजनक स्थितियों का सामना कर रही है। कभी उन्हें पूर्वी एशिया के देशों में साइबर अपराधी बंधक बनाकर ऑनलाइन धोखाधड़ी को अंजाम देते हैं, तो कभी उन्हें धोखे से बिचौलिए रूसी सेना में भर्ती करवा देते हैं। कभी उन्हें इस्राइल-हमास के भयावह युद्धग्रस्त इलाके में काम की तलाश में पहुंचा दिया जाता है। लाखों भारतवंशियों ने अपनी मेधा व पसीने से अमेरिका की प्रतिष्ठा पर चार-चांद लगाए हैं। अंतरिक्ष में इतिहास रचने वाली कल्पना चावला से लेकर भारतवंशी कमला हैरिस, जिन्होंने अपनी प्रतिभा से अमेरिका में उपराष्ट्रपति पद तक हासिल किया। यह विडंबना ही है कि मूलत: प्रवासियों द्वारा बसाये देश अमेरिका में आज सेना के बल पर बेहतर भविष्य की तलाश में आए प्रवासियों को खदेड़ा जा रहा है। मैक्सिको की सीमा पर दीवार खड़ी करके सेना तैनात की जा रही है। यह विडंबना ही कि प्रधानमंत्री मोदी की वाशिंगटन यात्रा से कुछ दिन पहले एक अमेरिकी सैन्य विमान से दो सौ से अधिक कथित अवैध भारतीय प्रवासियों को जबरन वापस भारत लाया गया है। निश्चित रूप से संकीर्णतावादी सोच का पक्षधर ट्रंप प्रशासन दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देश भारत के साथ वैसा व्यवहार नहीं कर सकता जैसा कि वह अल साल्वाडोर, ग्वाटेमाला, होंडुरास, पेरू के प्रवासियों के साथ कर रहा है। हालांकि, एक अध्ययन में दावा किया गया है कि भारत, अमेरिका में गए सर्वाधिक अवैध अप्रवासियों वाले देशों में शुमार है।

निश्चित रूप से प्रधानमंत्री की अमेरिका यात्रा से पूर्व जबरन की गई 'निर्वासन उड़ान' विसंगतियों व विडंबनाओं की ही घोतक है। हालांकि, भारत ने कूटनीतिक प्रयासों से अवैध अप्रवासन पर समयानुकूल निर्णय लेकर दोनों देशों में संबंध सामान्य बनाने का प्रयास किया। दरअसल, अमेरिका की हालिया यात्रा के दौरान विदेश मंत्री एस जयशंकर ने जमीनी स्तर पर बेहतर कूटनीतिक प्रयास किये। उन्होंने ट्रंप प्रशासन को इस बात को लेकर आश्वस्त किया कि भारत अपने भटके हुए नागरिकों की वैध वापसी के लिये तैयार है। निस्संदेह, भारत ने समझदारी से टकराव टालने का सार्थक प्रयास किया ताकि मोदी-ट्रंप की मुलाकात से पहले दोनों देशों के संबंधों में कड़वाहट न घुले। निश्चय ही तुनक मिजाज ट्रंप व उनके प्रशासन से इस मुद्दे पर अड़ने में कोई समझदारी भी नहीं थी। ऐसी ही स्थिति पर कोलम्बिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो द्वारा अपने प्रवासी नागरिकों से भरे अमेरिकी सेना के जहाज को न उतरने देने की घोषणा करके अपने लिए अपमानजनक स्थितियां पैदा कर दी थी। पहले उन्होंने निर्वासित लोगों को ले जाने वाली सैन्य उड़ानों को स्वीकार करने से मना कर दिया था। लेकिन फिर राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा कोलंबिया पर टैरिफ और प्रतिबंध लगाने की धमकी के बाद उन्होंने यू-टर्न ले लिया। अब वही कोलंबिया के राष्ट्रपति प्रवासियों से तुरंत घर आने और 'सामाजिक संपदा' के निर्माण में योगदान का अनुरोध कर रहे हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या भारत के पास अमेरिका से निर्वासन के लिये चिन्हित अपने करीब अट्ठारह हजार कथित अवैध प्रवासी नागरिकों के पुनर्वास को लेकर कोई योजना है? सरकार कैसे सुनिश्चित करेगी कि भविष्य में ये लोग फिर किसी आप्रवासन का दुस्साहस नहीं करेंगे? निश्चित रूप से समय की मांग है कि बेईमान ट्रैवल एजेंटों के खिलाफ राष्ट्रव्यापी कार्रवाई की जाए, जो युवाओं को सुनहरे सपने दिखाकर अवैध रूप से अमेरिका व अन्य देशों में भेजते हैं। निस्संदेह, विकसित भारत का सपना दूर की कौड़ी है, लेकिन सबसे पहली प्राथमिकता देश की युवा शक्ति को कुशल बनाने तथा रोजगार के आकर्षक अवसर पैदा करना होनी चाहिए। वहीं दूसरी ओर प्रधानमंत्री की अमेरिका यात्रा के दौरान कानूनी प्रवासन को सुव्यवस्थित करने का एजेंडा सर्वोपरि होना चाहिए।

आज का पंचांग

कोलकाता : 6 फरवरी, गुरुवार, 2025, विक्रम सम्वत् 2081, माघ शुक्लपक्ष नवमी, 22:55 तक, नक्षत्र : कृत्तिका, 19:30 तक, योग : ब्रह्मा, 18:35 तक, सूर्योदय: 6:14, सूर्यास्त: 17:28, चन्द्रोदय : 11:32, चन्द्रास्त: 00:29, शक सम्वतः 1945 सुभाकृतु, सूर्य राशि : मकर, चन्द्र राशि : वृषभ, राहू काल : 13:14 से 14:37

राशिफल

मेष : आज का दिन आपके लिए चिंताग्रस्त रहने वाला है। आप बच्चों की पढ़ाई को लेकर काफी टेंशन में रहेंगे, लेकिन आप अपने व्यवहार में संयम बनाए रखें।

वृष : आज का दिन आपके लिए बुद्धि और विवेक से निर्णय लेने के लिए रहेगा। आप अपने कामों से अपने बॉस को काफी खुश रखेंगे। आपके ज्ञान में वृद्धि होने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा।

मिथुन : आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आपकी कोई प्रिय वस्तु यदि खो गई थी, तो वह आपको मिल सकती हैं। आप किसी दूसरे के मामले में ज्यादा ना बोले।

कर्क : आज का दिन आपके लिए जमीन-जायदाद से संबंधित मामले में अच्छा रहने वाला है। विदेश से व्यापार कर रहे लोगों को कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है।

सिंह : आज का दिन आपके लिए कानूनी मामले में अच्छा रहने वाला है। आप अपने मन में किसी के प्रति नकारात्मक विचारों को न रखें। आपकी दीर्घकालीन योजनाओं को गति मिलेगी।

कन्या : आज आप अपने कामो में कोई बदलाव न करें। आपकी निर्णय लेने की क्षमता बेहतर रहेगी। प्रॉपर्टी डीलिंग आप थोड़ा सोच समझकर करें। सरकारी योजनाओं का आपको पूरा लाभ मिलेगा।

तुला : आज का दिन आपके लिए सोच समझकर कामों को करने के लिए रहेगा। कारोबार में आप कुछ परिवार में किसी सदस्य का रिटायरमेंट होने से किसी सरप्राइज पार्टी का आयोजन होगा।

वृश्चिक : आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। वैवाहिक जीवन खुशनुमा रहेगा। आपकी कुछ प्रभावशाली लोगों से मुलाकात होगी। आप दबाव में आकर किसी काम को हां ना करें।

धनु : आज का दिन नौकरी की तलाश कर रहे लोगों के लिए अच्छा रहेगा और कोई नई नौकरी का ऑफर आ सकता है। आप दोस्तों के साथ रहकर भी कुछ खोए खोए रहेंगे।

मकर : आज का दिन आपके लिए मिलाजुला रहने वाला है। बिजनेस में आपकी कोई डील यदि अटकी हुई थी, तो वह फाइनल हो सकती है, जो आपको खुशी रहेगी।

कुम्भ : आज का दिन आपके लिए राजनीतिक और सामाजिक कार्यक्रमों में सम्मिलित होने के लिए रहेगा। आपको कुछ नए संपर्कों से लाभ लेकर मिलेगा।

मीन : आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है, लेकिन आप किसी के दबाव में आकर कोई निर्णय ना लें। आपको अपने खर्चों को लेकर योजना बनाकर चलने की आवश्यकता है।

बच्चों पर अपने सपनों का अनावश्यक बोझ न डालें

बलदेव राज भारतीय

आज के समय में प्रत्येक माता-पिता अपने बच्चे के उज्ज्वल भविष्य को लेकर अत्यधिक चिंतित रहते हैं। वे चाहते हैं कि उनकी संतान समाज में प्रतिष्ठा प्राप्त करे, आर्थिक रूप से सशक्त बने और जीवन में सफलता की ऊँचाइयों को छुए। इसी आकांक्षा में वे अपने बच्चों पर अनजाने में ही अपनी अधूरी इच्छाओं और सपनों का बोझ डाल देते हैं और उन्हें अपने बच्चों से पूरी करवाने की चेष्टा करते हैं। परिणामस्वरूप, बच्चे का कोमल मन इन अपेक्षाओं के बोझ तले दब जाता है और उनका बचपन सच्चे आनंद से वंचित हो जाता है। यह मानसिक दबाव केवल उनके बाल्यकाल तक सीमित नहीं रहता, बल्कि जीवन भर उनकी सोच, निर्णय लेने की क्षमता और मानसिक शांति को प्रभावित करता है।

लेकिन क्या सफलता के लिए केवल औपचारिक शिक्षा ही एकमात्र माध्यम है? क्या डिग्री या किताबी ज्ञान के बिना कोई व्यक्ति जीवन में सफल नहीं हो सकता? यह प्रश्न विचारणीय है, क्योंकि इतिहास गवाह है कि सच्ची सफलता केवल प्रमाणपत्रों से नहीं, बल्कि लगन, मेहनत और आत्मविश्वास से प्राप्त होती है।

जैसे ही कोई बच्चा जन्म लेता है, माता-पिता उसके भविष्य को लेकर योजनाएँ बनानी शुरू कर देते हैं। वे सोचने लगते हैं कि उसे किस स्कूल में दाखिला दिलाना है, कौन-से विषय पढ़ाने हैं, किन अतिरिक्त कौशलों में पारंगत करना है, और उसे डॉक्टर, इंजीनियर, वैज्ञानिक या किसी अन्य प्रतिष्ठित पद तक पहुँचाने के लिए क्या-क्या कदम उठाने होंगे। इस प्रक्रिया में वे भूल जाते हैं कि उनके बच्चे की स्वयं की रुचियाँ, क्षमताएँ और सपने भी हो सकते हैं।

बच्चे को अभी ढंग से बोलना भी नहीं आता, लेकिन माता-पिता उसे अंग्रेजी के शब्द सिखाने में जुट जाते हैं। वे इस बात पर ध्यान केंद्रित करते हैं कि बच्चा आधुनिक शिक्षा प्रणाली के अनुसार ढले, परंतु उसके नैतिक मूल्यों और संस्कारों को अक्सर अनदेखा कर दिया जाता है। पाश्चात्य संस्कृति के अंधानुकरण में पारिवारिक मूल्यों, सामाजिक संवेदनशीलता और नैतिकता की शिक्षा कहीं पीछे छूट जाती है।

यह प्रवृत्ति समाज में इतनी गहराई तक समाई हुई है कि माता-पिता अपने अधूरे सपनों को अपने बच्चों के माध्यम से पूरा करना चाहते हैं। जो वे स्वयं नहीं कर पाए, वही सपना वे अपने बच्चों के लिए देखते हैं, भले ही वह सपना बच्चे की रुचि और क्षमताओं से मेल खाए या न खाए। बच्चे को बचपन में ही कई आदर्शों का बोझ सौंप दिया जाता है-उसे सचिन तेंदुलकर जैसा क्रिकेटर बनना है, अमिताभ बच्चन जैसा अभिनेता, मुकेश अंबानी जैसा बिजनेसमैन, या फिर डॉक्टर और इंजीनियर।

परंतु प्रश्न यह उठता है कि क्या यह उचित है? क्या हम भूल जाते हैं कि प्रत्येक व्यक्ति की रुचि और प्रतिभा भिन्न होती है? किसी को कला में रुचि हो सकती है, किसी को संगीत में, किसी को खेल-कूद में, तो किसी को विज्ञान और तकनीक में। जब हम सभी बच्चों को एक ही मानक पर परखने लगते हैं, तो यह उनके व्यक्तित्व के स्वाभाविक विकास में बाधा डालता है।

आज का समाज शिक्षा को कामयाबी का पर्याय मान चुका है। यदि कोई बच्चा स्कूल में प्रथम आता है या उच्च डिग्री प्राप्त करता है, तो उसे ही कामयाब माना जाता है। लेकिन इस धारणा में कतई सच्चाई नहीं है। मुगल बादशाह अकबर कितने पढ़े लिखे थे? क्या आप उन्हें कामयाब नहीं मानते? उन्होंने लगभग आधी शताब्दी तक राज किया। संत कबीरदास जो एक अनपढ़ थे। आज उनको पढ़े बिना कोई पढ़ा लिखा नहीं कहलवा सकता। उनके रचित दोहे आज भी सराहे जाते हैं। सचिन तेंदुलकर की औपचारिक शिक्षा अधिक नहीं थी, लेकिन उनकी क्रिकेट प्रतिभा ने उन्हें दुनिया के महानतम क्रिकेटरों में स्थान दिलाया। क्या आप उन्हें कामयाब नहीं मानेंगे? धीरूभाई अंबानी, जिन्होंने कभी किसी बड़े कॉलेज से शिक्षा नहीं ली, फिर भी अपनी मेहनत और दूरदर्शिता से रिलायंस जैसी विशाल कंपनी खड़ी की।

ये उदाहरण स्पष्ट करते हैं कि सफलता केवल डिग्रियों पर निर्भर नहीं होती। यदि किसी व्यक्ति में आत्मविश्वास, जुनून, मेहनत और धैर्य है, तो वह किसी भी क्षेत्र में सफल हो सकता है। परन्तु इसके लिए आवश्यक है कि उस क्षेत्र में उस व्यक्ति की रुचि होनी चाहिए। वह पूर्ण तन्मयता और लगन के साथ अपना कार्य करे।

आजकल की शिक्षा प्रणाली और समाज में सफलता को केवल अंकों और मार्कशीट से जोड़कर देखा जाता है। यह मानसिकता बच्चों में अनावश्यक प्रतिस्पर्धा और तनाव को जन्म देती है। माता-पिता और शिक्षक उन्हें केवल किताबों तक सीमित रखते हैं और जीवन में व्यावहारिक ज्ञान या कौशल पर अधिक ध्यान नहीं दिया जाता। यही कारण है कि पिछले दिनों कोटा जैसे स्थानों पर कोचिंग लेने वाले बच्चों की आत्महत्याओं के समाचार पढ़ने और सुनने को मिले।

बहुत से माता-पिता यह सोचते हैं कि यदि उनके बच्चे 90% से कम अंक लाते हैं, तो वे असफल हो जाएंगे। लेकिन यह सत्य नहीं है। दुनिया में कई ऐसे उदाहरण हैं, जहां कम अंक प्राप्त करने वाले छात्रों ने जीवन में अपार सफलता प्राप्त की है। बिल गेट्स, स्टीव जॉब्स और मार्क जुकरबर्ग जैसे महान उद्यमी कॉलेज की पढ़ाई अधूरी छोड़ने के बावजूद अपने क्षेत्रों में अपार सफल हुए।

आज के समाज को यह समझने की आवश्यकता है कि सफलता केवल किताबी ज्ञान पर आधारित नहीं होनी चाहिए। एक बच्चा यदि खेल, कला, संगीत, नृत्य, लेखन, या किसी अन्य रचनात्मक क्षेत्र में अच्छा कर रहा है, तो उसे भी वहीं सम्मान और अवसर मिलने चाहिए जो किसी डॉक्टर या इंजीनियर को मिलते हैं।

हर बच्चा किसी न किसी क्षेत्र में विशेष होता है। माता-पिता और शिक्षकों को यह समझना चाहिए कि सभी बच्चे डॉक्टर या इंजीनियर नहीं बन सकते। यदि किसी बच्चे की रुचि खेल, कला, संगीत, या व्यवसाय में है, तो उसे उसी दिशा में प्रोत्साहित करना चाहिए। केवल किताबी ज्ञान देना ही पर्याप्त नहीं है। बच्चों को जीवन के वास्तविक अनुभवों से भी सीखने का अवसर मिलना चाहिए। उन्हें स्वतंत्र रूप से सोचने, निर्णय लेने और समस्याओं का समाधान निकालने की शिक्षा दी जानी चाहिए। बच्चों में सहयोग और टीम वर्क की भावना विकसित करनी चाहिए, न कि केवल प्रतिस्पर्धा की भावना। इससे वे एक-दूसरे की मदद करना सीखेंगे और स्वस्थ मानसिकता विकसित होगी।

शिक्षा केवल अंक प्राप्त करने का माध्यम नहीं होनी चाहिए, बल्कि उसे रुचिकर और व्यावहारिक बनाया जाना चाहिए ताकि बच्चे वास्तविक जीवन में भी इसे उपयोग में ला सकें। समाज को यह समझने की आवश्यकता है कि हर व्यक्ति का सफलता का मार्ग अलग होता है। किसी के लिए वह शिक्षा के माध्यम से हो सकता है, तो किसी के लिए वह अनुभव, कला, खेल, या व्यापार के माध्यम से। हमें अपने बच्चों को स्वतंत्र रूप से सोचने और अपनी रुचि के अनुसार जीवन में आगे बढ़ने की आज़ादी देनी चाहिए। सफलता का अर्थ केवल ऊँची डिग्रियाँ प्राप्त करना नहीं है, बल्कि अपने कार्य में निपुणता प्राप्त करना और संतोषपूर्वक जीवन जीना है। इसलिए, बच्चों को एक मशीन की तरह अंक और डिग्रियों की दौड़ में मत दौड़ाइए, बल्कि उन्हें उनकी प्रतिभा और रुचि के अनुसार अपना भविष्य चुनने का अवसर दीजिए। यही सच्ची शिक्षा और सफलता का सही मार्ग है।

-इतिहास प्रवक्ता एवं स्वतंत्र पत्रकार

भारत की लूट से समृद्ध बना था ब्रिटेन

प्रमोद भार्गव

परतंत्रता के दौरान यदि ब्रिटेन ने भारत को बेहिसाब लूटा नहीं होता तो भारतीय समृद्धि के हालात कुछ और होते? भारत धन-संपदा के लिहाज से दुनिया की सबसे अग्रिम पंक्ति में खड़ा होता। क्योंकि डेढ़ हजार साल पहले तक भारत 'सोने की चिड़ियां'कहलाता था। भारत की अर्थव्यवस्था गतिशील थी। इस कारण भारत की खुशहाली गांव से लेकर नगरों तक थी। पहले इसे इस्लामिक आक्रांताओं ने लूटा और फिर ईस्ट इंडिया कंपनी के कर्ता-धर्ता अंग्रेजों ने लूटा। अब जाकर अंतरराष्ट्रीय आर्थिक स्थिति की सालाना जानकारी देने वाली संस्था 'आक्सफेम' ने 'टेकर्स, नॉट मेकर्स' शीर्षक से जारी ताजा रिपोर्ट में माना है कि ब्रिटेन के औपनिवेशिक शासन में भारत की अकूत संपत्ति को निर्ममता से लूटा गया। 21 जनवरी 2025 को आई इस रिपोर्ट में खुलासा किया है कि अंग्रेजों ने सुनियोजित ढंग से भारतीय कृशि और राजा-महाराजाओं की लगभग 648 खरब धन-संपत्ति लूटकर भारत को तो गरीबी की दलदल में धकेल दिया, किंतु ब्रिटेन का औद्योगिक विकास करने में सफलता प्राप्त कर ली। ब्रिटेन ने जो संपत्ति लूटी उस दौलत का आंकड़ा भारत की वर्तमान जीडीपी से 16 गुना अधिक था। बावजूद भारत के लोगों ने कृशि व खनिज उत्पादन और व्यापार के क्षेत्रों में खून-पसीना बहाकर देश को विष्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था की कतार में लाकर खड़ा कर दिया है। आज भारत की जीडीपी 3.6 लाख करोड़ हो गई है। 2027-28 में इसके पांच लाख करोड़ डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद हैं।

लूट के अनेक दस्तावेजों का अध्ययन करके और शोध-पत्रों के आधार पर ऑक्सफैम ने आकलन किया है कि 1765 से 1900 के बीच ब्रिटेन के सबसे अमीर 10 प्रतिशत लोगों ने भारत से आज के हिसाब से 33.8 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की संपत्ति ब्रिटेन ले गए। यदि इस संपत्ति के मूल्य को ब्रिटिश पाउंड के 50 के नोटों से लंदन की धरती पर बिछाया जाए तो लंदन के वर्तमान व्यास से 4 गुना अधिक धरती ढक जाएगी। इन अमीर 10 प्रतिशत लोगों के अलावा इस राशि के लाभार्थी ब्रिटेन के 32 प्रतिशत मध्यम वर्गीय लोग भी रहे। ईस्ट इंडिया कंपनी की सेना में कुल 2 लाख 60 हजार सैनिक थे, जो मूल ब्रिटिश सैनिकों की तुलना में दोगुना थे। ऑक्सफैम का कहना है कि ये सैनिक भूमि अधिग्रहण हिंसा, विलय और किसी न किसी बहाने राजा-महाराजा और जमींदारों पर लगाए गए आर्थिक दंड को वसूलने में लगे रहते थे। साथ ही ये सैनिक विरोधियों और क्रांतिकारियों के दमन में भी लगे रहते थे।

अंग्रेज ऐसे लुटेरे साबित हुए कि जिन्होंने बड़ी चतुराई से भारत की धन-संपदा तो लूटी ही भारतीय विकास से जुड़ी उन देशज तकनीकों को भी हथियाने का काम किया, जो भारतीयों के रोजगार और आजीविका का प्रमुख साधन थीं। अंग्रेजों की लूट से पहले तक भारत के 15 लाख गांव कृशि और कृशि आधारित ऐसे लघु एवं कुटीर उद्योगों की श्रृंखला से जुड़े थे, जिनके चलते देश अतीत में सोने की चिड़िया कहलाता था। ब्रिटेन का औद्योगिक साम्राज्य हमारे गांवों और सामंतों से लूटी गई धन-संपदा की ही नींव पर खड़ा हुआ था। अंग्रेजों की इस लूट का हैरतअंगेज खुलासा ऑक्सफैम ने तो अब किया है, लेकिन कुछ अंग्रेज, पत्रकार और लेखक अपनी पुस्तकों में पहले ही कर चुके हैं। ब्रुक्स एडम्स ने अपनी पुस्तक 'द लॉ ऑफ सिविलाइजेशन एंड डीके' में लिखा है, 'शायद दुनिया के शुरू होने से अब तक कभी भी, किसी भी पूंजी से इतना लाभ किसी भी व्यवसाय में नहीं हुआ, जितना भारतवर्ष की लूट से अंग्रेजों को हुआ। क्योंकि यहां करीब 50 साल तक इंगलिस्तान से कोई मुकाबला करने वाला नहीं था। इस लूटे गए धन का उपयोग 1760 से 1815 के बीच अंग्रेजों ने अपने देश के औद्योगिक विकास में लगाया।' वाकई ब्रिटेन का यही वह समय था, जब वहां आश्चर्यजनक उन्नति हुई। अकेली मुर्शिदाबाद की लूट का हवाला देते हुए अंग्रेज इतिहासकार ऑर्म ने अपनी किताब 'हिस्ट्री ऑफ हिंदुस्तान' में लिखा है, '6 जुलाई 1757 तक कलकत्ते की अंग्रेज कमेटी के पास चांदी के सिक्कों के रूप में 72 लाख 71 हजार 666 रुपए पहुंच गए थे। यह खजाना 100 संदूकों में भरकर 100

संदर्भः- ऑक्सफैम की ताजा सालाना रिपोर्ट-

नावों से नदिया पहुंचाया गया। वहां से अंग्रेजी जंगी जहाजों से झंडे फहराते व विजय का डंका पीटते इस धन को ब्रिटेन ले गए। इससे पहले अंग्रेज कौम को एक साथ इतना अधिक नकद धन कहीं से नहीं मिला था।' विलियम डिग्बे ने लिखा है, 'प्लासी से वाटर लू तक यानी 1757 से 1815 के बीच करीब एक हजार मिलियन पौंड, यानी 15 अरब रूपए भारत से लूटकर इंगलिस्तान भेजे गए। मसलन इन 58 वर्शों में 25 करोड़ रुपए सालाना कंपनी के अधिकारी भारतीयों को लूटकर ब्रिटेन भेजते रहे। इस लूट की तुलना में महमूद गजनवी और मोहम्मद गौरी की लूटों की तुलना के बरक्स पहाड़ की तुलना राई से करने जैसी है। इन बानगियों से स्पष्ट होता है कि भारत के गांवों में न केवल खेती-किसानी उन्नत थी,बल्कि लघु व कुटीर उद्योग भी गुणवत्तापूर्ण उत्पादकता के चरम पर थे। उस समय तक न तो हमारे यहां उद्योगों का यांत्रिकीकरण हुआ था और न ही हम वस्तुओं का आयात दूसरे देशों से करते थे। बावजूद ज्ञान परंपरा के बूते आत्मनिर्भर थे।

उद्योगों से जुड़ी तकनीकों के रहस्य-सूत्र पहले फिरंगियों ने शिल्पकारों से रजामंदी से जानना चाहे, किंतु जब इसमें उन्हें सफलता नहीं मिली तो उन पर अमानुशिक जुल्म ढाए गए। जे.बी. कीथ ने 7 सितंबर 1891 के 'पायनियर' में लिखा है, 'हर कोई जानता है कि शिल्पकार एवं कारीगर अपने पेशागत रहस्यों को सावधानीपूर्वक छिपाकर रखते हैं। यदि आप डूल्टन के मिट्टी के बरतनों के कारखानों को देखने जाएं तो सौजन्यता के साथ आपको टाल दिया जाएगा। फिर भी हिंदुस्तानी कारीगरों को मजबूर किया गया कि वे अपने कपड़ों के थानों को धोकर सफेद करने के तरीके और अपने दूसरे औद्योगिक रहस्य मैनचेस्टर वालों को प्रकट कर दें। अंततः उन्हें रहस्य खोलने पड़े। इंडिया हाउस के महकमे ने एक कीमती संग्रह तैयार किया, ताकि उसकी मदद से मैनचेस्टर दो करोड़ पौंड अर्थात 30 करोड़ रुपए सालाना भारत के शिल्पकारों से वसूल सकें। इस तकनीकी अध्ययन संग्रह की प्रक्रिया ब्रिटेन के व्यापारियों के संगठन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स को मुफ्त भेंट की गई और देश की प्रजा को उसकी कीमत चुकानी पड़ी। संभवतः राजनीति के अर्थशास्त्र की दृष्टि से यह सब जायज हों, किंतु वास्तव में इस तरह के काम में प्रच्छन्न रूप से लूट की हैरतअंगेज भावना अंतनिर्हित है।'

इस संग्रह में 700 प्रकार की वस्तुओं के नमूने और तरीके 18 बड़ी जिल्दों में इकट्ठे किए गए। संग्रह की 20 प्रतियां तैयार की गईं। इनमें से 18 जिल्दें ब्रिटेन के औद्योगिक प्रतिष्ठानों में रखी गईं। इस संग्रह को तैयार करके अंग्रेजों ने एक तीर से दो निशाने साधे। एक तो ब्रिटेन के कारीगरों को इस तकनीक में दक्ष किया और फिर वैसी ही वस्तुओं का निर्माण कराया। इसी प्रकारांतर में फिरंगियों ने भारतीय शिल्पकारों पर इतने जुल्म ढाए कि आजीविका से तो उन्हें हाथ धोने ही पड़े,उनके अंग-भंग भी किए गए। यहां तक कि जिन्होंने विद्रोही तेवर दिखाए, उन्हें प्राण भी गंवाने पड़े। कालांतर में 11 सितंबर 1813 को माकर्विस हेस्टिंग्स गवर्नर जनरल की हैसियत से भारत आया तो उसने अपने पूर्ववर्तियों की बर्बरतापूर्ण कार्यवाहियों को एक ऐसी नीति का रूप दे दिया, जिससे भारत के उद्योग-धंधे चैपट होते चले गए और ब्रिटेन के उद्योगों व उनके द्वारा उत्पादित वस्तुओं की उन्नति होने लग गई। इस बाबत यूरोपियन लेखक रॉबर्टसन ने लिखा है, '1760 तक ब्रिटेन में सूत कातने के यंत्र आविष्कार की अत्यंत आरंभिक अवस्था में तो थे ही, बेडौल भी थे, जबकि भारत में यही यंत्र बेहद उन्नत किस्म के थे।'

चाल्र्स ट्रेविलियन ने 1884 में एक रोजनामचे में लिखा है, '1816 में जितना सूती कपड़ा बंगाल से विदेशों को भेजा गया, उसका मूल्य 1,65,94,380 रुपए था। इसके बाद यह घटकर 1832 में 8,32,891 रुपए रह गया। इसके विपरीत ब्रिटेन का बना हुआ जो कपड़ा बंगाल में आया, उसका मूल्य 1814 में महज 45000 रुपए था, जिसकी खपत 1816 में बढ़कर 3,17,603 रुपए हो गई।' 1828 में यही खपत बढ़कर 79,96,383 रुपए हो गई। भारत वस्त्र निर्माण में इतना सक्षम देश था कि उसे 1832 तक एक गज सूत भी विदेश से आयात करने की जरूरत नहीं पड़ती थी, किंतु 1828 में करीब 80,00000 रुपए के कपड़ों के अतिरिक्त 35,22,640 रुपए का सूत भी ब्रिटेन से बंगाल आया। इससे अनुमान लगाया जा सकता है कि जो देशी वस्त्र बुनकर तथा कपास व सूत उत्पादक किसान इस व्यवसाय से करीब 1,80,00000 रुपए की पूंजी का वार्शिक उत्पादन किया करते थे, उनके आर्थिक स्रोत छिनने के बाद वे किसी बदहाली में रहे होंगे ? इस रिपोर्ट में लूट और अन्याय के सिलसिले में कहा है कि ब्रिटेन ने भारतीय वस्त्र उद्योग के विरुद्ध कठोर संरक्षणवादी नीतियों को लागू किया। वस्तुतः भारत की औद्योगिक दक्षता को नीतिपूर्वक कमजोर कर दिया। रिपोर्ट ने साबित किया कि भारत आर्थिक रूप में तो समृद्ध था ही, अमीरी-गरीबी जैसी कोई असमानता भी नहीं थी।

-लेखक / पत्रकार

वर्ग पहेली नं. 2997

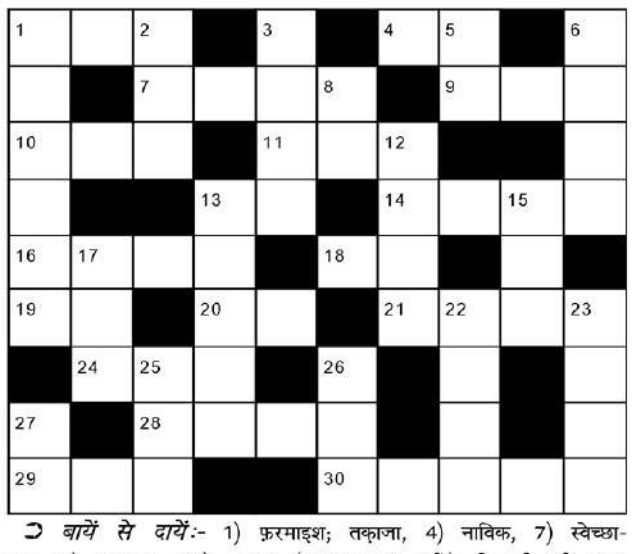

बायें से दायें:- 1) फ़रमाइश; तक़ाज़ा, 4) नाविक, 7) स्वेच्छाचार, 9) असफल, 10) नकुल *(महाभारत का नहीं)*; गिलहरी की तरह का एक मांसाहारी जन्तु, 11) चरम; अंतिम, 13) जी; चित्त, 14) कुचली हुई चीज, 16) पुष्परस, 18) रिश्वत, 19) धार्मिक क्रियाओं का पालन, 20) पर्वतों के बीच का मार्ग; घाटी, 21) आतंक, 24) घाघरा, 28) अवज्ञाकारी, 29) चुपड़ना; बोना *(पौधा)*; अटकाना, 30) बाल्यावस्था.

ऊपर से नीचे:- 1) तिरेसठ *(६३)*; मुखातिब; रूबरू, 2) चढ़ाई; आक्रमण, 3) पूर्ण विराम; कार्यान्त; निपटारा, 5) पतला; पारदर्शी, 6) निर्बल; बीमार; अप्रबल, 8) पानी, 12) उद्देश्य; इरादा; कारण, 13) सरपरस्त; सहायक, 15) शिव, 17) पंकज, 22) हक्का बक्का; स्तंभित; वाचारुद्ध, 23) तर्कविरुद्ध, 25) बतीसी दिखाना, 26) भारत का एक घटक राज्य, 27) एक वाद्य; नक़्क़ारा.

(उत्तरः अगले अंक में)

पिछली पहेली का उत्तर

आ	का	श	या	न	■	शि	क्षा	प्र	द	
■	■	कु	■	भ	वि	ष्य	■	या	■	
स	ह	म	त	■	वा	■	पा	ग	ल	
मा	■	■	ला	भा	दा	य	क	■	ज्ज	
स	मा	वे	श	■	स्प	■	■	मृ	त	
■	न	दी	■	बा	द	शा	ह	■	दा	
चौ	क	■	शो	र	■	■	द	रा	र	
पा	■	ने	■	ख़ा	ली	स	■	जी	■	
या	द	क	र	ना	■	दी	पा	व	ली	

शब्दवेधी

सुडोकू-पहेली-2957

		7		8	3			
							5	1
3	2						6	
				9		3		
	5		1					
		9				7		
4			5					
			2					

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरना आवश्यक है। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है।

••••

आड़ी और खड़ी में एवं 3-3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका ध्यान जरूर रखें।

सूडोकू पहेली - 2956 का उत्तर

9	8	5	4	7	3	6	1	2
1	4	7	6	9	2	3	5	8
3	6	2	5	8	1	7	9	4
4	7	9	3	2	5	8	6	1
6	3	1	8	4	9	5	2	7
5	2	8	7	1	6	9	4	3
8	9	4	1	5	7	2	3	6
2	1	6	9	3	8	4	7	5
7	5	3	2	6	4	1	8	9

बंगाल ग्लोबल बिजनेस समिट : गोयनका ग्रुप, अंबुजा नेवटिया ग्रुप, जेएसडब्ल्यू ग्रुप ने बंगाल में बड़े निवेश की घोषणा की

आरपी संजीव गोयनका समूह 10,000 करोड़ का करेगा निवेश

❑ मुख्यमंत्री की जमकर प्रशंसा की, कहा... 'बंगाल अब बिल्कुल बदल गया है'

कोलकाता, समाज्ञा : आरपी-संजीव गोयनका समूह के चेयरमैन संजीव गोयनका ने अगले कुछ वर्षों में बंगाल में 10,000 करोड़ रुपये के निवेश की बुधवार को घोषणा की। संजीव गोयनका ने बंगाल वैश्विक व्यापार शिखर सम्मेलन (बीजीबीएस) 2025 के उद्घाटन सत्र में यह घोषणा की। उन्होंने कहा कि यह महत्वपूर्ण निवेश तीन प्रमुख क्षेत्रों ऊर्जा, स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा पर केंद्रित होगा। इस दिन, उन्होंने कहा कि हम स्वास्थ्य सेवा, ऊर्जा और शिक्षा में 10,000 करोड़ रुपये का निवेश करेंगे। आरपी-संजीव गोयनका समूह के पास बिजली तथा ऊर्जा, खुदरा, मीडिया व मनोरंजन, बुनियादी ढांचा और शिक्षा सहित व्यवसायों का एक विविध खंड है। इस दौरान, गोयनका ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि हम अब एक अलग बंगाल में रह रहे हैं जो बिल्कुल बदल गया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी हमेशा उपलब्ध रहती हैं और त्वरित व पारदर्शी निर्णय लेती हैं।

आईटीसी लिमिटेड ने 8वें बंगाल ग्लोबल बिजनेस समिट में दो प्रमुख निवेशों की घोषणा की

कोलकाता, समाज्ञा : आईटीसी लिमिटेड ने आयोजित अपने 8वें बंगाल ग्लोबल बिजनेस समिट (बीजीबीएस) में दो प्रमुख निवेशों की घोषणा की। इस समिट का उद्देश्य पश्चिम बंगाल की विकास यात्रा को गति देना और विभिन्न उद्योगों के नेताओं को एक मंच पर लाकर राज्य के विकास की दिशा तय करना है। आईटीसी ने समिट के दौरान अपने राज्य में निवेश की योजनाओं की घोषणा की, जिसमें मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की उपस्थिति में दो प्रमुख परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया। इनमें से एक है आईटीसी इन्फोटेक ग्लोबल एआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, जो राजरहाट में स्थापित होगा, और दूसरा है उलुबेड़िया में स्थित एक अत्याधुनिक एफएमसीजी निर्माण सुविधा। इन निवेशों के साथ आईटीसी ने राज्य के साथ अपनी साझेदारी को फिर से स्पष्ट किया है और पश्चिम बंगाल को एक वैश्विक निवेश केंद्र बनाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता जताई है।

बंगाल निवेश का बनेगा नया पावर हाउस : सज्जन जिंदल

जेएसडब्ल्यू ग्रुप के चेयरमैन सज्जन जिंदल ने कहा कि दीदी (ममता बनर्जी) बंगाल को पावर हाउस बनाने की कोशिश कर रही हैं। मैं पश्चिम बंगाल को बढ़ता हुआ देख रहा हूं। यह देश का पावर हाउस है। जेएसडब्ल्यू में हमें पश्चिम बंगाल में सीमेंट फैक्ट्री होने का सौभाग्य मिला है। हमने एक भी मैन डे का नुकसान नहीं किया है। मुझे सालबोनी में 200 मेगावाट बिजली संयंत्र की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। 16,000 करोड़ का निवेश होगा। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में कुल निवेश 32,000 करोड़ होगा और यह देश में एक बड़ा कदम होगा। दुर्गापुर हवाई अड्डा पश्चिम बंगाल का दूसरा सबसे बड़ा हवाई अड्डा होगा। पश्चिम बंगाल आर्थिक विकास के अगले चरण में है। यह निवेश का नवीनतम पावर हाउस बन जाएगा।

❑ जेएसडब्ल्यू एनर्जी को पश्चिम बंगाल में मिली 1,600 मेगावाट की तापीय बिजली परियोजना

जेएसडब्ल्यू समूह की कंपनी जेएसडब्ल्यू एनर्जी ने बुधवार को कहा कि उसे पश्चिम बंगाल में 1,600 मेगावाट क्षमता की नयी तापीय बिजलीघर परियोजना लगाने का ऑर्डर मिला है। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि यह परियोजना पश्चिम बंगाल राज्य बिजली वितरण कंपनी लि. (डब्ल्यूबीएसईडीसीएल) से प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया के तहत मिली है। जेएसडब्ल्यू एनर्जी को 1,600 मेगावाट (800 मेगावाट की दो इकाइयां) क्षमता की नए अत्याधुनिक कोयला आधारित बिजलीघर के विकास और संचालन के लिए पश्चिम बंगाल राज्य बिजली वितरण कंपनी से परियोजना आवंटन पत्र मिला है। कंपनी का लक्ष्य 2030 से पहले 20 गीगावाट उत्पादन क्षमता हासिल करना है।

अंबुजा नेवटिया समूह पांच साल में 15,000 करोड़ का करेगा निवेश

पूर्वी भारत के प्रमुख कारोबारी समूह अंबुजा नेवटिया ग्रुप ने अगले पांच साल में बंगाल में 15,000 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश की बुधवार को घोषणा की। समूह के चेयरमैन हर्षवर्धन नेवटिया ने यहां आयोजित आठवें बंगाल वैश्विक व्यापार शिखर सम्मेलन के उद्घाटन कार्यक्रम में कहा कि यह निवेश स्वास्थ्य सेवा, आतिथ्य, पर्यटन, आवासीय एवं वाणिज्यिक रियल एस्टेट और गोल्फ थीम वाली टाउनशिप के विकास पर किया जाएगा। नेवटिया ने कारोबार के अनुकूल माहौल को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के सक्रिय शासन एवं समर्थन की भी जमकर सराहना की। उन्होंने बंगाल के रणनीतिक लाभ पर प्रकाश डाला, जिनमें 'कुशल कार्यबल, बढ़ता बुनियादी ढांचा और एशियाई बाजारों से निकटता' शामिल है। नेवटिया ने कहा कि उनका समूह स्वास्थ्य सेवा में 1,500 करोड़ रुपये का निवेश कर पांच नए अस्पताल स्थापित करेगा, जिनमें 1,300 बिस्तर जोड़े जाएंगे। इसके अलावा, आतिथ्य एवं पर्यटन में समूह ताज होटल के साथ एक लक्जरी आतिथ्य सर्किट विकसित करने के लिए 2,700 करोड़ रुपये का निवेश करेगा। इस सर्किट में कोलकाता और सिलीगुड़ी में सात प्रीमियम होटल और दो कन्वेंशन होटल शामिल होंगे, जिनमें 1,400 कमरे होंगे। उन्होंने कहा कि अंबुजा नेवटिया समूह बंगाल की पहली अंतरराष्ट्रीय मानक वाली गोल्फ टाउनशिप में 5,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगा। करीब 240 एकड़ की इस परियोजना में गोल्फ कोर्स, विला, अपार्टमेंट, गोल्फ होटल और अन्य सुविधाएं होंगी। समूह आवासीय एवं वाणिज्यिक संपत्ति खंड में भी 6,500 करोड़ रुपये का निवेश करेगा, जिससे अगले चार-पांच वर्षों में 1.05 करोड़ वर्ग फुट क्षेत्र का निर्माण होगा।

❑ 'बंगाल हमेशा से हमारा घर और हमारी कर्मभूमि रहा है'

नेवटिया ने कहा कि बंगाल हमेशा से हमारा घर और हमारी 'कर्मभूमि' रहा है। हम इसके विकास और वृद्धि के लिए प्रतिबद्ध हैं, और ये परियोजनाएं नए अवसर पैदा करेंगी, बुनियादी ढांचे को बढ़ाएंगी और बंगाल की स्थिति को एक व्यापार और पर्यटन केंद्र के रूप में मजबूत करेंगी।

सौरव गांगुली ने उद्योगपतियों से खेल के क्षेत्र में भी निवेश का किया आह्वान, मुख्यमंत्री ममता की तारीफ के बांधे पुल

कोलकाता में आयोजित ग्लोबल बिजनेस समिट में पूर्व क्रिकेटर सौरव गांगुली ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की जमकर तारीफ की। अपने भाषण के बीच में उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी भले ही राज्य की मुख्यमंत्री हों, लेकिन वह हमारे लिए बहन हैं। उन्होंने मंच पर मुख्यमंत्री के साथ अपने संबंधों के बारे में भी बताया और कहा कि जरूरत पड़ने पर उन्हें ममता बनर्जी से हर समय मदद मिली है। सौरव ने कहा कि मुझे इस कार्यक्रम में आमंत्रित करने के लिए मैं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का बहुत आभारी हूं, लेकिन जब वे मुझे हर साल आमंत्रित करते हैं, तो मैं उनसे पूछता हूं कि क्यों, इस उद्योग सम्मेलन में मेरी क्या भूमिका होगी, जहां बड़े-बड़े उद्योगपति मौजूद हैं? उन्होंने मुझसे बार-बार कहा कि आपको यहां आना चाहिए जहां आप अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पूरी दुनिया के सामने बंगाल का प्रतिनिधित्व कर सकें और उनके अनुसार, हर साल जब मैं यहां आता हूं, तो देखता हूं कि इस उद्योग सम्मेलन की समृद्धि कई गुना बढ़ गई है। इस औद्योगिक सम्मेलन का उद्देश्य औद्योगिक क्षेत्र के सभी सफल उद्योगपतियों को एक छत के नीचे लाना है, ताकि बंगाल में औद्योगिक क्षेत्र का और अधिक विस्तार हो सके। उन्होंने कहा कि मुझे यह सोचकर बहुत खुशी हो रही है कि इतने सारे प्रसिद्ध उद्योगपति और उद्यमी हमारे राज्य में निवेश करना चाहते हैं, भले ही वे क्रिकेटर हों। ममता की ओर से सभी को धन्यवाद। बंगाल के ब्रांड एंबेसडर सौरव ने कहा कि भारत अब स्पोर्टस (खेल) के क्षेत्र में काफी बेहतर कर रहा है और इसके विकास के लिए हमें इसे और भी प्रोत्साहित करने की जरूरत है। उन्होंने समारोह के दौरान मंच पर उपस्थित दिग्गज उद्योगपतियों मुकेश अंबानी, सज्जन जिंदल, संजीव गोयनका, हर्षवर्धन नेवटिया की सराहना करते हुए कहा कि इन्होंने उद्योग व व्यापार के साथ-साथ खेल जगत के विकास के लिए भी महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं।

मुझे मेरी मां जैसी लगती हैं ममता बनर्जी : भूटान के कृषि मंत्री

❑ भूटान के पीएम बीजीबीएस में नहीं हुए शामिल, कृषि मंत्री ने देश का किया प्रतिनिधित्व

❑ कृषि मंत्री ने बंगाल और भूटान के बीच पारस्परिक संबंधों पर दिया जोर

कोलकाता, समाज्ञा : भूटान के प्रधानमंत्री दाशो शेरिंग तोबगे ने बुधवार को बंगाल वैश्विक व्यापार शिखर सम्मेलन (बीजीबीएस) के उद्घाटन सत्र में हिस्सा नहीं लिया और उनकी जगह कृषि मंत्री ने देश का प्रतिनिधित्व किया। भूटान के कृषि मंत्री यूंटेन फुंटशो ने देश की ओर से शिखर सम्मेलन में भाग लिया। इस दौरान, भूटान के कृषि और पशुपालन मंत्री योंतेन फंटसो ने तो मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को 'मदरली फिगर' (मां जैसा व्यक्ति) भी कहकर संबोधित किया। उन्होंने कहा कि मेरी मां का जन्म 1955 में हुआ था और ममता बनर्जी का भी उसी साल जन्म हुआ था। इसलिए मैं उनका बेटा जैसा महसूस करता हूं। वह मेरे लिए सचमुच मां जैसी हैं। इसके अलावा, मंत्री ने बंगाल और भूटान के बीच पारस्परिक संबंधों पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि भूटान और बंगाल सिर्फ पड़ोसी नहीं हैं, बल्कि हमारे बीच सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और आध्यात्मिक संबंध भी हैं। भूटान में ममता दीदी एक परिचित नाम हैं। इसके बाद, उन्होंने विश्व बंगाल व्यापार सम्मेलन के मंच से ममता बनर्जी के लिए कहा कि आपका बोल्ड विजन पूरे देश में प्रसिद्ध है। पर्यटन के क्षेत्र में हमारी साझेदारी हो सकती है। हम निवेशकों से अपील करते हैं कि वे पर्यटन के अवसरों पर विचार करें। पश्चिम बंगाल और भूटान के बीच कनेक्टिविटी बेहद महत्वपूर्ण है। इस मामले में, बनारहाट-सम्सी रेलवे मार्ग एक गेम चेंजर साबित हो सकता है। इसके साथ ही, मंत्री ने भूटान को ऑर्गेनिक फार्मिंग और कृषि क्षेत्र में भी एक संभावनाशील स्थान बताया। उनके अनुसार, भूटान रिन्यूएबल एनर्जी के लिए भी एक संभावनाशील क्षेत्र है। उन्होंने कहा कि ग्रीन एनर्जी के मामले में भूटान एशिया में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। इस क्षेत्र में हम एनर्जी पार्टनरशिप कर सकते हैं।

पूर्व रेलवे

ई-नीलामी सूचना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन-713301 द्वारा अनुबंध प्रदान करने हेतु आईआरईपीएस पोर्टल के जरिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के माध्यम से खुली ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है। इसका विवरण इस प्रकार है: **नीलामी की किस्म:** पार्किंग। **ई-नीलामी कैटलॉग सं.: एएसएन-पार्क21-1902, स्टेशनों/स्थानों के नाम:** उखरा रेलवे स्टेशन पर एल.सी. गेट 6/बी/टी के पास टू (02), थ्री (03) और फोर (04)-व्हीलर्स पार्किंग। **नीलामी शुरू होने की तिथि:** 19.02.2025 को 12.00 बजे। सभी प्रत्याशित बोलीदाताओं को दी गई सूची के अनुसार उक्त ई-नीलामी के संपूर्ण विवरण एवं भाग लेने के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देखने की सलाह दी जाती है।
ASN-318/2024-25

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

ई-निविदा सूचना सं.: एनआईटी/02/25/7, दिनांक: 04.02.2025, प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक, 17, नेताजी सुभाष रोड, दूसरी मंजिल, फेयरली प्लेस, कोलकाता-700001, पूर्व रेलवे द्वारा निम्नलिखित सामानों की आपूर्ति हेतु ई-निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं: **क्रम सं.; निविदा सं.; विवरण; बयाना राशि : (1); 10242416;** इक्वलाइजर बीम का सेट, लाँग एवं शॉर्ट; रु.201490, **(2); 10242501बी;** लो मेन्टेनेंस लेड एसिड बैटरी 75 एएच; रु.268510, **(3); 12245779;** सोलेनाइड वाल्व; रु.141510, **(4); 15245093;** ऑप्टिकल कोहेरेंस टोमोग्राफी (ओसीटी) मशीन का क्रय आदि; रु.454150, **(5); 22241351;** टैब/कैप एल्ट्रॉम्बोपैग ओलामाइन 50 एमजी; रु.0; **निविदा खुलने की तिथि:** 24.02.2025, **समय:** 13.30 बजे [क्रम सं. 1 से 5 हेतु], **(6); 11241118ए;** एयर स्प्रिंग बेल्लो असेंबली संपूर्ण आदि का क्रय; रु.1222220; **निविदा खुलने की तिथि:** 03.03.2025, **समय:** 13.30 बजे, **(7); 11252159;** प्राइमरी सस्पेंशन के लिए टीपीयू रिंग आदि का क्रय; रु.664410; **निविदा खुलने की तिथि:** 06.03.2025, **समय:** 13.30 बजे। **निविदा मूल्य:** रु. 0 [क्रम सं. 1 से 7 हेतु] । **टिप्पणी:** उपर्युक्त सभी निविदाएँ ई-निविदाएँ हैं एवं सभी निविदाकारों से अनुरोध किया जाता है कि आईआरईपीएस की वेबसाइट **https:// www.ireps.gov.in** के माध्यम से अपनी बोली ऑनलाइन जमा करें। ऊपर उल्लिखित निविदाओं एवं अन्य आपूर्ति निविदाओं के संबंध में विस्तृत विवरण के लिए, कृपया आईआरईपीएस की वेबसाइट देखें।
STORES-76/2024-25

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

ममता ने टाटा समूह से यूरोप के लिए सीधी उड़ान शुरू करने का आग्रह किया

टाटा संस के चेयरमैन के साथ ममता ने फोन पर की बात

कोलकाता, समाज्ञा : मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को कोलकाता में शुरू हुए दो दिवसीय बंगाल वैश्विक व्यापार शिखर सम्मेलन (बीजीबीएस) 2025 के मंच से टाटा समूह से कोलकाता से यूरोप के लिए सीधी उड़ान शुरू करने का आग्रह किया। हालांकि, टाटा संस के चेयरमैन नटराजन चंद्रशेखरन बीजीबीएस के उद्घाटन समारोह में शामिल नहीं हुए। ममता ने दावा किया कि एक दिन पहले टाटा संस के चेयरमैन के साथ उनकी फोन पर बातचीत हुई थी। उन्होंने कहा कि कुछ पूर्व निर्धारित जरूरी कार्यक्रमों के चलते वे शिखर सम्मेलन में शामिल नहीं हो सके, लेकिन सीईओ सहित एक

महत्वपूर्ण प्रतिनिधिमंडल भेजा है। ममता ने दावा किया कि चंद्रशेखरन के साथ उनकी फोन पर हुई बातचीत बेहद सकारात्मक थी। ममता ने बताया कि उन्होंने उनसे कोलकाता से यूरोप के लिए सीधी उड़ान शुरू करने का आग्रह किया, क्योंकि एयर इंडिया को टाटा समूह ने ले लिया है। ममता ने दावा किया कि हमारे अनुरोध पर चंद्रशेखरन की प्रतिक्रिया बहुत ही सकारात्मक थीं। ममता ने आगे दावा किया कि बंगाल निवेश के लिए प्रमुख गंतव्य है। यह पूर्व का प्रवेश द्वार है और औद्योगिक निवेश के लिए भविष्य का गंतव्य है। उन्होंने जोर देकर कहा कि एमएसएमई क्षेत्र और महिला सशक्तीकरण में बंगाल नंबर एक है। ममता ने यह भी कहा कि हमने व्यावसायिक शिखर सम्मेलन के आयोजन का बीड़ा उठाया था और अब अन्य राज्य हमारा अनुसरण कर रहे हैं।

ममता ने बंगाल में कारोबार सुगमता के लिए समिति के गठन की घोषणा की

❑ 'विविधता में एकता हमारी ताकत है', बंगाल ग्लोबल बिजनेस समिट के उद्घाटन सत्र में बोलीं ममता

कोलकाता, समाज्ञा : मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को राज्य में कारोबार को सुगम बनाने के लिए एक नई राज्य-स्तरीय तालमेल समिति के गठन की घोषणा की। कोलकाता में आयोजित दो दिवसीय बंगाल वैश्विक व्यापार शिखर सम्मेलन (बीजीबीएस) के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए ममता ने राज्य की आर्थिक प्रगति और राष्ट्रीय राजमार्गों के साथ छह आर्थिक गलियारों के निर्माण सहित राज्य में जारी बुनियादी ढांचों के विकास पर प्रकाश डाला। उन्होंने राज्य के व्यापार-अनुकूल माहौल पर जोर देते हुए कहा कि बंगाल में हमारी सरकार स्थिर है जहां मानव श्रम दिवस का नुकसान नहीं होता। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि पिछले वित्त वर्ष में बंगाल का राज्य सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) राष्ट्रीय जीडीपी की तुलना में अधिक तेजी से बढ़ा है, जो राज्य के मजबूत आर्थिक प्रदर्शन को दर्शाता है। सामाजिक कल्याण पहल का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि लक्ष्मी भंडार जैसी विभिन्न योजनाओं के माध्यम से बंगाल महिला सशक्तीकरण में अग्रणी है। ममता ने समावेशन के प्रति अपनी सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि हम लोगों को विभाजित नहीं करते। विविधता में एकता हमारी ताकत है।

सीबीआई को फिर नहीं मिला कालीघाट वाले काकू की आवाज का नमूना

❑ सीबीआई ने विशेष कोर्ट से आरोपित को लाने की अनुमति मांगी

कोलकाता, समाज्ञा : बीमार होने के कारण सीबीआई को बुधवार को फिर शिक्षक भर्ती घोटाले के आरोपित सुजयकृष्ण भद्र उर्फ कालूघाट वाले काकू की आवाज का नमूना नहीं मिला। भद्र की मेडिकल रिपोर्ट प्रेसिडेंसी जेल से न्यायिक भवन भेज दी गई है। बताया गया कि भद्र अभी भी बीमारी के कारण जेल अस्पताल में भर्ती है। सुजयकृष्ण के वकील ने बताया कि भद्र को तेज बुखार है। इसी कारण उसे अदालत में पेश नहीं किया जा सका। दूसरी ओर, सीबीआई ने मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट की अदालत को बताया कि इससे पहले कम से कम चार या पांच बार भद्र की आवाज का नमूना लेने का प्रयास किया गया था। लेकिन, सुजयकृष्ण हर बार नहीं आता था। चूंकि, वह अभी भी अस्पताल में भर्ती है, इसलिए सीबीआई ने इस बार उसकी आवाज का नमूना एकत्र करने के लिए वैकल्पिक विधि का अनुरोध किया है। केंद्रीय जांच एजेंसी ने अनुरोध किया है कि उसे लाने की अनुमति दी जाए। बता दें कि इससे पहले भद्र को 29 जनवरी को व्यक्तिगत रूप से अदालत में पेश होना था। बीमारी के कारण उस दिन उसे अदालत में पेश नहीं किया जा सका। सुजयकृष्ण भर्ती भ्रष्टाचार मामले में लंबे समय से जेल में है।

इच्छा की अभिव्यक्ति

लिलुआ रेलवे वर्कशॉप अस्पताल में ऑनररी विजिटिंग स्पेशलिस्ट (एचवीएस) की नियुक्ति

मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, पूर्व रेलवे वर्कशॉप अस्पताल, लिलुआ ऑनररी विजिटिंग स्पेशलिस्ट की नियुक्ति के लिए निम्नवर्णित क्षेत्र में चिकित्सा पेशेवर के इच्छुक स्पेशलिस्ट से आवेदन आमंत्रित कर रहे हैं। **स्पेशलिटी का नाम: (1) रेडियोलॉजी; (2) गाइनीकोलॉजी एवं ऑब्सटेट्रिक्स; ड्यूटी के घंटे:** प्रत्येक क्षेत्र के लिए प्रतिदिन 04 घंटे; **सप्ताह में उपस्थित होने वाले दिनों की संख्या:** प्रत्येक क्षेत्र के लिए छह (06) दिन; **प्रति माह दिया जाने वाला मानदेय:** प्रत्येक क्षेत्र के लिए रु.78,000/-; **पद की संख्या:** प्रत्येक क्षेत्र के लिए एक पद। इच्छुक पेशेवर व्यक्ति आधार कार्ड सहित संबंधित प्रमाणपत्रों की फोटोकॉपी और बायो-डेटा, संपर्क नंबर एवं हाल के दो पासपोर्ट आकार के यथा स्व-सत्यापित फोटो के साथ मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, पूर्व रेलवे अस्पताल के पास हाथों-हाथ या डाक से या ई-मेल द्वारा आवेदन कर सकते हैं। **डाक पता: मुख्य चिकित्सा अधीक्षक का कार्यालय, लिलुआ, जिला: हावड़ा, पिन-711204, पश्चिम बंगाल, ई-मेल:cmsllher@gmail.com** आवेदन **दिनांक 20 फरवरी, 2025** को या उससे पहले इस कार्यालय में पहुँच जाए। सभी नियम एवं शर्तें रेलवे की वेबसाइट **www.er.indianrailways.gov.in** पर उपलब्ध हैं।

मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, लिलुआ

पूर्व रेलवे

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

निवेश आकर्षित करने के लिए राज्यों को मिलकर काम करना चाहिए : हेमंत सोरेन

कोलकाता, समाज्ञा : झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बुधवार को इस बात पर जोर दिया कि राज्यों को निवेश आकर्षित करने और देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए मिलकर काम करना चाहिए। सोरेन मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के निमंत्रण पर बंगाल ग्लोबल बिजनेस समिट (बीजीबीएस) के आठवें संस्करण में शामिल हुए। उन्होंने उम्मीद जताई कि झारखंड और पश्चिम बंगाल दोनों देश के प्रमुख निवेश गंतव्य के रूप में उभरेंगे। सोरेन ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल और झारखंड के बीच कई समानताएं हैं। झारखंड खनिज और प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध है। मेरा मानना है कि राज्यों को निवेश आकर्षित करने और एक मजबूत राष्ट्र बनाने के लिए आपस में सहयोग करना चाहिए। हेमंत सोरेन ने बंगाल ग्लोबल बिजनेस समिट को संबोधित करते हुए कहा कि झारखंड राज्य को और आगे ले जाने के लिए नये सिरे से पहल कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बंगाल और झारखंड में कई ऐसी गतिविधियां हैं, जो एक समान हैं। उन्होंने कहा कि जिस तेजी से टेक्नोलॉजी बदल रही है, उसमें एक मजबूत एवं विकसित राष्ट्र के निर्माण के लिए राज्यों के बीच बेहतर संबंध, समन्वय तथा भागीदारी जरूरी है। झारखंड के सीएम ने कहा कि राज्यों में आयोजित होने वाले ग्लोबल बिजनेस समिट से एक राज्य का अन्य राज्यों के साथ और अन्य देशों के साथ भी बेहतर व्यापारिक रिश्ते बनते हैं। निवेश और नयी टेक्नोलॉजी से विकास की संभावनाएं बनती हैं। हेमंत सोरेन ने कहा कि इस समिट में मुझे देश-विदेश से आये मेहमानों और उद्योग जगत के लोगों से मिलने का मौका मिल रहा है। मैं बंगाल ग्लोबल बिजनेस समिट 2025 में आये उद्यमियों तथा निवेशकों को झारखंड आमंत्रित करता हूं। आप निवेश करें, ताकि विकास के मामले में झारखंड भी तेजी से आगे बढ़े।

बंगाल ग्लोबल बिजनेस समिट केवल फर्जी समझौतों का मंच : शुभेंदु अधिकारी

कोलकाता, समाज्ञा : मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बंगाल ग्लोबल बिजनेस समिट (बीजीबीएस) में संबोधन से पहले, विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने इस आयोजन को फर्जी समझौतों का मंच बताया है। उन्होंने कहा कि यह समिट केवल दिखावटी करारों और खोखले दावों का मेल है, जिससे राज्य के उद्योग जगत को कोई वास्तविक लाभ नहीं होता। इस दिन, शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि यह आयोजन केवल फर्जी समझौतों पर हस्ताक्षर करने, अस्पष्ट अभिरुचि की अभिव्यक्तियां दिखाने और ऐसे पत्र जारी करने के लिए होता है, जिनका कोई हकीकत से वास्ता नहीं होता और वे अंततः कूड़ेदान में चले जाते हैं। उन्होंने इसे उद्योग और निवेश से परे केवल एक प्रचार रणनीति करार दिया। उन्होंने

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को चुनौती देते हुए कहा कि वह जनता को यह बताएं कि बीजीबीएस- 2023 में घोषित तीन 3.76 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों में से वास्तव में कितना निवेश राज्य में हुआ है। विपक्ष के नेता ने यह भी याद दिलाया कि यह वार्षिक आयोजन 2024 में किसी कारणवश नहीं हो सका था। विपक्ष के नेता ने कहा कि राज्य सरकार की भूमि नीति और विशेष आर्थिक क्षेत्र को मंजूरी न देने की नीति बड़े उद्योगों के निवेश में बाधक है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में भूमि अधिग्रहण के मामले में सरकार की निष्क्रियता उद्योगों के लिए बड़ा रोड़ा है। साथ ही, नए निवेशकों को विशेष आर्थिक क्षेत्र का दर्जा न देने की नीति से सूचना प्रौद्योगिकी और सेवा क्षेत्र में भी निवेश आकर्षित नहीं हो पा रहा है। भाजपा विधायक ने बीजीबीएस की टैगलाइन 'बंगाल मीन्स बिजनेस' पर भी तंज कसते हुए कहा कि यह केवल दिखावे का आयोजन है, जिसे बड़े-बड़े दावों में लपेटकर पेश किया जाता है। उन्होंने कहा कि यह दो दिवसीय आयोजन केवल एक छलावा है, जिसे ममता बनर्जी की सरकार औद्योगिक सूखे को छिपाने के लिए चमक-दमक में लपेटकर पेश कर रही है। जब तक ममता बनर्जी सत्ता में हैं, बंगाल कभी व्यापार का केंद्र नहीं बन सकता।

आरजीकर पीड़िता के माता-पिता ने नौ फरवरी को लोगों से सड़कों पर उतरने की अपील

बेटी के जन्मदिन पर न्याय की गुहार, समर्थकों से एक पौधा लगाने की अपील

कोलकाता, समाज्ञा : आरजीकर चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल में पिछले साल 9 अगस्त को दुष्कर्म और हत्या की शिकार हुई महिला प्रशिक्षु चिकित्सक के माता-पिता ने बुधवार को नौ फरवरी को उसके 32वें जन्मदिन पर न्याय की मांग करते हुए सड़कों पर उतरने का आग्रह किया है। इस दिन, एक वीडियो बयान में चिकित्सक के माता-पिता ने कहा कि वे तब तक लड़ाई जारी रखेंगे जब तक उनकी बेटी को न्याय नहीं मिल जाता है। पीड़िता की मां ने कहा कि पिछले छह महीनों से हम अपनी बेटी के लिए न्याय की लड़ाई लड़ रहे हैं। हम उस अभागी बेटी के माता-पिता हैं, जिसके सपने चकनाचूर हो गए और उसने कड़ी मेहनत से जो कुछ भी हासिल किया था, वह नष्ट हो गया। नौ फरवरी को वह 32 साल की हो जाती। उस दिन हम अपनी बेटी के लिए न्याय में देरी के विरोध में सड़कों पर उतरेंगे। उन्होंने उन सभी लोगों का भी धन्यवाद किया जिन्होंने पिछले वर्ष नौ अगस्त को हुई घटना के बाद से उनका समर्थन किया तथा न्याय की उनकी मांग में शामिल हुए। मां ने कहा कि जब वह एमबीबीएस की पढ़ाई कर रही थी, तब उसका जन्मदिन चिकित्सा महाविद्यालय में मनाया जाता था। उसके स्नातक होने के बाद, उसका जन्मदिन उसके कार्यस्थल, नर्सिंग होम और चैंबर में मनाया जाता था। फिर जब उसे स्नातकोत्तर करने का मौका मिला, तो उसका जन्मदिन आर जी कर चिकित्सका महाविद्यालय और अस्पताल में मनाया गया। उन्होंने कहा कि इस साल वह हमारे बीच नहीं है। हम सरकारी और निजी अस्पतालों में काम करने वाले सभी लोगों से अनुरोध करेंगे कि वे हमारी बेटी को न्याय मिलने में हो रही देरी के विरोध में दीये जलाएं। मेरी बेटी को फूल बहुत पसंद थे, इसलिए मैं लोगों से अनुरोध करूंगी कि वे अपने घरों और कार्यस्थलों पर एक फूल का पौधा लगाएं।

पेट्रापोल पोर्ट पर नौकरी दिलाने के नाम पर लाखों की ठगी, एक गिरफ्तार

कोलकाता, समाज्ञा : बनगांव के पेट्रापोल पोर्ट पर नौकरी दिलाने के नाम पर लाखों रुपए की ठगी करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। आरोप है भूमि बंदरगाह पर नौकरी के लिए कई फर्जी दस्तावेज भी बनाए गए थे। अभियुक्त का नाम सुब्रत मंडल है। बताया जा रहा है कि कई दिनों से आरोप लग रहे थे कि पेट्रापोल बंदरगाह पर नौकरी दिलाने के नाम पर बेरोजगार युवकों से पैसे ऐंठे जा रहे थे। कई बेरोजगार युवकों से लाखों रुपए ऐंठे गए। पेट्रापोल बंदरगाह भी इस मुद्दे पर मुखर था। शिकायत के आधार पर पुलिस ने घटना की जांच शुरू की। घटना की जांच में उतरी पुलिस ने गत मंगलवार को बनगांव के प्रतापगढ़ से सुब्रत मंडल नामक व्यक्ति को गिरफ्तार

किया गया है। बुधवार को आरोपी को बनगांव अदालत में पेश किया गया। पुलिस का प्राथमिक अनुमान है कि व्यक्ति ने नौकरी दिलाने के नाम पर बाजार से करीब 50 लाख रुपये ठगे हैं। इतना ही नहीं, उसके पास से कई फर्जी नियुक्ति पत्र भी मिले हैं। पेट्रापोल बंदरगाह के कई दस्तावेज भी बरामद किये गये हैं। पुलिस का मानना है कि यह व्यक्ति अकेला नहीं है। इस गिरोह में कई अन्य लोग भी शामिल हैं। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

दक्षिण पूर्व रेलवे-निविदा

भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/टीआरएस/सांतरागाछी, दक्षिण पूर्व रेलवे द्वारा नीचे उल्लेखित कार्यों के निष्पादन के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। **क्रमांक एवं ई-निविदा सूचना सं., कार्य का विवरण, निविदा मूल्य, ईएमडीः (1) एसआरसीई-ओटी-55ए-एफआईएल-25-62, दिनांक 01.02.2025;** इलेक्ट्रिक लोको शेड/सांतरागाछी में हाई वैक्युम टाइप 5000 एलपीएच एवं 3000 एलपीएच टीएफपी ऑयल फिल्टरेशन प्लांट की ओवरहॉलिंग/मरम्मत कार्य के साथ पुर्जों की आपूर्ति; जीएसटी सहित रु. 4,45,532.60; रु. 8,900; **(2) एसआरसीई-ओटी-22ए-वेल्डर-24-53, दिनांक 01.02.2025;** विभिन्न अनुभागों से संबंधित एआरसी वेल्डिंग, एमआईजी वेल्डिंग, गैस कटिंग, ब्रेजिंग तथा संरचना कार्यों तथा निर्धारित दैनिक लोको रखरखाव कार्य के लिए इलेक्ट्रिक लोको शेड/सांतरागाछी, द. पू. रेलवे में 5 (पांच) कुशल वेल्डरों की आपूर्ति; जीएसटी सहित रु. 40,26,418.70; रु. 80,500; **(3) एसआरसीई-ओटी-34ए-डीजीए-25-139, दिनांक 01.02.2025;** माइक्रोप्रोसेसर आधारित क्रोमैटोग्राफ डिजाल्व्ड गैस एनालाजर मशीन, मॉडल-जीसी2010 का दो वर्षों के लिए वार्षिक रखरखाव अनुबंध; जीएसटी सहित रु. 1,32,160; रु. 2,700, **निविदा दस्तावेज की कीमतः** प्रत्येक के लिए शून्य; **कार्य पूरा करने की अवधिः** क्रमांक 1 के लिए 02 महीने तथा क्रमांक 2 एवं 3 के लिए 24 महीने। **जमा करने की तारीखः** प्रत्येक के लिए 04.03.2025 को अपराह्न 3.00 बजे तक। **खुलने की तारीखः** प्रत्येक के लिए 04.03.2025 को अपराह्न 3.30 बजे। इच्छुक निविदातागण निविदाओं के सभी विवरण, ब्यौरा, विनिर्देशन, संशोधन तथा अपनी बोलियां जमा करने हेतु वेबसाइट **www.ireps.gov.in** अवश्य देखें।
(PR-1103)

पूर्व रेलवे

मंडल इंजीनियर (IV), मंडल रेल प्रबंधक का कार्यालय, पूर्व रेलवे, हावड़ा, रेलवे स्टेशन के पास डीआरएम बिल्डिंग, हावड़ा-711101 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए सिंचाई/सीपीडब्ल्यूडी/एसईबी/एमईएस या किसी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम से पंजीकृत समेत समप्रकृति के कार्य के अनुभवी एवं अपेक्षित वित्तीय संपन्न निविदाकारों से निम्नलिखित ई-निविदा आमंत्रित की जाती है: **डीईएन/4/हावड़ा। क्रम सं. 1, ई-निविदा सं.: 337_2024-25 डीईएन/4/एचडब्ल्यूएच। कार्य का विवरण** : 2 प्लांटों के लिए 3 वर्ष की अवधि हेतु टर्नकी आधार पर एईएन/रामपुरहाट के कार्यक्षेत्र में रामपुरहाट और पाकुड़ में पेयजल के लिए रसायनों की आपूर्ति सहित आरओ (आरईओएस) प्लांट का परिचालन, रखरखाव, मरम्मत एवं जीर्णोद्धार। **अनुमानित मूल्य:** रु. 27,93,785.60, **बयाना राशि :** रु. 55,900/-, **क्रम सं. 2, ई-निविदा सं.: 338_2024-25 डीईएन/4/ एचडब्ल्यूएच। कार्य का विवरण** : एईएन/बोलपुर शांतिनिकेतन के अधीन एसएसई/डब्ल्यू/बोलपुर शांतिनिकेतन के कार्यक्षेत्र में बोलपुर शांतिनिकेतन में 3 वर्ष की अवधि हेतु पेयजल के लिए रसायनों की आपूर्ति सहित आरओ (आरईओएस) प्लांट का परिचालन, रखरखाव, मरम्मत एवं जीर्णोद्धार। **अनुमानित मूल्य :** रु. 13,96,892.80, **बयाना राशि:** रु. 27,900/-, **क्रम सं. 3, ई-निविदा सं.: 339_2024-25 डीईएन/4/एचडब्ल्यूएच। कार्य का विवरण** : 1. हावड़ा मंडल के तहत एसबीजी लूप में ब्रिज सं. 5एफ, 77, 89, 132, 141, 143, 152, 172 अप, 202 अप, 206 अप और मेन लाइन शाखा में 190ए के गैंग वे, साइड पाथवे, मैन रिफ्यूज और टॉली रिफ्यूज के स्टेनलेस स्टील चेकर्ड प्लेटों द्वारा क्षयग्रस्त/छिद्रयुक्त एम.एस. चेकर्ड प्लेटों की बदली और वर्तमान साइड पाथवे का सुदृढ़ीकरण एवं (2) डीईएन/4/हावड़ा के अधीन खाना-गुमानी की शाखा में प्रमुख ब्रिजों के लिए स्टैंडर्ड ब्रिज बोर्ड का प्रावधान। **अनुमानित मूल्य :** रु. 1,26,74,164.22, **बयाना राशि :** रु.2,13,400/-, **क्रम सं. 4, ई-निविदा सं. : 340_2024-25 डीईएन/4/ एचडब्ल्यूएच। कार्य का विवरण:** डीईएन/4/हावड़ा के कार्यक्षेत्र में इनसिटू ग्लूड जॉइंटों का निर्माण। **अनुमानित मूल्य :** रु. 56,67,986.39, **बयाना राशि :** रु. 1,13,400/-, **क्रम सं. 5, ई-निविदा सं.: 341_2024-25, डीईएन/4/एचडब्ल्यूएच। कार्य का विवरण** : 1. हावड़ा मंडल के रामपुरहाट-दुमका में रामपुरहाट-अदलपहाड़ी स्टेशनों के बीच किमी. 105/7-8 पर एलसी गेट नं. 30/ई के स्थान में एलएचएस का निर्माण और 2. हावड़ा मंडल के रामपुरहाट-दुमका में रामपुरहाट-अदलपहाड़ी स्टेशनों के बीच किमी. 109/7-8 पर एलसी गेट नं. 29/ई के स्थान में एलएचएस का निर्माण। **अनुमानित मूल्य:** रु. 12,65,41,892.58, **बयाना राशि :** रु. 7,82,700/-, **निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु.):** शून्य (क्रम सं. 1 से 5 प्रत्येक हेतु)। **समापन अवधि** : स्वीकृति पत्र जारी करने की तिथि से 36 (छत्तीस) माह (क्रम सं. 1 एवं 2 प्रत्येक हेतु), स्वीकृति पत्र जारी करने की तिथि से 06 (छह) माह (क्रम सं. 3 हेतु) और स्वीकृति पत्र जारी करने की तिथि से 12 (बारह) माह (क्रम सं. 4 एवं 5 प्रत्येक हेतु)। यदि निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लिखित अंतिम तिथि को किसी भी कारण से अवकाश/बंद/हड़ताल घोषित किया जाता है, तो ऑनलाइन निविदा की अंतिम तिथि नहीं बदली जाएगी क्योंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट में किया गया आवेदन, निविदा की अंतिम तिथि और समय के बाद किसी भी प्रस्ताव को जमा करने की अनुमति नहीं देता है। तथापि निविदाओं का ऑनलाइन खोला जाना अगले कार्यदिवस में किया जाएगा। **निविदा की अंतिम तिथि और समय** : दिनांक 24.02.2025 को 14.00 बजे। निविदा का विवरण वेबसाइट : **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदाकारों से अनुरोध किया जाता है कि अपने प्रस्ताव को उपर्युक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करें। ई-निविदा प्रणाली के मामले में, बयाना राशि जमा (ईएमडी) और निविदा कागजात की लागत का भुगतान, केवल नेट बैंकिंग या पेमेंट गेटवे के माध्यम से उपर्युक्त वेबसाइट के माध्यम से स्वीकार किया जाएगा। **टिप्पणी:** आईआरईपीएस (ई-निविदा पोर्टल) पर आमंत्रित निविदाओं के लिए ईएमडी के रूप में कोई फिक्सड डिपॉजिट रिसीट (एफडीआर) स्वीकार नहीं की जाएगी। कोई मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार्य नहीं होगा।
HWH-584/2024-25

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

हाईकोर्ट ने संदीप घोष के खिलाफ मुकदमे के लिए समय बढ़ाने की याचिका खारिज की

❑ आरजीकर वित्तीय भ्रष्टाचार मामला

कोलकाता, समाज्ञा : कलकत्ता हाईकोर्ट ने अपना वह आदेश वापस लेने से इनकार कर दिया है जिसमें उन्होंने आरजीकर कॉलेज और अस्पताल के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष के उस अनुरोध को खारिज कर दिया , जिसमें उन्होंने भ्रष्टाचार और कुप्रबंधन के आरोपों में उनके खिलाफ मुकदमे के लिए समय बढ़ाने की मांग की थी। बता दें कि इससे पहले, जस्टिस तीर्थंकर घोष ने इस आधार पर अनुरोध खारिज कर दिया था कि संदीप घोष मुकदमे में देरी कर रहे हैं और उन्होंने विशेष सीबीआई अदालत को घोष के खिलाफ तेजी से आगे बढ़ने का निर्देश दिया था। बुधवार को सुनवाई में

अदालत ने कहा कि वह वापस लेने के आवेदन पर विचार नहीं कर सकती क्योंकि पहले के आदेश के बाद से मुकदमा काफी आगे बढ़ चुका है। यह कहा गया था कि घोष ने खुद का प्रभावी ढंग से बचाव करने में असमर्थ होने के लिए सीबीआई द्वारा पेश किए गए भारी-भरकम दस्तावेजों का हवाला दिया था, लेकिन अदालत मुकदमे में देरी के प्रति सचेत थी जो पहले ही हो चुकी थी। तदनुसार, अदालत ने माना कि याचिकाकर्ता द्वारा जिन उदाहरणों पर भरोसा किया गया है, वे अदालत के लिए अनुच्छेद 226 के तहत अपनी शक्तियों का प्रयोग करने के लिए पर्याप्त नहीं होंगे। घोष के वकीलों ने कहा है कि वे फैसले के खिलाफ खंडपीठ में अपील करेंगे।

संदीप घोष के खिलाफ अब राज्य मानवाधिकार आयोग ने की कार्रवाई की सिफारिश

कोलकाता, समाज्ञा : पश्चिम बंगाल मानवाधिकार आयोग (डब्ल्यूबीएचआरसी) ने राज्य सरकार से आग्रह किया है कि वह आरजीकर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के पूर्व प्राचार्य संदीप घोष के खिलाफ उचित कार्रवाई करे। बता दें कि संदीप घोष पर वित्तीय अनियमितताओं और अस्पताल के मुर्दाघर में अज्ञात शवों के साथ दुर्व्यवहार करने के गंभीर आरोप हैं। जांच में सामने आया है कि संदीप घोष कथित रूप से उन अज्ञात शवों के अंगों की बिक्री में शामिल थे, जो पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल लाए जाते थे। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने अपनी जांच में पाया कि 2021 से प्रति वित्तीय वर्ष औसतन 60 शवों का कोई रिकॉर्ड नहीं रखा गया था। 9 अगस्त, 2024 में एक जूनियर डॉक्टर से दुष्कर्म और हत्या की घटना के बाद इस पूरे मामले ने तूल पकड़ा। जांच के दौरान अस्पताल में एक कथित नेक्रोफिलिया पोर्न रिंग के संचालन की भी बात सामने आई, जिसमें संदीप घोष और उनके करीबी सहयोगियों की भूमिका होने की आशंका जताई गई। सीबीआई की चार्जशीट में आरोप लगाया गया है कि संदीप घोष ने टेंडर प्रक्रिया में हेरफेर कर निजी ठेकेदारों को काम दिलाया और राज्य लोक निर्माण विभाग को दरकिनार कर सीधे ठेके दिए। जांच में यह भी पाया गया कि संदीप घोष के प्राचार्य बनने के बाद उनकी संपत्ति और परिसंपत्तियों में अप्रत्याशित रूप से वृद्धि हुई। इस मामले में संदीप घोष के अलावा चार अन्य आरोपित भी न्यायिक हिरासत में हैं, जिनमें उनके सहायक और अंगरक्षक अफसर अली, निजी ठेकेदार बिप्लब सिन्हा और सुमन हाजरा, तथा जूनियर डॉक्टर आशीष पांडे शामिल हैं।

जोगेश चंद्र कॉलेज के विवाद मामले में हाईकोर्ट ने दिए निर्देश, बाहरी लोगों का प्रवेश बंद

कोलकाता, समाज्ञा : जोगेश चंद्र कॉलेज में सरस्वती पूजा को लेकर विवाद खड़ा हो गया था। जिसके बाद, कोलकाता उच्च न्यायालय के आदेश पर पुलिस सुरक्षा में पूजा आयोजित की गई थी। जस्टिस जय सेनगुप्ता ने ही यह आदेश दिया था। बुधवार को इस मामले की सुनवाई के दौरान, उन्होंने यह निर्देश दिया कि कॉलेज में बाहरी लोगों या पूर्व छात्र-छात्राओं का प्रवेश प्रतिबंधित किया जाए। सरस्वती पूजा को लेकर हुए विवाद पर राज्य सरकार की ओर से अदालत में रिपोर्ट प्रस्तुत की गई थी। इस संदर्भ में जस्टिस ने कहा कि किसी भी शैक्षिक संस्थान में इस प्रकार की घटनाएं स्वीकार्य नहीं हैं। उन्होंने कहा कि पढ़ाई-लिखाई में किसी

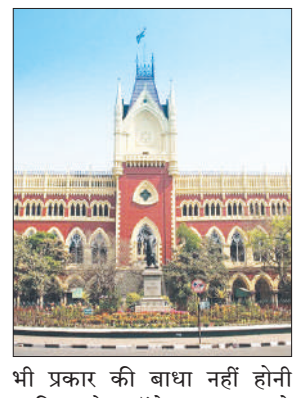

भी प्रकार की बाधा नहीं होनी चाहिए और कॉलेज प्रशासन को ऐसी स्थिति में ध्यान रखना होगा। जस्टिस ने कॉलेज प्रशासन को निर्देश दिया कि वे ऐसी पॉलिसी तैयार करें जिससे बाहरी लोग या पूर्व छात्र-छात्राएं कॉलेज में प्रवेश न कर सकें। उन्होंने कॉलेज के प्रधानाचार्य की भूमिका पर भी सवाल उठाए। मामला दायर करने वालों ने यह भी बताया कि कॉलेज के छात्रों को खुलेआम धमकियां दी जा रही हैं। इस पर जस्टिस ने गहरी नाराजगी व्यक्त की और कहा कि धमकियां देने वाले छात्र तुरंत चारू मार्केट थाने में शिकायत दर्ज कर सकते हैं और पुलिस को आरोपियों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई करनी चाहिए। अगर ऐसा नहीं किया जाता है, तो अदालत हस्तक्षेप करेगी। जस्टिस सेनगुप्ता ने यह भी कहा कि जोगेश डे और लॉ कॉलेज के प्रधानाचार्य को पूरी शक्तियां दी गई हैं। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि वर्तमान परिस्थितियों में पूर्व छात्र-छात्राओं के कॉलेज में प्रवेश पर प्रधानाचार्य पूरी तरह से कानूनी कार्रवाई कर सकते हैं।

नेटलिंक्स लिमिटेड ने 85 करोड़ के अधिमान्य वारंट्स निर्गम को दी मंजूरी

कोलकाता, समाज्ञा : इंटरनेट अवसंरचना एवं सेवा क्षेत्र की अग्रणी कंपनी नेटलिंक्स लिमिटेड ने अपने निदेशक मंडल द्वारा 85 करोड़ के अधिमान्य वारंट्स निर्गम को मंजूरी देने की घोषणा की। यह निर्णय 3 फरवरी, 2025 को आयोजित बोर्ड बैठक में लिया गया। कंपनी 1 करोड़ तक के वारंट जारी करेगी, जिनकी कीमत 85 प्रति शेयर होगी, और यह गैर-प्रवर्तक निवेशकों को आवंटित किए जाएंगे। निर्गम से एकत्रित राशि का उपयोग व्यवसाय को बढ़ाने और अवसंरचना विकास में तेजी लाने के लिए किया जाएगा। इसके अलावा, बोर्ड ने शेयरधारकों से मंजूरी प्राप्त करने के लिए 5 मार्च 2025 को असाधारण आम बैठक (ईजीएम) बुलाने का निर्णय लिया है। कंपनी के प्रबंध निदेशक, डॉ. मनोहर लोका रेड्डी ने कहा कि यह कदम कंपनी के विकास के लिए एक रणनीतिक पहल है।

एम. सी. केजरीवाल विद्यापीठ में सरस्वती पूजा का भव्य आयोजन

हावड़ा : एम. सी. केजरीवाल विद्यापीठ और इंजीनियरिंग कॉलेज के संयुक्त तत्वधान में ज्ञान और संगीत की देवी मां सरस्वती की पूजा विधिपूर्वक और भव्यता के साथ संपन्न हुई। विद्यालय प्रांगण में स्कूल के इंटरेक्ट क्लब द्वारा आयोजित इस समारोह में विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों ने श्रद्धा और उल्लास के साथ भाग लिया। पूजा का शुभारंभ वेद मंत्रों और मां सरस्वती की आराधना के साथ हुआ। विद्यापीठ चेयरमैन किशन कुमार केजरीवाल, प्रतिष्ठित प्राचार्या शर्मिली बंद्योपाध्याय, कॉलेज के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) अभिजीत लाहिड़ी, ट्रस्टी श्री अभय केजरीवाल, सी. ई. ओ. पार्थ सारथी चक्रवर्ती, एच.आर. मैनेजर अपर्णा हवलादार , प्रधानाध्यापक बिश्वजीत मजूमदार और विद्यालय प्रबंधन के अन्य गणमान्य सदस्यों की उपस्थिति में संस्थान की शैक्षणिक उत्कृष्टता और सांस्कृतिक परंपरा के प्रति अटूट प्रतिबद्धता को रेखांकित किया गया। पूजा और हवन के बाद सभी ने प्रेम पूर्वक प्रसाद का भरपूर आनंद लिया। कार्यक्रम का समापन आरती और संकल्प के साथ हुआ।

मुर्शिदाबाद में भारी संख्या में अवैध हथियारों के साथ तीन अपराधी गिरफ्तार

❑ पुलिस ने दो अलग-अलग अभियानों में चार देशी पिस्तौल, पाइप गन और जिंदा कारतूस किए बरामद

मुर्शिदाबाद : जिले में चार देशी पिस्तौल, पाइप गन और जिंदा कारतूस के साथ कुल तीन अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है। मिली जानकारी के अनुसार, गत मंगलवार को मुर्शिदाबाद पुलिस ने दो अलग-अलग अभियान चलाकर ये हथियार बरामद किए। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि ये हथियार कहां से आए और इन्हें किस लिए रखा गया था। बताया गया है कि इस दिन, सागर पाड़ा थाना पुलिस ने तेलेपाड़ा इलाके में छापेमारी कर दो लोगों को गिरफ्तार किया है। अभियुक्तों के नाम डालिम शेख और मिथुन सरकार हैं। तलाशी के दौरान डालिम के पास से 8 इंच लंबी अर्ध-स्वचालित देशी पिस्तौल और दो कारतूस बरामद किए गए। पुलिस ने उसी इलाके से मिथुन सरकार

को भी गिरफ्तार किया। उसके पास से 11 इंच लंबी पाइप गन और एक राउंड गोला-बारूद बरामद किया गया। पुलिस ने बताया कि ये सभी अवैध हथियार थे। इसी दिन, दोनों को अदालत में पेश किया गया, जहां न्यायाधीश ने दोनों को पांच दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया। दूसरी तरफ, इस दिन, दोपहर में पुलिस ने विशेष सूत्रों से सूचना मिलने के बाद डोमकल थाना अंतर्गत एलारा के अलीना नगर में छापा मारा। वहां से संदिग्ध गाजलू शेख को गिरफ्तार कर लिया गया। तलाशी के दौरान उसके पास से दो घरेलू सिंगल-शॉट राइफलें और कारतूस मिले हैं। इसके बाद, पुलिस ने गाजलू को गिरफ्तार कर लिया। उसे बुधवार को अदालत में पेश किया गया। आरोपी हथियार क्यों जमा कर रहे थे? किसने या किस वजह से ये हथियार आपूर्ति किए? पुलिस उस रास्ते की जांच कर रही है जिसके जरिए हथियार मुर्शिदाबाद में आ रहे हैं।

दिव्यांग बच्चों के उत्साहवर्धन को कलकत्ता डिस्ट्रिक्ट 322बी 1 की नेक पहल

कोलकाता : लायंस क्लब ऑफ कलकत्ता डिस्ट्रिक्ट 322बी1 की खेल समिति एवं श्रवण वाक् विकलांगता समिति ने राउंड टेबल इंडिया सीएमआरटी 113 व लेडीज सर्किल इंडिया 132 के सहयोग से 9 फरवरी को कसबा स्थित गीतांजलि स्टेडियम ग्राउंड में आशाएं रोशनी उम्मीदों की नाम से दिव्यांग बच्चों के लिए पैरालिंपिक खेल का आयोजन किया है। यह सुबह 9 से शाम 4 बजे तक चलेगा। इस साल खेल समारोह का 11वां संस्करण है। लायंस क्लब ऑफ कलकत्ता डिस्ट्रिक्ट 322बी1 के आशाएं के चेयरमैन लायन प्रशांत जयसवाल ने बताया कि यह कार्यक्रम बेहद महत्वपूर्ण है। इसके माध्यम से दिव्यांग बच्चों में खुशियां बांटने की कोशिश की जाती है। कलकत्ता डिस्ट्रिक्ट 322बी1 के अध्यक्ष लायन रमेश कुमार चोखनी ने बताया कि इस साल खेल आयोजन के साथ-साथ नन्हे फरिश्तों के लिए कई मजेदार और आकर्षक गतिविधियों की योजना बनाई है ताकि यह दिन उत्साह और अविस्मरणीय यादों से भरा हो। इस आयोजन में लगभग 35 स्कूलों के 750 दिव्यांग बच्चे भाग ले रहे हैं, जो अपना पूरा दिन एक ही छत के नीचे बिताएंगे और क्लब द्वारा आयोजित विभिन्न खेल गतिविधियों में शामिल होंगे। इन सभी प्रतिभागियों को नाश्ते और दोपहर के भोजन के लिए भोजन के पैकेट / टी-शर्ट, हुडी और कैप और गिफ्ट हैम्पर्स वितरित किए जाएंगे। राउंड टेबल इंडिया सीएमआरटी 113 के चेयरमैन वरुण जिंदल एवं कलकत्ता मिडटाउन लेडीज़ सर्कल 132 की चेयरपर्सन ऋषिका अग्रवाल ने कहा कि उक्त कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए समुचित तैयारियां की गई हैं। खेल आयोजन 50 मीटर फ्लैट रेस और 100 मीटर फ्लैट रेस के रूप में आयोजित किया जाएगा। लायंस क्लब ऑफ कलकत्ता आशाएं रोशनी उम्मीदों की के नेक काम को विभिन्न व्यावसायिक प्रतिष्ठानों ने प्रायोजित किया है।

रहड़ा में माओवादी पोस्टर, महिला नेता समेत सात गिरफ्तार

कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता के बाहरी इलाके रहड़ा में माओवादी पोस्टर दिखाई दिए हैं। मंगलवार की रात से खड़दह स्टेशन के आसपास के भीड़भाड़ वाले इलाकों में ये पोस्टर चिपकाए गए। पोस्टर की सूचना मिलने के बाद बैरकपुर कमिश्नरेट की पुलिस ने रात में ही मौके पर पहुंच कर पोस्टर हटाए और जांच शुरू की। बुधवार की सुबह रहड़ा थाने की पुलिस ने रहड़ा में एक आवास पर छापा मारा, जहां से एक महिला माओवादी नेता समेत कुल सात लोगों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी के समय, इन लोगों ने नारेबाजी भी की। सूत्रों के अनुसार, गिरफ्तार लोग उत्तर बंगाल से संबंधित हैं। पुलिस उनसे पूछताछ कर यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि उनकी योजना क्या थी।

पुलिस और स्थानीय सूत्रों के अनुसार, मंगलवार की रात चार युवकों ने खड़दह रेलवे स्टेशन पर ट्रेन से उतर कर विभिन्न दीवारों पर माओवादी पोस्टर चिपकाए और फिर ट्रेन में वापस सवार हो गए। पोस्टरों में सरकार पर छत्तीसगढ़, ओडिशा, महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश में क्रांतिकारी किसान सेनानियों पर अत्याचार करने का आरोप लगाया गया है, और उनके समर्थन में आवाज उठाने का आह्वान किया गया है। पोस्टरों में बस्तर और अबूझमाड़ सहित विभिन्न क्षेत्रों में विद्रोही आंदोलन को मजबूत करने और फासीवादी राज्य तंत्र के खिलाफ विरोध करने की बात भी लिखी गई है।

माध्यमिक के 50 छात्रों को अभी तक नहीं मिला एडमिट कार्ड, हाई कोर्ट में दायर मुकदमा

कोलकाता, समाज्ञा : पश्चिम बंगाल में माध्यमिक परीक्षा शुरू होने में अब केवल पांच दिन बचे हैं, लेकिन राज्य के विभिन्न हिस्सों से 50 छात्रों को अभी तक एडमिट कार्ड नहीं मिला है। इसके कारण छात्रों और अभिभावकों में चिंता का माहौल है। बोर्ड कार्यालय में विरोध प्रदर्शन करने के बावजूद कोई समाधान नहीं निकला, जिसके बाद छात्रों और अभिभावकों ने अदालत का रुख किया है। माध्यमिक परीक्षा 10 फरवरी से शुरू हो रही है, और छात्र आखिरी समय की तैयारी कर रहे हैं लेकिन इन 50 छात्रों को यह संशय है कि वे परीक्षा दे पाएंगे या नहीं। उन्होंने संबंधित विभाग से कई बार संपर्क किया, लेकिन कोई समाधान नहीं मिला। इसके बाद, छात्रों और अभिभावकों ने माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के खिलाफ कोलकाता हाई कोर्ट में याचिका दायर की है। इस याचिका की सुनवाई कल, यानी गुरुवार को होने की संभावना है।

प्रधान शिक्षक संगठन का कहना है कि इस समस्या का कारण ऑनलाइन फॉर्म भरने में कोई एडिट ऑप्शन न होना था, जिससे गड़बड़ी हुई है। हालांकि, इस समस्या का समाधान नहीं हो पाया है। अब यह देखना है कि हाई कोर्ट में याचिका दायर करने के बाद छात्रों को परीक्षा में बैठने की अनुमति मिलती है या नहीं।

अरुणोदय घोलेशापुर स्कूल में स्वास्थ्य जांच शिविर का किया आयोजन

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे महिला कल्याण संगठन की अध्यक्ष सीमा देउसकर के नेतृत्व में और स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग, सियालदाह के सहयोग से अरुणोदय घोलेशापुर स्कूल में एक स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया गया। सियालदह के एसीएमएस डॉक्टर मंदिरा बनर्जी के नेतृत्व में बी.आर.सिंह अस्पताल की डॉक्टरों की एक टीम ने स्कूल के 108 छात्रों की स्वास्थ्य जांच की। चिकित्सा टीम में डॉक्टर सायंतन साहा, सीनियर डीएमओ (पेडियाट्रिक्स), डॉक्टर राजर्षि कर, डीएमओ (ईएनटी), डॉक्टर दीशा नागी, पेडियाट्रिशियन, डॉक्टर बिदुषी रॉय चौधुरी, नेत्र विशेषज्ञ, और डॉक्टर रानीता दे, डेंटल सर्जन शामिल थे। इस आयोजन में डॉक्टर

सुभाशीष दास, एमडी, बी.आर. सिंह अस्पताल, डॉक्टर कल्पना मंडल, सीएमएस, सियालदह, डॉक्टर पार्थ सारथी मित्रा, एसीएमडी, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, पूर्व रेलवे मुख्यालय, चारुल अग्रवाल, स्कूल इंचार्ज और ईआरडबल्यूडबल्यूओ के सदस्य उपस्थित रहे। इस सफल और प्रभावशाली पहल में छात्रों, अभिभावकों, शिक्षकों, एठथथज के सदस्य और स्वास्थ्य और परिवार कल्याण टीम, सियालदाह की सक्रिय भागीदारी ने एठथथज की बच्चों और समुदाय की भलाई के प्रति प्रतिबद्धता को और मजबूत किया।

एचसीजी कैंसर सेंटर कोलकाता ने विश्व कैंसर दिवस पर आयोजित किया पहला पिकलबॉल टूर्नामेंट

कोलकाता, समाज्ञा : विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर, एच-सीजी कैंसर सेंटर कोलकाता ने कैंसर सर्वाइवर्स, चिकित्सकों और देखभालकर्ताओं के लिए एक अनूठा पिकलबॉल टूर्नामेंट आयोजित किया। यह आयोजन यूनाइटेड बाय यूनिक वैश्विक थीम के तहत हुआ, जिसका उद्देश्य कैंसर से उबरने वाले व्यक्तियों के साहस और उनकी यात्रा को सम्मानित करना था। 25 से अधिक प्रतिभागियों के साथ हुए इस टूर्नामेंट में, कैंसर सर्वाइवर्स और उनके परिवारों ने डबल्स मैच खेले। पिकलबॉल, जो शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है, इस कार्यक्रम का प्रमुख हिस्सा था। साथ ही, वेलनेस वर्कशॉप और रिलैक्सेशन ज़ोन ने मानसिक कल्याण पर ध्यान केंद्रित किया। एचसीजी कैंसर सेंटर के डॉ. अमरजीत सिंह और प्रतीक जैन ने कार्यक्रम के महत्व पर प्रकाश डाला, जबकि डॉ. राजीव शरण ने इसे कैंसर सर्वाइवर्स की ताकत का उत्सव बताया।

माहेश्वरी विद्यालय में मां सरस्वती का पूजनोत्सव सम्पन्न

❑ 21 मार्च से त्रिदिवसीय शताब्दी समारोह का आयोजन करेगा माहेश्वरी विद्यालय

कोलकाता : श्री माहेश्वरी विद्यालय, माहेश्वरी बालिका विद्यालय एवं माहेश्वरी शिशु विहार (अन्तर्गतः माहेश्वरी सभा) तीनों शिक्षण संस्थानों द्वारा सम्मिलित रूप से मां सरस्वती का पूजनोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय के बच्चों ने भाषण, नृत्य व गीत के माध्यम से अत्यन्त प्रभावशाली सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। खचाखच भरे सभागार में उप-स्थित जनों ने विद्यार्थियों के कौशल की भूरि-भूरि प्रशंसा की। समारोह की अध्यक्षता अ.भा. मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया ने की, जबकि प्रकाश चण्डालिया प्रधान अतिथि बतौर उपस्थित थे। माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष बुलाकीदास मिमानी ने अतिथियों का भावपूर्ण स्वागत किया।

दोनों अतिथि वक्ताओं ने अपने सम्बोधनों में विद्यालय के गौरवशाली अतीत की प्रशंसा करते हुए वर्तमान के दौर में शिक्षा व्यवस्था की चुनौतियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ज्ञान और मेधा के इस युग में विद्यार्थियों के लिए असीम सम्भावनाएं हैं। भारतीय संस्कृति के महत्व पर भी वक्ताओं ने प्रकाश डाला।

मंच पर अतिथियों के अलावा माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष बुलाकीदास मिमानी, बालिका विद्यालय के मंत्री राकेश मोहता, शिशु विहार की अध्यक्षा वर्षा डागा भी उपस्थित थीं। सभा के उपाध्यक्ष अशोक द्वारकानी ने धन्यवाद ज्ञापन किया। उन्होंने बताया कि विद्यालय के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में आगामी 21 से 23 मार्च तक त्रिदिवसीय समारोह आयोजित किया जाएगा।

तीनों विद्यालयों के शिक्षक प्रभारी संतोष कुमार झा, सुचरिता राय व नन्दिता गांगुली सहित सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित थीं। बालिका विद्यालय के मंत्री राकेश मोहता तथा एक शिक्षिका ने सम्मिलित रूप से प्रभावशाली मंच संचालन किया। इस अवसर पर माहेश्वरी सभा अन्तर्गत विभिन्न संस्था के पदाधिकारी व कार्यकर्तागण सर्वश्री जुगल राठी, रामकुमार बिन्नाणी, सीए संजय मूंधड़ा, नारायण सोनी, उप मंत्री अशोक चाण्डक, वरूण बिन्नाणी, मनमोहन राठी, पूरूषोत्तमदास मूंधड़ा, अरूण सोनी, राजकुमार नाथानी, हरिनारायण भट्टड़, डा. राजकुमार कोठारी सहित कई विशिष्ट जन उप-स्थित थे।

बजाज फिन्सर्व एएमसी ने बजाज फिन्सर्व मल्टी कैप फंड की शुरुआत की घोषणा की

कोलकाता : बजाज फिन्सर्व एएमसी ने एक ओपन एंडेड इक्विटी योजना बजाज फिन्सर्व मल्टी कैप फंड की शुरुआत की घोषणा की है, जिसके अंतर्गत लार्ज कैप, मिड कैप और स्मॉल कैप स्टॉकों में निवेश किया जाएगा। इन्वेस्टर के लिए यह फंड फरवरी 6, 2025 से शुरू होकर फरवरी 20, 2025 को बंद होगा। इस नए फंड की शुरुआत के अवसर पर गणेश मोहन, बजाज फिन्सर्व एएमसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी कहते हैं, बजाज फिन्सर्व मल्टी कैप फंड निवेशकों को उपेक्षित संपत्तियों में छुपे मूल्य को भुनाने का एक अद्वितीय अवसर देता है। यह आकर्षक मूल्यों पर अंतर्निहित मूल्य से नीचे उपलब्ध कंपनियों में निवेश करके एक कॉन्ट्रेरियन इन्वेस्टमेंट रणनीति का अनुसरण करता है, जो उनके व्यवसाय चक्र के दौरान सभी अवसरों से पूर्ण लाभ प्राप्त करते हुए बाज़ार के सभी क्षेत्रों में लाभ उठाने का लक्ष्य रखता है।

भारत के विजुअल सॉल्यूशंस मार्केट को मिलेगी नवाचार की दिशा

कोलकाता : भारत के प्रमुख क्षेत्रों, जैसे- रिटेल, शिक्षा, एविएशन, मैन्युफैक्चरिंग, हेल्थकेयर और स्मार्ट सिटी को सशक्त बनाना हमारे देश के विकास के लिए जरूरी है। इन क्षेत्रों में नए विचार और डिजिटल बदलाव से सेवाओं की गुणवत्ता बढ़ती है और नए रोजगार के अवसर पैदा होते हैं। देश के भविष्य और भी बेहतर बनाने की कड़ी में शार्प बिजनेस सिस्टम्स (इंडिया) ने एनईसी इंडिया के डिस्प्ले बिजनेस का अधिग्रहण किया है। इसका उद्देश्य भारत में विजुअल सॉल्यूशंस मार्केट में नवाचार और डिजिटल परिवर्तन को गति देना है। शार्प के मैनेजिंग डायरेक्टर, ओसामु नारिता ने कहा, यह अधिग्रहण हमें कस्टमाइज्ड और हाई-परफॉर्मेंस डिस्प्ले सॉल्यूशंस की बढ़ती माँग को पूरा करने का अवसर देता है। हम अपने ग्राहकों को बेहतरीन सेवाएँ और सपोर्ट प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

महाकुंभ मेला युवाओं के लिए एक परिवर्तनकारी यात्रा : धिमंत मालू

प्रयागराज/कोलकाता : धिमंत मालू, 19 साल का युवा, अपने हालिया महाकुंभ दौरे का अनुभव साझा करते हुए कहा कि मेरा जीवन अक्सर पढ़ाई, सोशल मीडिया और अन्य व्यस्तताओं के चारों ओर घूमता है। हालांकि, प्रयागराज में महाकुंभ मेला में मेरा हालिया अनुभव परंपरा और आध्यात्मिकता की गहरी सुंदरता को पहचानने का अवसर प्रदान किया, जिसने मेरे भीतर एक गहरे उद्देश्य की भावना को उजागर कर दिया। उन्होंने आगे कहा कि मौनी अमावस्या, 29 जनवरी को, मेरे पिता, पंकज मालू के साथ, मुझे भारी भीड़ और लॉजिस्टिकल चुनौतियों की चिंताओं के बावजूद पवित्र स्नान करने की एक अपराजेय इच्छा महसूस हुई। जब हम एक साथ पवित्र जल में कदम रखे, तो वह क्षण एक दिव्य आशीर्वाद जैसा लगा। पवित्र संगम में डुबकी लगाने के दौरान, मैंने एक

अवर्णनीय आध्यात्मिक संतोष का अनुभव किया, जिसने मेरे भीतर कुछ गहरा जगा दिया। उन्होंने बताया कि उस सुबह, एक दुखद भगदड़ की खबर ने विभिन्न त्योहार क्षेत्रों में सुरक्षा और पहुंच के बारे में चिंताएं पैदा कर दी थीं। प्रारंभ में, निराश होने के बाद, सूर्यास्त के समय इस पवित्र स्थान पर स्नान करना केवल एक अनुष्ठान नहीं था, बल्कि यह एक आध्यात्मिक जागरण का क्षण था जिसने मेरे दिव्य से संबंध को गहरा किया और मेरे पिता के साथ विशेष संबंध को मजबूत किया। उन्होंने बताया कि हमारे लिए जून अखाड़ा में नाग साधुओं से मिलना सम्मान की बात थी। उनकी प्रतिबद्धता ने मुझे अपने जीवन में चलने के लिए जिस मार्ग को चुनना है, उस पर प्रतिबिंबित करने के लिए प्रेरित किया। इस तीर्थयात्रा पर पीछे मुड़कर देखने पर, यह स्पष्ट है कि एक उच्च शक्ति ने हमारी यात्रा का मार्गदर्शन किया। इस अनुभव ने मेरे भीतर गहराई से गूंजते हुए एक महत्वपूर्ण सिखाया कि अपनी आंतरिक आह्वान को सुनना और ऐसे अवसरों का स्वागत करना आवश्यक है जो विकास और आध्यात्मिकता को बढ़ाते हैं। उन्होंने युवा साथियों से आग्रह किया है कि वे कुम्भ मेले के अनुभव का मौका न चूकें। कुम्भ की यात्रा केवल एक आध्यात्मिक अनुभव नहीं है, यह एक यात्रा है जो आत्मा को समृद्ध करती है और दृष्टिकोण को बदलती है।

सियालदाह डिवीजन में कई स्टेशनों पर फुट ओवर ब्रिज का निर्माण कार्य जारी

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे सियालदाह डिवीजन में महत्वपूर्ण अवसंरचनात्मक सुधार कर रहा है। इस योजना के तहत प्रमुख पहल 12 नए एफओबी का निर्माण है, जो डिवीजन के विभिन्न प्रमुख स्टेशनों पर बनाए जा रहे हैं। इन विकास कार्यों का उद्देश्य पैदल यात्री यातायात को सुरक्षित बनाना, प्लेटफार्मों पर भीड़ को कम करना और यात्रियों के यात्रा अनुभव को बेहतर बनाना है। नैहाटी, कृष्णानगर सिटी और बेरहामपुर कोर्ट जैसे प्रमुख स्टेशनों पर यात्री संख्या में वृद्धि के कारण सुरक्षित और प्रभावी पैदल यात्री क्रॉसिंग की आवश्यकता और भी अधिक महसूस हो रही थी। इसके जवाब में, पूर्व रेलवे ने 12 स्टेशनों पर फुट ओवर ब्रिज स्थापित करने को मंजूरी दी है, जिनमें बासुलडांगा, नैहाटी, मथुरापुर रोड, जयनगर माजिलपुर, मघराहाट, कृष्णानगर सिटी, बेथुआदहरी, बेरहामपुर कोर्ट, शांतिपुर, बनगांव, कॉसिमबाजार और बेलडांगा शामिल हैं। इन स्थानों पर निर्माण कार्य शुरू हो चुका है, जिससे यात्रियों को प्लेटफार्मों के बीच सुरक्षित और सुविधाजनक पहुंच का लाभ मिलेगा। इसके अलावा, जयनगर माजिलपुर, मागराहाट और शांतिपुर जैसे स्टेशनों पर विशेष सुविधाओं जैसे रैंप और सुलभ सीढ़ियों का निर्माण किया जाएगा, जिससे बुजुर्गों, विकलांग व्यक्तियों और बच्चों के लिए प्लेटफार्मों तक पहुंच आसान हो सके। पूर्व रेलवे अपने बुनियादी ढांचे को उन्नत करने और यात्रियों की सुविधा बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। इन फुट ओवर ब्रिजों की स्थापना इसके दृष्टिकोण को और मजबूती प्रदान करेगी, जो यात्रियों के लिए सुरक्षित, सुलभ और सुविधाजनक रेलवे स्टेशन प्रदान करने का है।

भारतीय ज्योति क्लब का सरस्वती पूजा पर महाप्रसाद कार्यक्रम आयोजित

कोलकाता, समाज्ञा : भारतीय ज्योति क्लब द्वारा सरस्वती पूजा के उपलक्ष्य में महाप्रसाद का आयोजित किया गया, जिसमें विशेष उपस्थिति बोरों चैयरमैन रेहाना खातून, पूर्व विधायक संजय बक्शी, पार्षद विजय उपाध्याय, पार्षद महेश शर्मा, पूर्व पार्षद ओमप्रकाश पोद्दार, सुप्रसिद्ध समाजसेवी रामचन्द्र बडोपलिया, प्रमोद चांडक, विप्र फाऊंडेशन के राष्ट्रीय सचिव राजकुमार व्यास, सुरेन्द्र शर्मा, रमेश लाखोटिया, रामबलभ मिश्रा, विरेन्द्र शर्मा, प्रेमचंद अग्रवाल, संजय ओझा, डॉ. विरेन्द्र कुमार शर्मा, राजू गुप्ता, हरीश बडोपलिया, विक्रान्त सिंह, अशोक ओझा, गिरधारी साव, महेंद्र अग्रवाल, बनवारी शर्मा, गोविन्द शर्मा, राजेश बडोपलिया, पूर्व पार्षद स्वेता इन्दोरिया, अनिल शर्मा, संदीप

सोमानी, संजीव शर्मा, नारायण शर्मा, संजीव राठी, प्रभात तिवारी, शाहिद भाई, विश्वनाथ जी, सचिन शर्मा, सजन शर्मा, जगत शेखानी, नरेश जैन, राजगिरी सिंह, अनिल सिंह, विवेक डोरोलिया, मनीष सराफ, योगेश शर्मा, उमेश सिंह, श्याम अग्रवाल, विवेक शर्मा, विनय सुल्तानिया, पारस अग्रवाल, अशोक गुप्ता एवं स्वर्णली दे मिश्रा समेत अन्य गणमान्य अतिथियों की रही। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में पवन शर्मा, शिव शर्मा, अरविंद, सुनिल, आनन्द, अंकित, हनुमान शर्मा समेत अन्य का सक्रिय सहयोग रहा। यह जानकारी कार्यक्रम संयोजक गणेश शर्मा ने दी।

बैंकशाल कोर्ट परिसर में मिला सिर में गोली लगे पुलिस अधिकारी का शव, जांच में जुटी पुलिस

कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता के बीबीडी बाग स्थित बैंकशाल सिटी सिविल कोर्ट परिसर में बुधवार सुबह एक पुलिस अधिकारी का सिर में गोली लगा शव मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान 48 वर्षीय गोपाल नाथ के रूप में हुई है, जो मालदह जिले के निवासी थे और एक न्यायाधीश की सुरक्षा में तैनात थे।

गोपाल नाथ का शव कोर्ट परिसर में एक कुर्सी पर बैठी हुई अवस्था में पाया गया, जबकि उनकी सर्विस रिवॉल्वर कुछ दूरी पर गिरी हुई थी। उनके सिर में गोली लगने के कारण

चारों ओर खून फैला हुआ था। पुलिस को सबसे पहले वहां मौजूद सुरक्षा गार्डों ने सूचना दी, जिसके बाद मौके पर आला अधिकारी पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए कलकत्ता मेडिकल कॉलेज भेज दिया।

❑ पोस्टमार्टम रिपोर्ट में आत्महत्या की पुष्टि

कोलकाता संयुक्त पुलिस आयुक्त (अपराध) रुपेश कुमार ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार, गोपाल नाथ के सिर के सामने के हिस्से (फ्रंटल रीजन) में एक गहरी प्रवेश गोली की चोट पाई गई, जो मस्तिष्क को भेदते हुए पीछे के हिस्से (ऑक्सिपिटल रीजन) से बाहर निकली थी। उनके सिर के अन्य हिस्सों में भी चोटों के निशान मिले। रिपोर्ट में स्पष्ट किया गया कि यह चोटें पूर्व-घटनात्मक (एंटे-मॉर्टम) थीं और उनकी मृत्यु इन्हीं चोटों के प्रभाव से हुई।

पुलिस की प्रारंभिक जांच में इसे आत्महत्या का मामला बताया जा रहा है, हालांकि कई लोग इसमें साजिश की आशंका जता रहे हैं। पुलिस इस मामले की हर एंगल से जांच कर रही है कि कहीं इसमें कोई अन्य कारण या दबाव तो जिम्मेदार नहीं था।

❑ क्या कोई दबाव या व्यक्तिगत परेशानी थी?

खुफिया विभाग के अधिकारी गोपाल नाथ के परिवार से बातचीत कर रहे हैं, ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या वह किसी पारिवारिक या मानसिक तनाव से गुजर रहे थे। इसके अलावा, यह भी जांच की जा रही है कि क्या नौकरी को लेकर उन पर कोई अधिक दबाव था।

मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए कोलकाता पुलिस के डीसी सेंट्रल और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। फॉरेंसिक विशेषज्ञों और स्निफर डॉग्स की मदद से घटनास्थल की गहन जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जब तक सभी सबूत इकट्ठे नहीं हो जाते, तब तक किसी ठोस नतीजे पर पहुंचना जल्दबाजी होगी।

यूसीसी अस्वीकार्य, खाने के आधार पर भेदभाव का कड़ा विरोध : शत्रुघ्न सिन्हा

नयी दिल्ली/कोलकाता : तृणमूल कांग्रेस के सांसद शत्रुघ्न सिन्हा ने बुधवार को कहा कि उनकी पार्टी ने हमेशा यह कहा है कि समान नागरिक संहिता (यूसीसी) उसे अस्वीकार्य है और वह, लोग क्या खाते हैं, इस आधार पर भेदभाव का कड़ा विरोध करते हैं। इस दिन, दिल्ली में सांसद ने कहा कि वह और उनकी पार्टी ऐसे किसी भी कानून का कड़ा विरोध करती है जो लोगों के साथ उनके खाने के आधार पर भेदभाव करता है। अभिनेता से राजनेता बने सिन्हा ने कहा कि मेरी पार्टी 'ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस' ने हमेशा यह कहा है कि भाजपा की समान नागरिक संहिता की योजना हमें अस्वीकार्य है, क्योंकि उस पार्टी की राजनीति और विचारधारा पूरी तरह भेदभाव और ध्रुवीकरण पर आधारित है। उन्होंने कहा कि हम सरकार के विचारों को सुनने के लिए तैयार हैं, लेकिन हम ऐसे किसी भी कानून का कड़ा विरोध करते हैं जो लोगों के साथ उनके खाने-पीने, उनके धर्म के पालन और वे किसे चुनते हैं, के आधार पर भेदभाव करता हो।

सेप्टिक टैंक से मालिक का सड़ा-गला शव बरामद, जांच में जुटी पुलिस

हावड़ा, समाज्ञा : हावड़ा में उत्तर प्रदेश के निवासी लक्ष्मण साउ(50) की रहस्यमय तरीके से मौत हो गई। हावड़ा के डोमजूर स्थित गोयेशपुर इलाके के एक लॉन्ड्री के सेप्टिक टैंक से लक्ष्मण का सड़ा हुआ शव बरामद हुआ, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रारंभिक जांच में पुलिस का अनुमान है कि लक्ष्मण की हत्या उसके व्यवसायिक साथी बिपिन ने की हो सकती है, हालांकि हत्या के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। लक्ष्मण साउ मूल रूप से उत्तर प्रदेश का रहने वाला था और हावड़ा में एक लॉन्ड्री चला रहा था। छह महीने पहले बिपिन नामक युवक उत्तर प्रदेश से हावड़ा आया था और लक्ष्मण का व्यवसायिक साथी बन

गया था। स्थानीय सूत्रों के मुताबिक, शनिवार को लक्ष्मण को आखिरी बार देखा गया था, लेकिन उसके बाद से वे और बिपिन दोनों गायब थे। मंगलवार रात को इलाके में दुर्गंध आने लगी, जिसके बाद डोमजूर पुलिस को सूचित किया गया। इसके बाद, बुधवार को गोयेशपुर स्थित सेप्टिक टैंक से लक्ष्मण का सड़ा हुआ शव बरामद किया गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं, पुलिस बिपिन की तलाश भी कर रही है।

अवैध निर्माण समेत विभिन्न मुद्दों पर कांग्रेस का प्रदर्शन, पुलिस के साथ हुई झड़प

कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता में लगातार इमारतें हिलने की घटनाएं सामने आ रही हैं। खासकर बाघाजतिन और टेंगरा के घटनाओं के बाद लोगों में डर का माहौल है। इस मुद्दे को लेकर कोलकाता नगर निगम के सामने बुधवार को कांग्रेस ने विरोध प्रदर्शन किया। उनके इस कार्यक्रम के दौरान भारी हंगामा हुआ, जिसमें पुलिस के साथ बहस और संघर्ष भी हुआ। इस दिन कांग्रेस के प्रदर्शन का आयोजन न्यू मार्केट थाना क्षेत्र के पास किया गया था, जहां पुलिस ने उन्हें रोक लिया। न्यू मार्केट क्षेत्र को बैरिकेड लगाकर घेर लिया गया, जिसके बाद पुलिस और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच धक्का-मुक्की हुई। इस स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज किया और इसके बाद गिरफ्तारी भी हुई।

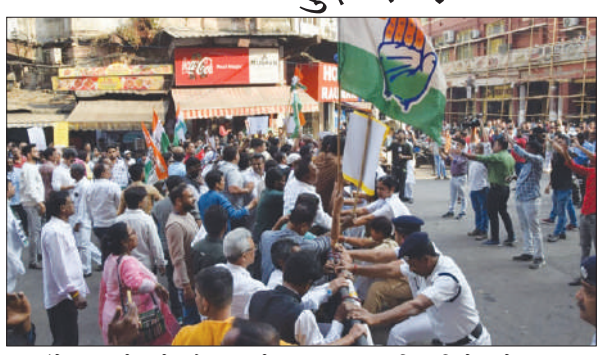

कांग्रेस कार्यकर्ता और समर्थक मुख्य रूप से कोलकाता नगर निगम के सामने प्रदर्शन कर रहे थे और उनके हाथों में के केएमसी के खिलाफ पोस्टर भी थे। इसके साथ ही, उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि गार्डनरीच में बहुमंजिला इमारत गिरने की घटना से कोलकाता के मेयर ने कोई सीख नहीं ली है। उनका कहना था कि यदि मेयर ने इस घटना से कोई सबक लिया होता, तो लगातार बहुमंजिला इमारतों के गिरने या झुकने की घटनाएं नहीं होतीं। पुलिस पर आरोप है कि वे नगर निगम में कांग्रेस के काउंसलरों को अंदर नहीं जाने दे रहे हैं और महिला कार्यकर्ताओं को भी जबरदस्ती रोका जा रहा है।

एयरपोर्ट पर सीआईएसएफ कांस्टेबल का लटकता हुआ शव बरामद

कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता एयरपोर्ट पर बुधवार को एक सनसनीखेज घटना सामने आई, जब अंतरराष्ट्रीय कार्गो के सीआईएसएफ बैरक में एक सीआईएसएफ कांस्टेबल का शव लटकता हुआ पाया गया। शव की पहचान रघुनाथ पाल (40) के रूप में हुई, जो बर्दवान जिले के हीरापुर का निवासी था। बताया गया है कि इस दिन, सुबह में सबसे पहले सीआ-रपीएफ के जवानों ने शव को देखा और तत्पश्चात एनएसजीबीआई थाने को सूचित किया।

पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बरामद कर लिया। प्रारंभिक पूछताछ में पुलिस को यह जानकारी मिली कि रघुनाथ

पाल पर काफी कर्ज हो गया था और वह इस कारण मानसिक तनाव में था। पुलिस का शुरुआती अनुमान है कि यह आत्महत्या का मामला हो सकता है।

पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। इस घटना की सूचना रघुनाथ पाल के परिवार को भी दे दी गई है।

बैंडेल में तालाब में डूबकर किशोर की मौत

हुगली, समाज्ञा : जिले के बैंडेल के मैरी पार्क इलाके में तालाब में डूबकर एक किशोर की मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मंगलवार की दोपहर बैंडेल के

मैरी पार्क इलाके में 13 वर्षीय और 10 वर्षीय दो नाबालिग बच्चे तालाब में स्नान करने गए थे। इसी दौरान उनमें से एक किशोर तलाब में डूब गया। एक व्यक्ति ने इसकी सूचना किशोर के परिवार को दी, जो तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे। स्थानीय लोगों की मदद से किशोर को पानी से बाहर निकाला गया और उसे इमामबाड़ा अस्पताल ले जाया गया, तो डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

सुंदरवन घुमाने के नाम पर दिल्ली से आए व्यक्ति का अपहरण, दो गिरफ्तार

❑ आरोपियों ने अपहृत व्यक्ति को दिया था सुंदरवन घूमने आने का निमंत्रण

कोलकाता, समाज्ञा : दिल्ली से सुंदरवन घूमने आए एक व्यक्ति के अपहरण करने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। अभियुक्तों के नाम बासंती निवासी सलीम मोल्ला और घुटियारी शरीफ निवासी सैयद अजगर अली है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, सलीम मोल्ला और सैयद अजगर अली काम के लिए दिल्ली गए थे। वहां दोनों की मुलाकात सद्दाम मोल्ला नामक एक युवक से हुई। दोनों युवकों ने सद्दाम को सुंदरवन घूमने आने का निमंत्रण दिया। उस निमंत्रण को स्वीकार करते हुए, सद्दाम और उसकी पत्नी सोमवार को सुंदरवन का दौरा करने के लिए कैनिंग पहुंचे।

कथित तौर पर, दोनों युवकों ने उन्हें इलाके की एक चाय की दुकान पर बैठाया। इसके बाद, दोनों युवक सद्दाम को लेकर निकल गए। जबकि, पत्नी चाय की दुकान पर ही बैठी रही। काफी देर बाद भी जब पति व दोनों युवक वापस नहीं लौटे तो पत्नी को शक हुआ। पहले तो वह रोने लगा। बाद में, महिला स्थानीय लोगों की मदद से कैनिंग पुलिस स्टेशन पहुंची। उन्होंने लिखित शिकायत दर्ज कराते हुए सारी बातें बताईं। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने विभिन्न स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया। मोबाइल फोन की लोकेशन का भी पता लगाया जाने लगा। रात में बसंती के सोनाखाली इलाके से आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। सद्दाम को भी सकुशल बचा लिया गया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, सद्दाम को सबसे पहले झाड़खाली ले जाया गया था। गिरफ्तार लोगों का उद्देश्य उसका अपहरण कर बड़ी फिरौती मांगना था। दोनों को मंगलवार को बारुईपुर उपजिला अदालत में पेश किया गया। अदालत ने उन्हें पुलिस हिरासत में रखने का आदेश दिया। इस घटना में और कौन शामिल है? जांचकर्ता अभियुक्तों से पूछताछ करके वह जानकारी प्राप्त करने का प्रयास कर रहे हैं।

पुलिस पकड़ में आया साइबर ठग, सोशल मीडिया के जरिये बनाता था निशाना

हुगली : ग्रामीण पुलिस के साइबर थाने की पुलिस ने खानाकुल थाना क्षेत्र के स्थानीय निवासी व साइबर ठग प्रणय कोले को गिरफ्तार किया है जो हुगली में रहकर फर्जी फेसबुक और ह्वाट्सऐप अकाउंट के जरिए राज्य के विभिन्न हिस्सों से आम लोगों से साइबर ठगी कर रहा था। नदिया जिले के शिमुराली की रहने वाली एक युवती को सोशल मीडिया के जरिये आरोपी ने अपने प्रेम जाल में फंसाया और 37,550/- रुपये ठग लिए । शिकायत के आधार पर हुगली ग्रामीण साइबर क्राइम पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। 4 फरवरी को हुगली साइबर पुलिस स्टेशन की जांच अधिकारी एल एसआई मंदिरा साहा और साइबर पुलिस स्टेशन की टीम ने पीड़ित से बात की और सारी

जानकारी एकत्र की। उन्होंने प्रणय कोले को खानाकुल थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया। उसके पास से एक मोबाइल फोन जब्त किया, जिसका इस्तेमाल वह विभिन्न साइबर धोखाधड़ी करने के लिए करता था। आरोपी को आज एसीजेएम चंदननगर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। जहां से अदालत ने आरोपी को अपराध से संबंधित अन्य साक्ष्य एकत्र करने के लिए 5 दिनों की पुलिस हिरासत में भेज दिया।

माध्यमिक परीक्षा से पहले आग में जलकर राख हुआ एडमिट कार्ड समेत किताबें, छात्रा की चिंता बढ़ी

हावड़ा, समाज्ञा : माध्यमिक परीक्षा कुछ ही दिनों में शुरू होने वाली है। इसी बीच एक भयंकर आग के हादसे में माध्यमिक की छात्रा रेनुआ खातून का एडमिट कार्ड जलकर राख हो गया। इसके साथ ही, उसकी किताबें, नोट्स और अन्य जरूरी सामान भी जलकर राख हो गई। यह दर्दनाक घटना उलुबेड़िया के बागनान थाना क्षेत्र के हालान ग्राम पंचायत के खाड़ोल पाड़ा इलाके की है। मंगलवार की रात को इलाके के निवासी अख्तर अली के घर में आग लग गई। बताया जा रहा है कि इस घर में कुल 16 लोग रहते थे। आग इतनी तेजी से फैली कि पूरे घर को अपनी चपेट में ले लिया। घर के सदस्य किसी तरह अपनी जान बचाकर बाहर निकले की इस बीच एक गैस सिलेंडर में विस्फोट हो

गया। घटनास्थल पर दमकल की दो गाड़ियां मौके पर पहुंची। दमकल कर्मियों ने कई घंटों की कोशिशों के बाद आग पर काबू पाया। मिली जानकारी के मुताबिक, इस आग में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं और उन्हें स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आग लगने के कारण जानने के लिए पुलिस और दमकल विभाग जांच में जुटी है।

स्वास्थ्य भवन ने जीबीएस मामलों के इलाज के लिए अस्पतालों को बुनियादी ढांचे बढ़ाने का दिया निर्देश

कोलकाता, समाज्ञा

गिलियन-बैरे सिंड्रोम (जीबीएस) के कारण हुई तीन मौतों के बाद, पश्चिम बंगाल स्वास्थ्य विभाग ने सभी सरकारी अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों को जीबीएस के मामलों का प्रभावी ढंग इलाज करने के लिए अपने बुनियादी ढांचे को बढ़ाने का आदेश दिया है। इस निर्देश में जीबीएस रोगियों को संभालने के लिए प्रोटोकॉल की स्थापना और किसी भी मामले की तुरंत स्वास्थ्य भवन को रिपोर्ट करने की आवश्यकता शामिल है। स्वास्थ्य सचिव नारायण स्वरूप निगम की अगुवाई में हाल ही में हुई एक वर्चुअल मीटिंग के दौरान, अधिकारियों ने जीबीएस के मामलों में संभावित वृद्धि के लिए अस्पतालों की तैयारियों का आकलन किया और प्रभावित रोगियों की वर्तमान संख्या के बारे में जानकारी ली। अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों को प्लाज्मा थेरेपी, वेंटिलेशन सपोर्ट सिस्टम और अंतःशिरा इम्युनोग्लोबुलिन इंजेक्शन सहित आवश्यक चिकित्सा संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। तैयारियों को मजबूत करने के लिए, प्रत्येक मेडिकल कॉलेज का न्यूरोलॉजी विभाग विशेष रूप से जीबीएस रोगियों के लिए दो क्रिटिकल केयर यूनिट (सीसीयू) बेड आरक्षित करेगा, साथ ही बाल चिकित्सा गहन चिकित्सा इकाई (पीआईसीयू) में दो बेड भी होंगे। बच्चों में जीबीएस के लक्षणों को पहचानने के लिए बाल विशेषज्ञों को भी जानकारी दी गई है ताकि शीघ्र निदान और उपचार की सुविधा मिल सके।

मुंबई-दिल्ली-कोलकाता रेलमार्ग पर कवच लगाने की समयसीमा दिसंबर 2025 तक बढ़ाई गई

नयी दिल्ली/कोलकाता : रेलवे बोर्ड ने दिल्ली-मुंबई और दिल्ली-कोलकाता मार्ग पर स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली 'कवच' लगाने की समय सीमा मार्च से बढ़ाकर दिसंबर 2025 कर दी है। बोर्ड द्वारा एक फरवरी, 2025 को साझा किए गए बजट दस्तावेज, (संशोधित अनुमान 2024-25 और बजट अनुमान 2025-26 के लिए रेलवे अनुमान) के मुताबिक, 'नई दिल्ली-मुंबई और नई दिल्ली-कोलकाता के 3,000 किलोमीटर मार्ग पर कवच संस्करण 4.0 के लिए पटरी के किनारे उपकरण लगाने की प्रक्रिया दिसंबर, 2025 तक पूरी हो जाएगी और शेष खंड पर काम चल रहा है।'

रेल मंत्रालय ने पिछले साल सात अगस्त को कहा था कि इस मार्ग को 'कवच' से लैस करने का कार्य मार्च 2025 तक पूरा हो जाएगा। बजट दस्तावेज के मुताबिक, 'भारतीय रेलवे ने 2020 में स्वदेशी रूप से विकसित कवच को राष्ट्रीय एटीपी प्रणाली के रूप में अपनाया है और जुलाई 2024 में कवच संस्करण 4.0 के लिए स्वदेशी विकास विनिर्देश को मंजूरी दी गई थी। 10,000 इंजन पर कवच लगाने का काम शुरू हो चुका है।' रेलवे के मुताबिक कवच एक जटिल प्रौद्योगिकी है जिसमें कई घटक शामिल हैं, जैसे कि पूरे रेलखंड पर लगाए जाने वाले आरएफआईडी टैग, पूरे सेक्शन में दूरसंचार टावर, पटरी के साथ ऑप्टिकल फाइबर केबल और प्रत्येक लोकोमोटिव पर लोको कवच। रेलवे के एक सूत्र ने बताया, 'कवच की स्थापना का काम पूरे भारतीय रेलवे नेटवर्क पर मिशन के आधार पर चल रहा है। कवच के नवीनतम संस्करण यानी 4.0 को जुलाई 2024 में अनुसंधान डिजाइन और मानक संगठन (आरडीएसओ) द्वारा अनुमोदित किया गया था।' उन्होंने बताया, 'चूंकि यह एक बहुत ही जटिल प्रौद्योगिकी है... इसलिए इसे स्थापित करने में समय लगता है। हालांकि, हम अन्य विकसित देशों की तुलना में काफी आगे हैं।' रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने हाल ही में बजट 2025-26 पर मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि अगले छह वर्षों में पूरे रेल नेटवर्क को 'कवच' से लैस कर दिया जाएगा।

आम जनों के लिए स्वास्थ्य केंद्र का उद्घाटन

हुगली : श्रीरामपुर नगरपालिका के 29 नंबर वार्ड में नवनिर्मित स्वास्थ्य केंद्र का उद्घाटन चांपदानी विधानसभा से विधायक व तृणमूल सांगठनिक जिला अध्यक्ष अरिंदम गुइन ने फीता काटकर किया। अरिंदम गुइन ने बताया कि इस वार्ड की जनता को स्वास्थ्य केंद्र की लंबे समय से मांग थी। आज गांव -गांव में स्वास्थ्य केंद्र खोले जा रहे हैं ताकि लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उनके आस पास मिले। 29 नंबर वार्ड के जनप्रतिनिधि चुने जाने के बाद ही वार्ड पार्षद जयनाथ झा ने स्वास्थ्य केंद्र बनाने को लेकर अथक प्रयास किया। सर्व सहयोग से स्वास्थ्य केंद्र बनकर तैयार हो गया। नव निर्मित यह स्वास्थ्य केंद्र अत्याधुनिक मेडिकल सुविधाओं से लैश है। शिशु वैक्सीन से लेकर जनरल फिजिशियन, शिशु विशेषज्ञ डॉक्टर, स्त्री विशेषज्ञ डॉक्टर लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करेंगे। उद्घाटन कार्यक्रम में श्रीरामपुर नगरपालिका के चेयरमैन गिरधारी साहा, सीआईसी संतोष सिंह (पप्पू), पिंटू नाग, तियशा मुखर्जी, पार्षद चीनू दास समेत कई गण्यमान्य लोग उपस्थित रहे।

उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक ने यूनिवर्सल बैंकिंग लाइसेंस के लिए किया आवेदन

कोलकाता, समाज्ञा : उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को यूनिवर्सल बैंकिंग लाइसेंस के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है। यह कदम बैंक के दीर्घकालिक विकास योजना के तहत उठाया गया है, जिससे वह अपने ग्राहकों को बेहतर सेवाएं प्रदान करने और बैंकिंग क्षेत्र में अपनी स्थिति मजबूत करने के इच्छुक है। बैंक के एमडी और सीईओ, संजीव नौटियाल ने कहा, हमने आरबीआई के दिशा-निर्देशों के बाद आवेदन प्रस्तुत किया है और यूनिवर्सल बैंक बनने के लिए विनियामक अनुमोदन की प्रतीक्षा कर रहे हैं। हमारा लक्ष्य अधिक वित्तीय सेवाएं प्रदान करना है, जिससे हम भारत के सभी लोगों को बैंकिंग समाधान उपलब्ध करा सकें। बैंक ने हाल ही में वित्त वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही के नतीजे घोषित किए, जिसमें सकारात्मक कारोबारी वृद्धि और बेहतर लोन बुक विविधता दिखाई दी।

ईआरडब्ल्यूडब्ल्यूओ सियालदह टीम ने ली कोलिन हास्टल के वंचित छात्रों में बांटे कंबल

❑ ईआरडब्ल्यूडब्ल्यूओ सियालदह की अध्यक्ष गुंजन निगम के नेतृत्व में महिला सदस्यों ने किया कंबल वितरण

कोलकाता : पूर्व रेलवे महिला कल्याण संगठन (ईआरडब्ल्यूडब्ल्यूओ), सियालदह मंडल की टीम ने सामुदायिक सहायता की दिशा में एक और नेक पहल करते हुए कोलकाता के बेलियाघाटा इलाके में स्थित ली कोलिन बायज हास्टल फॉर आर्फ़न्स का दौरा कर इसमें रहने वाले वंचित छात्रों के बीच कंबल वितरित किए। सियालदह मंडल की ओर से बुधवार को एक बयान में बताया गया कि ईआरडब्ल्यूडब्ल्यूओ/सियालदह की अध्यक्ष गुंजन निगम के नेतृत्व में महिला सदस्यों ने जरूरतमंदों के बीच यह कंबल वितरित किए। यह पहल ईआरडब्ल्यूडब्ल्यूओ/सियालदह द्वारा चलाई जा रही कल्याणकारी गतिविधियों का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य सर्दियों में जरूरतमंद लोगों को राहत प्रदान करना है। कार्यक्रम के दौरान, लगभग 50 कंबल वितरित किए गए, जिससे छात्रों को बहुत राहत मिली। छात्रावास प्रशासन ने समय पर और उदार दान के लिएईआरडब्ल्यूडब्ल्यूओ/सियालदह की महिला टीम का हार्दिक आभार व्यक्त किया। छात्रों ने भी इस दयालुता की सराहना की, जिसने समुदाय के कल्याण के लिए संगठन की प्रतिबद्धता को उजागर किया।

अधिकारियों ने बताया कि वितरण अभियान निर्बाध रूप से चलाया गया, जिसमें गुंजन निगम और अन्य ईआरडब्ल्यूडब्ल्यूओ सदस्य छात्रों के साथ गर्मजोशी से जुड़े। इस पहल ने न केवल एक व्यावहारिक आवश्यकता को पूरा किया, बल्कि समुदाय और देखभाल की भावना को भी बढ़ावा दिया। इस पहल से छात्रों की भलाई पर स्थायी सकारात्मक प्रभाव पड़ने की उम्मीद है। बता दें कि ईआरडब्ल्यूडब्ल्यूओ/सियालदह टीम ने अध्यक्ष गुंजन निगम के नेतृत्व में इससे पहले 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में कोलकाता के गरियाहाट क्षेत्र में सड़क किनारे आश्रय लिए गरीबों के बीच भी कंबल वितरित किए थे। अध्यक्ष गुंजन निगम ने कहा कि आगे भी इस प्रकार का सेवा कार्य जारी रहेगा।

बीएसएफ की फायरिंग में घायल बांग्लादेशी युवक

दक्षिण दिनाजपुर

भारत में घुसपैठ की कोशिश में एक बांग्लादेशी युवक सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की फायरिंग में घायल हो गया। घायल बांग्लादेशी युवक का नाम मोहम्मद अलाउद्दीन बताया गया है। घटना भारत-बांग्लादेश सीमा पर गंगारामपुर थाने के मल्लिकपुर की है। जबकि घुसपैठियों के हमले में बीएसएफ का एक जवान भी घायल हो गए। सूत्रों के मुताबिक, बुधवार तड़के पांच बांग्लादेशी अवैध रूप से सीमा पार कर भारतीय क्षेत्र में प्रवेश कर गए। बीएसएफ जवानों ने उन्हें रोका तो इससे गुस्साए घुसपैठियों ने बीएसएफ पर हमला कर दिया।

इस दौरान घुसपैठियों ने एक जवान की राइफल लूटने का प्रयास किया। जवाब में हमले का सामना करते हुए बीएसएफ के जवानों ने फायरिंग की। जिससे मोहम्मद अलाउद्दीन नामक एक बांग्लादेशी को गोली लग गया जिससे वे घायल हो गए। जबकि मुठभेड़ में बीएसएफ का एक जवान भी गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को गंगारामपुर सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूत्रों के मुताबिक, बांग्लादेशी प्रतिबंधित कफ सिरप की तस्करी के लिए सीमा पार कर गए थे। घटना के बाद सीमा पर बीएसएफ की निगरानी बढ़ा दी गई है।

बड़ाबाजार में पुराने घर का हिस्सा गिरा, महिला बाल-बाल बची

कोलकाता, समाज्ञा : बड़ाबाजार इलाके में बुधवार को एक और खतरनाक हादसा हुआ, जब एक 100 साल पुराने घर का एक हिस्सा गिरने से अफरा-तफरी मच गई। इस घटना में एक महिला की जान बाल-बाल बच गई, लेकिन इलाके के स्थानीय निवासी इस हादसे से परेशान हैं और किसी भी समय और बड़े हादसे की आशंका जता रहे हैं। यह घटना बुधवार दोपहर कोलकाता के 42 नंबर वार्ड, बड़ाबाजार स्थित नारायण प्रसाद बाबूलाल लेन में हुई। सूत्रों के अनुसार, यह घर करीब 100 साल पुराना था। हादसे के वक्त महिला घर के सामने खड़ी थी, और यदि वह थोड़ी देर और वहां रहती तो गंभीर रूप से घायल हो सकती थी। हालांकि, इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ। स्थानीय निवासियों का कहना है कि घर की जर्जर हालत को देखते हुए यह हादसा कभी भी हो सकता था। इलाके में ऐसे और भी कई पुराने घर हैं जिनकी स्थिति खतरनाक है, जिससे बड़ा हादसा हो सकता है।

नेताजी नगर में ब्यूटीशियन की रहस्यमय मौत से फैली सनसनी, जांच में जुटी पुलिस

कोलकाता, समाज्ञा : दक्षिण कोलकाता के गांगुली बागान इलाके में एक ब्यूटीशियन की रहस्यमय मौत से सनसनी फैल गई है। महिला का शव फ्लैट से लटका हुआ मिला है। यह घटना हत्या या आत्महत्या को लेकर सवाल खड़े कर रही है। मृतक का नाम तनुश्री माझी है, जो एक ब्यूटीशियन थीं। उनके फ्लैट के नीचे ब्यूटी पार्लर भी था। तनुश्री अपने पति और चार साल की बेटी के साथ इस फ्लैट में रहती थीं। स्थानीय सूत्रों के मुताबिक, बुधवार सुबह तनुश्री अपनी बेटी को एक पड़ोसी के घर छोड़ने आईं थीं। इसके बाद उन्होंने ब्यूटी पार्लर में काम किया और फिर वह अपने फ्लैट में चली गईं। काफी देर बाद, जब महिला अपनी बेटी को लेने नहीं आई, तो एक पड़ोसी उसके फ्लैट गई और देखा कि महिला का शव लटका हुआ है। खबर मिलते ही नेताजी नगर थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस मामले की जांच जारी है।

झाड़ग्राम में दुस्साहसिक चोरी से सनसनी, चार लाख रुपए के जेवरात व नकदी गायब

झाड़ग्राम : झाड़ग्राम शहर के वार्ड नंबर छह के बलरामडीही इलाके में एक दुस्साहसिक चोरी ने पूरे शहर को हड़कंप में डाल दिया। बदमाशों ने गृहस्वामी रवि साहा और उनके परिवार की अनुपस्थिति का फायदा उठाया, जो इलाज के लिए भुवनेश्वर गए हुए थे। चोरों ने रात के अंधेरे में घर के अंदर के कमरे के ताले तोड़ दिए और सभी लॉकर को खोला। उन्होंने पूरी रात चोरी की और जब परिवार घर लौटा, तो देखा कि उनके करीब चार लाख रुपए के सोने के जेवरात, नकदी और बर्तन गायब थे। शहर में हो रही लगातार चोरियों से अब स्थानीय निवासी चिंतित हैं। खासकर शहर के मुख्य मार्ग और घनी आबादी वाले इलाकों में हो रही चोरियों ने नागरिकों की सुरक्षा पर सवाल खड़ा कर दिया है।

न्यूज इन ब्रीफ

महाकुंभ जा रहे श्रद्धालुओं की बस और अज्ञात वाहन की टक्कर में आठ लोग घायल

कौशांबी (उप्र) : कौशांबी जिले में बुधवार सुबह महाकुंभ जा रहे श्रद्धालुओं की एक बस और अज्ञात वाहन की टक्कर में बस चालक सहित आठ लोग घायल हो गये। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस क्षेत्राधिकारी अवधेश कुमार विश्वकर्मा ने बताया कि घटना सैनी क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग-दो पर नरसिंहपुर कछुआ चौराहा पर हुई जब बागपत से श्रद्धालुओं को लेकर जा रही बस, एक अज्ञात वाहन से टकरा गई। उन्होंने बताया कि बस में कुल 55 श्रद्धालु सवार थे। उन्होंने बताया कि हादसे में बस चालक सहित आठ श्रद्धालु घायल हो गए जिन्हें पुलिस ने ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया।

सहारनपुर में खजाना दिलाने का झांसा देकर ठगी करने वाले सात लोग गिरफ्तार

सहारनपुर : उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले में तंत्र-मंत्र के जरिये खजाना दिलाने और प्रेत बाधा दूर करने का झांसा देकर ठगी करने वाले पिता-पुत्र समेत उनके गिरोह के सात सदस्यों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार किए गए लोगों के पास से ठगी कर हासिल किये गये 33 लाख रुपये भी बरामद किये गये हैं। अपर पुलिस अधीक्षक (देहात क्षेत्र) सागर जैन ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि पुलिस ने ठगी की शिकायत करने वाले युवक को भी गिरोह के सदस्य के तौर पर गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि मिर्जापुर थाना क्षेत्र में तीन फरवरी को सोनू सैनी नामक एक व्यक्ति ने थाने में शिकायत की थी। इसमें उसने आरोप लगाया था कि सलीम, उसके पुत्र अली और मोनू उर्फ इरफान समेत कई लोगों ने मिलकर तंत्र विद्या के जरिये खजाना दिलाने के बहाने उससे 33 लाख रूपये की ठगी की है। जैन ने बताया कि पुलिस ने मामले की जांच शुरू की तो पता चला कि शिकायतकर्ता सोनू सैनी भी ठगी में शामिल था।

भाजपा और आरएसएस के लोग संविधान को खत्म करना चाहते हैं : राहुल

पटना : कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर संविधान को खत्म करने की मंशा रखने का आरोप लगाते हुए बुधवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी संविधान को माथा टेक कर और आरएसएस के लोग आंबेडकर के प्रति सम्मान का दिखावा कर लोगों की आंखों में धूल झोंकने का काम कर रहे हैं। स्वतंत्रता सेनानी एवं दलित नेता जगलाल चौधरी की जयंती के अवसर पर पटना में आयोजित एक समारोह में राहुल गांधी ने अपने संबोधन में कहा, ''आपने मुझे बुलाया, आप कह रहे थे कि दिल्ली का चुनाव है। हां, दिल्ली का चुनाव है। वह अपनी जगह पर है मगर यह भी समारोह बहुत जरूरी है, तो मैं वोट डालकर सीधा यहां आ गया।'' उन्होंने कहा, '' उच्च शिक्षा के क्षेत्र में आप (दलितों) लोगों के इतिहास का कोई उल्लेख नहीं है। क्या देश में दलित प्रोफेसर परीक्षा के प्रश्नपत्र तैयार कर रहे हैं।'' लोकसभा में विपक्ष के नेता ने कहा, '' देश की 200 बड़ी कंपनियों के मालिकों में एक ओबीसी, आदिवासी और दलित नहीं है। पूरा का पूरा पैसा आपकी जेब से स्थानांतरित हो रहा है और फिर भी आप गरीब हो।'' राहुल ने कहा, ''मोदी जी ओबीसी की बात करते रहते हैं। देश का बजट 90 अधिकारी बनाते हैं और उनमें केवल तीन ही दलित हैं। आपकी आबादी 15-16 प्रतिशत है और 90 अधिकारियों में से केवल तीन अधिकारी आपके समुदाय से हैं और उन तीन अधिकारियों को छोटे-छोटे विभाग दे रखे हैं।''

मैं दलितों, कमजोर वर्गों को हर संस्था में नेतृत्व की स्थिति में देखना चाहता हूं

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने देशव्यापी जाति आधारित जनगणना की अपनी मांग को दोहराते हुए बुधवार को कहा कि वह उस दिन का इंतजार कर रहे हैं जब दलित और कमजोर वर्ग के लोग भारत के हर संस्था में शीर्ष पद संभालेंगे। गांधी ने यहां स्वतंत्रता सेनानी एवं दलित नेता जगलाल चौधरी की जयंती समारोह में अपने संबोधन में यह भी आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) संविधान के खिलाफ हैं क्योंकि संविधान दलितों और वंचितों को अधिकारों की गारंटी देता है।

अगले बिहार विधानसभा चुनाव में राजद को वोट दें, तेजस्वी यादव को अगला मुख्यमंत्री बनाएं: लालू प्रसाद

बिहारशरीफ : राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के सुप्रीमो लालू प्रसाद ने बुधवार को बिहार के लोगों से इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी को वोट देने का आग्रह किया, ताकि उनके बेटे और उत्तराधिकारी तेजस्वी यादव अगले 'मुख्यमंत्री' के रूप में अपने वादों को पूरा कर सकें। पूर्व मुख्यमंत्री प्रसाद ने नालंदा जिले में एक समारोह में यह बयान दिया। यह जिला उनके कट्टर प्रतिद्वंद्वी और वर्तमान में जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के अध्यक्ष मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का गृह जिला है। राजद सुप्रीमो ने कहा कि अगले विधानसभा चुनाव में राजद को वोट दें ताकि तेजस्वी यादव राज्य के मुख्यमंत्री बन सकें और पार्टी के वादों को पूरा कर सकें। उनका कहना था कि तेजस्वी को राज्य और देश के हित के लिए मुख्यमंत्री बनाया जाना चाहिए। लालू ने कहा कि अगर आगामी चुनाव में राजद सत्ता में आता है, तो राज्य सरकार महिलाओं के बैंक खातों में 2,500 रुपये प्रति माह भेजेगी। राजद सुप्रीमो ने कहा कि इसके अलावा, राज्य के लोगों के लिए 200 यूनिट बिजली मुफ्त कर दी जाएगी..... युवाओं को रोजगार और नौकरी मुहैया करायी जाएगी क्योंकि 'हम जो बोलते हैं, वह करते हैं।'

बिहार: अलग-अलग सड़क हादसों में तीन विद्यार्थियों सहित चार लोगों की मौत, चार अन्य लोग घायल

किशनगंज/खगड़िया : बिहार के किशनगंज और खगड़िया जिले में अलग-अलग सड़क हादसों में तीन विद्यार्थियों सहित चार लोगों की मौत हो गई जबकि चार अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस के एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) गौतम कुमार ने बताया कि घटना मे पूर्णिया व कटिहार के तीन युवकों की मौत हुई है, जो छात्र बताए जा रहे हैं हैं। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय राज मार्ग संख्या 27 पर बस स्टैंड के पास एक मोटरसाइकिल डीवाइडर से टकराने के बाद दूसरी लेन में खडे एक ट्रक से टकरा गयी, जिसमे युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। अधिकारी ने बताया कि मृतकों की उम्र 17 से 19 के बीच की है। उन्होंने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया है। खगड़िया जिले के पसराहा थाना अंतर्गत राष्ट्रीय राज मार्ग संख्या 31 बगुलवा ढाला के पास बुधवार को दो पिकअप वाहनों के बीच आमने सामने की टक्कर में एक महिला की मौत हो गई जबकि चार अन्य लोग घायल हो गए।

मिल्कीपुर उपचुनाव में भाजपा ने धांधली की, निर्वाचन आयोग कार्रवाई करे : अखिलेश यादव

लखनऊ (उप्र) : सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और स्थानीय प्रशासन पर तीखा हमला करते हुए समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा पर लोकतांत्रिक प्रक्रिया को कमजोर करने और अयोध्या में मिल्कीपुर विधानसभा उपचुनाव में धांधली करने का आरोप लगाया। उन्होंने निर्वाचन आयोग से कार्रवाई की भी मांग की। पार्टी द्वारा यहां जारी एक बयान में यादव ने दावा किया, ''पुलिस-प्रशासन का रवैया अलोकतांत्रिक रहा। दर्जनों बूथों पर समाजवादी पार्टी के बूथ एजेंटों को डराया-धमकाया गया।'' सपा प्रमुख ने आरोप लगाया, ''भाजपा ने मिल्कीपुर में बेईमानी के लिए हर तरह के हथकंडे अपनाए। भाजपा के गुंडों ने मिल्कीपुर उपचुनाव को प्रभावित करने के लिए अराजकता की। पुलिस-प्रशासन का उन्हें खुला संरक्षण मिला। पुलिस-प्रशासन ने भाजपा के गुंडों को खुली छूट देकर चुनाव आचार संहिता का घोर उल्लंघन किया।''

एसजीपीजीआई में भर्ती राम मंदिर के मुख्य पुजारी की हालत में सुधार के लक्षण दिखे

लखनऊ : संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान (एसजीपीजीआई) में 'ब्रेन स्ट्रोक' (मस्तिष्काघात) के कारण भर्ती श्रीराम जन्मभूमि मंदिर-अयोध्या के मुख्य पुजारी की हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है, लेकिन उनमें सुधार के कुछ लक्षण दिखाई दे रहे हैं। अस्पताल ने बुधवार को यह जानकारी दी। अयोध्या के श्रीराम जन्म-भूमि मंदिर के मुख्य पुजारी महंत सत्येंद्र दास (85) की 'ब्रेन स्ट्रोक' (मस्तिष्काघात) के कारण तबीयत बिगड़ जाने के बाद उन्हें लखनऊ के संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान (एसजीपीजीआई) में रविवार को भर्ती कराया गया था। एसजीपीजीआई ने एक बयान में कहा, श्री सत्येंद्र दास जी को स्ट्रोक हुआ है। उन्हें मधुमेह और उच्च रक्तचाप है और वे फिलहाल न्यूरोलॉजी आईसीयू में हैं। उनमें सुधार के कुछ लक्षण दिखाई दे रहे हैं। आज दोबारा किए गए सीटी स्कैन में पिछले स्कैन की तुलना में कोई महत्वपूर्ण बदलाव नहीं दिखा, जो यह बताता है कि उनके स्वास्थ्य की स्थिति में गिरावट नहीं है। वृद्धावस्था के कारण उन्हें अन्य बीमारियां भी हैं।

न्यूज अपडेट

महाकुंभ और मुख्यमंत्री योगी के खिलाफ बयान देने पर सपा के पूर्व विधायक के खिलाफ मुकदमा दर्ज

बरेली (उप्र) : उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और महाकुंभ के बारे में आपत्तिजनक टिप्पणी करने के आरोप में समाजवादी पार्टी (सपा) के नेता एवं पूर्व विधायक सुलतान बेग के खिलाफ बरेली के शेरगढ़ थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है। बरेली के पुलिस क्षेत्राधिकारी अरुण कुमार सिंह ने बुधवार को बताया कि यह मुकदमा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता वीरपाल सिंह की शिकायत के आधार पर मंगलवार की रात को दर्ज किया गया। सिंह ने बताया कि प्राथमिकी में भारतीय न्याय संहिता की धारा 353 (सार्वजनिक शरारत के लिए बयान), 299 (किसी भी वर्ग की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के इरादे से जानबूझकर या दुर्भावनापूर्ण कार्य) और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 67 के तहत आरोप शामिल हैं।

महाकुंभ : बसंत पंचमी के स्नान के बाद सात फरवरी से फिर से शुरू होंगे सांस्कृतिक कार्यक्रम

महाकुंभ नगर : महाकुंभ में बसंत पंचमी के स्नान के बाद सात फरवरी से एक बार फिर से सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन शुरू होगा जिसमें देश की विविध संस्कृतियों का संगम होगा। गंगा पंडाल में चल रहे मुख्य आयोजन को लेकर संस्कृति विभाग ने एक बार फिर तैयारी पूरी कर ली है। सरकार की ओर से जारी एक बयान के मुताबिक, सात फरवरी से चार दिन तक देश के नामचीन कलाकारों की प्रस्तुतियों से महाकुंभ की सांझ सजेगी। सात फरवरी को डोना गांगुली, आठ फरवरी को कविता कृष्णमूर्ति, नौ फरवरी को सुरेश वाडेकर, सोनल मान सिंह और 10 फरवरी को हरिहरन प्रस्तुति देंगे। बयान के मुताबिक, 12 फरवरी को माघी पूर्णिमा का स्नान है, इसलिए 11 से 13 फरवरी तक सांस्कृतिक कार्यक्रम स्थगित रहेंगे। बयान के मुताबिक, सात फरवरी को डोना गांगुली (कोलकाता)- ओडिसी नृत्य की प्रस्तुति देंगी, जबकि योगेश गंधर्व एवं आभा गंधर्व-सूफी गायन, सुमा सुधींद्र (कर्नाटक)- गायन और डॉ. देवकी नंदन शर्मा (मथुरा)- रासलीला प्रस्तुत करेंगे। इसी तरह, आठ फरवरी को कविता कृष्णमूर्ति, डॉ. एल सुब्रमण्यम (सुगम संगीत), प्रीति पटेल (कोलकाता)- मणिपुरी नृत्य, नरेंद्र नाथ (पश्चिम बंगाल)- सरोद वादन और डॉ. देवकीनंदन शर्मा (मथुरा)- रासलीला की प्रस्तुति देंगे।

शांति की तलाश में सनातन की ओर खिंचे आ रहे हैं विदेशी श्रद्धालु

महाकुंभ नगर : दुनिया के अलग-अलग देशों में जहां युद्ध और तरह-तरह की प्राकृतिक घटनाओं से अशांति का माहौल बना हुआ है, वहीं शांति का संदेश देता सनातन धर्म विदेशी लोगों को अपनी ओर खींच रहा है। महाकुंभ नगर के सेक्टर-17 में स्थित शक्ति धाम आश्रम में बुधवार को वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच 61 विदेशी श्रद्धालुओं ने जगद्गुरु साईं मां लक्ष्मी देवी से दीक्षा ली और सनातन धर्म को अपनाया। श्रीपंच निर्मोही अनी अखाड़ा के महामंडलेश्वर त्रिवेणी दास महाराज ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि सनातन धर्म में आकर इन विदेशी श्रद्धालुओं के चेहरे पर अद्भुत शांति दिखाई पड़ी, सनातन धर्म ही आज के युवाओं को सही रास्ता दिखा सकता है और इसी वजह से लोग सनातन की तरफ आकर्षित हो रहे हैं। बेल्जियम में अस्थि रोग चिकित्सा के क्षेत्र में काम करने वाली कैथरीन गिल्डेमिन ने कहा कि रोजमर्रा के जीवन की भागदौड़ ने उनके जीवन में तनाव काफी बढ़ा दिया था और व्यक्तिगत जीवन भी ठीक नहीं चल रहा था। इसी दौरान वह जगद्गुरु सांई मां के सानिध्य में आईं जिसके चलते वह सनातन से रूबरू हुईं और उनके जीवन को एक नयी दिशा मिली।

दिल ही नहीं दिमाग के लिए भी फायदेमंद है चॉकलेट

चॉकलेट न सिर्फ स्वादिष्ट होती है, बल्कि इसमें कई स्वास्थ्यवर्धक गुण भी होते हैं। हालांकि, इसका अत्यधिक सेवन नुकसानदायक हो सकता है। चॉकलेट सेहत के लिए अच्छी है, बशर्ते इसे सही मात्रा और सही प्रकार में खाया जाए। सेहत के लिए डार्क चॉकलेट सबसे अच्छी होती है, जबकि अधिक मीठी चॉकलेट से बचना चाहिए। अगर संतुलित रूप से चॉकलेट का सेवन किया जाए, तो यह दिल, दिमाग, त्वचा और संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद हो सकती है। आइए जानते हैं चॉकलेट के सेवन का सही तरीका और चॉकलेट से होने वाले स्वास्थ्य लाभ व नुकसान।

चॉकलेट खाने के फायदे

हृदय स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद

डार्क चॉकलेट में फ्लेवोनॉयड्स और एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो हृदय को स्वस्थ रखते हैं। इसमें पाया जाने वाला फ्लेवनॉल्स शरीर में नाइट्रिक ऑक्साइड के उत्पादन को बढ़ाने के लिए धमनियों की परत को उत्तेजित करती है। नाइट्रिक ऑक्साइड धमनियों को आराम देता है और रक्त प्रवाह के प्रतिरोध को कम करने में सहायक होता है। जिसकी वजह से ब्लड प्रेशर का खतरा कम हो सकता है और कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद मिलती है। कोको के बीज और डार्क चॉकलेट, रक्त प्रवाह और रक्तचाप के स्तर में सुधार कर सकते हैं।

मूड सुधारने में सहायक

चॉकलेट में सेरोटोनिन और डोपामाइन बढ़ाने वाले तत्व होते हैं, जो तनाव और अवसाद को कम कर सकते हैं। डार्क चॉकलेट दिमाग की कार्यप्रणाली को बेहतर बना सकता है। यह ब्रेन फंक्शन को बूस्ट करके एकाग्रता और याददाश्त को बढ़ाने में मदद करती है। अध्ययन के मुताबिक, लगभग 5 दिनों तक हाई फ्लेवनॉल कोको यानी डार्क चॉकलेट खाने से मस्तिष्क में रक्त प्रवाह में सुधार हो सकता है।

इम्यूनिटी और पाचन की मजबूती

चॉकलेट में मौजूद फाइबर और मिनरल्स पाचन को सुधारते हैं और शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाते हैं।

त्वचा और बालों के लिए फायदेमंद

डार्क चॉकलेट में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट त्वचा को णत किरणों से बचाते हैं और उसे जवां बनाए रखते हैं। त्वचा में रक्त प्रवाह में सुधार करने के लिए भी डार्क चॉकलेट असरदार है। इसमें पाए जाने वाले बायोएक्टिव कंपाउंड भी त्वचा के लिए बहुत अच्छे हो सकते हैं। साथ ही त्वचा को हाइड्रेट बनाए रखने में भी डार्क चॉकलेट फायदेमंद है। यह बालों को पोषण देकर उन्हें मजबूत और चमकदार बनाती है।

वजन घटाने में सहायक

सही मात्रा में डार्क चॉकलेट का सेवन किया जाए तो मेटाबॉलिज्म बेहतर होता है, जिससे लंबे समय तक पेट भरा रहता है और भूख को नियंत्रित किया जा सकता है।

चॉकलेट खाने के नुकसान

- चॉकलेट का सही मात्रा में वजन नियंत्रित करने में सहायक है तो वहीं अधिक चीनी वाली चॉकलेट से वजन बढ़ सकता है। मिल्क और व्हाइट चॉकलेट में अधिक चीनी और वसा होती है, जो वजन बढ़ाने का कारण बन सकती है।
- अधिक मीठी चॉकलेट खाने से ब्लड शुगर बढ़ सकता है, जिससे डायबिटीज और हृदय रोगों का खतरा बढ़ जाता है।
- कुछ लोगों को चॉकलेट खाने से सिरदर्द (माइग्रेन) हो सकता है, खासकर अगर वे कैफीन या थियोब्रोमाइन के प्रति संवेदनशील हैं। अधिक मात्रा में चॉकलेट खाने से एसिडिटी और पेट में जलन हो सकती है।
- छोटे बच्चों को अधिक मीठी चॉकलेट देने से दांतों में कीड़े लग सकते हैं और हाइपरएक्टिविटी हो सकती है।

रोज सुबह की ये एक आदत आपकी सेहत में ला सकती है बड़ा बदलाव

खान-पान में सुधार करके आप कई प्रकार के स्वास्थ्य लाभ पा सकते हैं। आप क्या खाते-पीते है इसका सेहत पर सीधा असर होता है। यही कारण है कि स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी लोगों को आहार में सुधार करने की सलाह देते हैं। रोजाना नींबू पानी पीना सेहत के लिए कई तरह से फायदेमंद होता है, खासकर जब इसे सुबह खाली पेट पिया जाए। नींबू में विटामिन सी, एंटीऑक्सिडेंट्स और अन्य पोषक तत्व होते हैं जो शरीर को डिटॉक्स करने, पाचन सुधारने और इम्युनिटी बढ़ाने में मदद करते हैं।

स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए खाली पेट नींबू पानी पीना एक आसान और प्रभावी तरीका माना जाता है। यह न केवल शरीर को डिटॉक्स करता है, बल्कि पाचन, वजन नियंत्रण, त्वचा, हृदय, और मस्तिष्क स्वास्थ्य में भी मदद करता है। वैज्ञानिक शोधों से भी यह सिद्ध होता है कि नींबू पानी नियमित रूप से पीने से शरीर को कई लाभ मिलते हैं। अगर आप वजन कम करने के लिए प्रयास कर रहे हैं तो नींबू पानी पीना आपके लिए अच्छा विकल्प हो सकता है।

खाली पेट नींबू पानी पीने के लाभ

खाली पेट नींबू पानी पीना पाचन तंत्र को सुधारने, वजन घटाने से लेकर शरीर को डिटॉक्स करने और त्वचा के लिए बहुत फायदेमंद माना जाता है। यदि आप इसे अपनी दिनचर्या में शामिल करना चाहते हैं, तो सुबह एक गिलास गुनगुने पानी में आधा नींबू निचोड़कर पीना सबसे अच्छा रहता है। हालांकि यदि आपको पेट में अल्सर, एसिडिटी रहती है तो पहले डॉक्टर से परामर्श जरूर लें।

नींबू पानी सेहत को कई लाभ दे सकता है।

पाचन स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद

नींबू पानी पेट में गैस्ट्रिक जूस (पाचन रस) के स्राव को उत्तेजित करता है, जिससे भोजन पचाने में मदद मिलती है। अध्ययनों में पाया गया है कि नींबू का साइट्रिक एसिड गैस्ट्रिक जूस के उत्पादन को बढ़ाता है, जिससे पाचन में सुधार होता है। खाली पेट इसके सेवन से आपको कई लाभ हो सकते हैं।

वजन कम करने में मददगार

नींबू पानी शरीर के मेटाबॉलिज्म को तेज करता है, जिससे कैलोरी अधिक बर्न होती है और वजन घटाने में सहायता मिलती है। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ओबेसिटी में प्रकाशित एक अध्ययन सेपता चलता है कि सुबह गुनगुना नींबू पानी पीने से मेटाबॉलिज्म दर 30% तक बढ़ सकती है। ये वेट लॉस करने में आपके लिए बहुत मददगार हो सकती है।

शरीर से निकलती है गंदगी

नींबू पानी किडनी और लिवर के टॉक्सिन्स को बाहर निकालने में मदद करता है, जिससे शरीर साफ रहता है। अध्ययन बताते हैं कि नींबू का एंटीऑक्सिडेंट गुण लिवर एंजाइम्स को एक्टिव करता है, जिससे डिटॉक्सिफिकेशन तेज होता है।

कैंसर का शक है तो सबसे पहले क्या करें, कैसे होता है इसका इलाज?

कैंसर एक गंभीर स्वास्थ्य समस्या है जिसका जोखिम साल-दर-साल बढ़ता जा रहा है। बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक सभी इस रोग का शिकार हो रहे हैं। मेडिकल क्षेत्र में नवाचार ने पहले की तुलना में अब कैंसर के उपचार को जरूर आसान बना दिया है फिर भी देश में बड़ी आबादी के लिए ये बीमारी और इसका इलाज अब भी काफी कठिन बना हुआ है।

हाल के वर्षों में देश में कैंसर के इलाज को आसान बनाने, इसके समय पर निदान के लिए कई शोध, तकनीकी विकास और बेहतरीन दवाइयां उपलब्ध हुई हैं। आइए जानते हैं कि अगर किसी को कैंसर हो जाए तो उसे क्या करना चाहिए?

कैंसर जीनोम डाटाबेस, सटीक इलाज करने में मिलेगी मदद

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मद्रास ने सोमवार को देश में कैंसर की बीमारी पर शोध में मदद के लिए अपनी तरह का पहला कैंसर जीनोम डाटाबेस लॉन्च किया। आईआईटी मद्रास के निदेशक वी. कामकोटि के अनुसार, कैंसर के अधिक मामले होने के बावजूद, वैश्विक कैंसर जीनोम अध्ययनों में भारत का प्रतिनिधित्व कम रहा है।

आईआईटी मद्रास ने 2020 में इस कैंसर जीनोम कार्यक्रम की शुरुआत की थी। इसके तहत, देशभर से 480 स्तन कैंसर मरीजों के ऊतक (टिशू) नमूनों का विश्लेषण किया गया और इनसे 960 संपूर्ण अनुक्रमण का काम पूरा किया गए। संस्थान ने इस डाटाबेस को शोधकर्ताओं और चिकित्सकों के लिए सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराया है। यह कैंसर पर शोध की दिशा में एक मील का पत्थर साबित हो सकता है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, कैंसर का मतलब जीवन का अंत नहीं है। सही समय पर सही इलाज, संतुलित आहार, सकारात्मक मानसिकता और स्वस्थ जीवनशैली अपनाकर इसे हराया जा सकता है। अगर आपको या आपके किसी प्रियजन को कैंसर हो जाता है, तो धैर्य रखें, उचित चिकित्सा लें और सकारात्मक सोच बनाए रखें।

समय पर कैंसर का सही निदान कराएं

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, यदि आपको कैंसर होने की आशंका है या डॉक्टर ने कोई संकेत दिए हैं, तो पहले इसकी पुष्टि कराना जरूरी है। इसमें कुछ टेस्ट मददगार हो सकते हैं।

बायोप्सी: कैंसर कोशिकाओं की पुष्टि करने के लिए प्रभावित ऊतकों का सैंपल लेकर जांच की जाती है।

इमेजिंग टेस्ट: एमआरआई, सीटी स्कैन, पीईटी स्कैन और अल्ट्रासाउंड का उपयोग कैंसर और इसके प्रसार का पता लगाने में मदद मिलती है।

ब्लड टेस्ट: कुछ प्रकार के कैंसर का पता लगान के लिए ट्यूमर मार्कर टेस्ट जैसे जांच की भी मदद ली जाती है।

कैंसर का क्या इलाज है?

अगर आपको या परिवार में किसी को कैंसर हो जाता है तो समय रहते इसका इलाज प्राप्त करें।

सर्जरी: यदि कैंसर एक सीमित क्षेत्र में है और सर्जरी संभव है, तो इसे हटाने से बीमारी ठीक हो सकती है। स्तन कैंसर, प्रोस्टेट कैंसर, फेफड़े और आंतों के कैंसर में यह आम उपचार है।

कीमोथेरेपी: यह दवाओं द्वारा कैंसर कोशिकाओं को मारने की प्रक्रिया है। इसका उपयोग अक्सर एडवांस स्टेज कैंसर में किया जाता है।

रेडियोथेरेपी: कैंसर कोशिकाओं को मारने के लिए रेडिएशन का उपयोग किया जाता है।

इम्यूनोथेरेपी: यह शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत कर कैंसर कोशिकाओं को नष्ट करने में मदद करता है।

बिना किसी कारण के ही बार-बार हाथ धोते हैं आप?

बच्चों को बचपन से अच्छी आदतों की शिक्षा दी जाती है और सिखाया जाता है कि बाहर से आने के बाद खाना खाने से पहले हाथों को अच्छी तरह से धोएं। यही नहीं, वॉशरूम से आने के बाद भी हर कोई हाथ धोता है। अगर आप खांस रहे हैं या फिर छींक रहे हैं तो हाथ धोना सही होता है। यहां तक की जब कोरोना आया तो आप बिना हाथ धोए कुछ भी नहीं करते थे। हालांकि, अब परिस्थितियां बेहतर हो गई हैं। अगर आप बगैर किसी कारण के भी हाथ धो रहे हैं और यह आपकी आदत में शुमार हो गया तो यह चिंता का कारण बन सकती हैं। चलिए आपको इसके पीछे का कारण बताते हैं।

बार-बार हाथ धोना नहीं है सही

अगर आप किसी काम को करने से पहले या बाद में भी बार-बार हाथ धोते हैं तो यह आदत बिल्कुल भी सही नहीं है। बार-बार हाथ धोने से आपके हाथों की सेहत खराब हो सकती है। यह आपके हाथों की नमी को खत्म कर सकती है। आप बार-बार हाथ धोने के लिए साबुन या हैंडवॉश का इस्तेमाल करते हैं तो यह आपके हाथों की स्किन को रूखी बना देती है, जिससे बाद में वह फटने लगती है।

क्यों बार-बार हाथ धोते हैं लोग?

जिन लोगों की स्किन सेंसिटिव होती है, अगर वह लोग बार-बार हाथ धोते हैं तो उनके हाथों में जलन होने लगती है। यही नहीं, जो लोग बार-बार हाथ धोते हैं उन्हें ओसीडी यानी ऑब्सेसिव कंपल्सिव डिसऑर्डर होता है। ऐसे में उन्हें बार-बार हाथ साफ रखने की आदत होती है। अगर आपकी भी यह आदत नहीं छूट रही है तो आप इन टिप्स को फॉलो कर सकते हैं।

क्यों होती है ये समस्या?

इसमें फोन-इंटरनेट से उनका कार्य जुड़ा होने वाले लोगों में तनाव और कार्य का दबाव के चलते ये स्थिति बनती है। बाकी लोगों में इंटरनेट एडिक्शन की वजह से ये विकार पनपता है। इनमें मरीजों की संख्या 20-25 साल की उम्र से शुरू हो जाती है।

क्या है उपाय?

अगर आपको भी बार-बार हाथ धोने की आदत है तो आप हाथ धोने के बाद मॉइश्चराइजर जरूर लगाएं। इससे आपके हाथों की नमी हमेशा बरकरार रहती हैं और वह रूखेपन से बच जाते हैं। अगर बिना किसी बात के ही आपका हाथ धोने का मन करता है तो आप इसके लिए डॉक्टर से भी कंसल्ट कर सकते हैं। हाथ धोना अच्छी आदत है, लेकिन इसकी अति हो जाती है तो यह सेहत पर बुरा प्रभाव भी छोड़ सकता है। ऐसे में हर चीज के बीच संतुलन बनाए रखना बहुत ही जरूरी है।

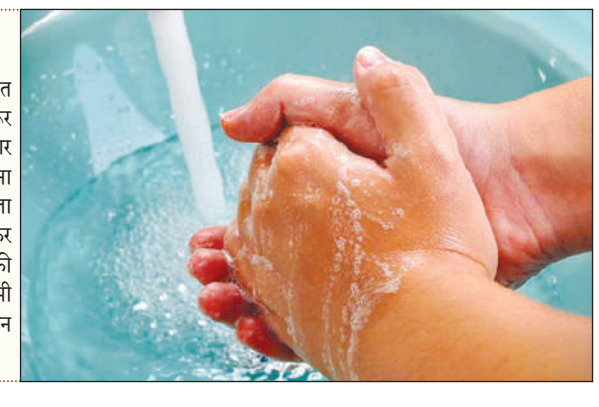

दिल्ली चुनाव : पहली बार के मतदाताओं का महिला सुरक्षा, युवाओं के लिए रोजगार पर जोर

नयी दिल्ली : दिल्ली विधानसभा चुनाव में पहली बार अपने मताधिकार का इस्तेमाल करने वाले मतदाताओं ने महिलाओं के लिए सुरक्षित वातावरण, रोजगार के बेहतर अवसर और राष्ट्रीय राजधानी के समग्र विकास पर जोर दिया। कालकाजी के एक मतदान केंद्र पर पहली बार वोट डालने वाली प्रिया शर्मा (19) ने कहा, मैं लोकतंत्र के महत्व के बारे में सुनकर बड़ी हुई हूं, लेकिन मतदान में हिस्सा लेना बिल्कुल अलग और आनंददायक अनुभव है। प्रत्येक वोट मायने रखता है और अब मैं हमारे भविष्य को आकार देने की कवायद का हिस्सा हूं। यह मेरे जीवन में आए एक नये मोड़ जैसा लगता है। माता सुंदरी कॉलेज की बीबीए प्रथम वर्ष की छात्रा और गोल मार्केट निवासी कशिश ने पहली बार वोट डालने का उत्साह साझा किया। उसने कहा, मेरे कॉलेज में, हम सभी दोस्त मतदान में हिस्सा लेने के लिए उत्सुक थे। मैं यहां महिलाओं के लिए बेहतर माहौल बनाने के उद्देश्य से वोट करने आई हूं। मैं अपनी मां के साथ अकेली रहती हूं और कभी-कभी यह मुश्किल हो सकता है। महिलाओं को हर समय अपनी सुरक्षा की चिंता नहीं सतानी चाहिए। विभिन्न मतदान केंद्रों पर पहली बार के कई मतदाताओं ने भी कुछ इसी तरह की राय जाहिर की। उन्होंने कहा कि वोट डालना सिर्फ उनका नागरिक कर्तव्य भर नहीं है, बल्कि समाज को आकार देने और लोकतंत्र में अपनी आवाज उठाने की दिशा में बढ़ाया गया एक मजबूत कदम भी था। दिलशाद गार्डन निवासी आरव गोस्वामी (20) ने कहा, महिला सुरक्षा से समझौता नहीं किया जाना चाहिए। हमारी माताएं-बहनें सुरक्षित रहनी चाहिए, उन्हें सहज महसूस होना चाहिए।

बुजुर्गों ने भी किया उत्साह के साथ मतदान

दिल्ली विधानसभा के लिए बुधवार को जारी मतदान में कई बुजुर्ग मतदाता अपने परिवार के सदस्यों या पुलिसकर्मियों के साथ मतदान केंद्रों पर पहुंचे। पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल व्हीलचेयर पर बैठे अपने बुजुर्ग माता-पिता को मतदान केंद्र तक ले गए। उन्होंने कहा, ''मेरे माता-पिता बीमार हैं, लेकिन वे सुबह से ही वोट डालने के लिए उत्साहित थे। उन्होंने वोट डालने के लिए पूरा प्रयास किया।'' आसिफ (83) और उनकी 80 वर्षीय पत्नी मस्रा असंद अपने पोते के साथ शाहीन बाग के एक मतदान केंद्र पर पहुंचे। व्हीलचेयर पर बैठे दंपति ने दूसरों को भी वोट डालने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा, ''हर कोई रोजी-रोटी के लिए कड़ी मेहनत कर रहा है और अपने परिवार का भरण-पोषण कर रहा है, लेकिन सड़कें और सफाई व्यवस्था चिंता के विषय हैं। इन मुद्दों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। इसके अलावा हम किसी बड़े बदलाव की उम्मीद नहीं कर रहे हैं।'' उत्तर-पूर्व दिल्ली में जाफराबाद के 91 वर्षीय निवासी शौकत अली बुजुर्गों के लिए बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं चाहते हैं।

अमेरिकी विमान से 104 निर्वासित भारतीय अमृतसर हवाई अड्डे पर उतरे

अमृतसर : अमेरिका का एक सैन्य विमान 104 अवैध भारतीय प्रवासियों को लेकर बुधवार दोपहर यहां श्री गुरु रामदास जी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरा। सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि निर्वासित लोगों में से 30 पंजाब से, 33-33 हरियाणा और गुजरात से, तीन-तीन महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश से तथा दो चंडीगढ़ से हैं। सूत्रों के मुताबिक, निर्वासित किये गये लोगों में 19 महिलाएं और चार वर्षीय एक लड़का, पांच व सात वर्षीय दो लड़कियों सहित 13 नाबालिग शामिल हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ व्यापक वार्ता के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की वाशिंगटन यात्रा से कुछ ही दिन पहले यह कार्रवाई हुई है। अमेरिकी वायुसेना का सी-17 ग्लोबमास्टर विमान अपराह्न एक बजकर 55 मिनट पर अमृतसर हवाई अड्डे पर उतरा। सभी निर्वासितों से हवाई अड्डा टर्मिनल भवन के अंदर पंजाब पुलिस और विभिन्न राज्य एवं केंद्रीय खुफिया एजेंसियों सहित विभिन्न सरकारी एजेंसियों द्वारा पूछताछ की गयी ताकि यह पता लगाया जा सके कि उनका कोई आपराधिक रिकॉर्ड तो नहीं है।

हमें हथकड़ियां और पैरों में बेड़ियां पहनाई गई थीं : पंजाब के निर्वासित व्यक्ति का दावा

चंडीगढ़ : अमेरिकी विमान से बुधवार को लाए गए 104 निर्वासितों में शामिल जसपाल सिंह ने दावा किया कि पूरी यात्रा के दौरान उन्हें (निर्वासित प्रवासियों के) हथकड़ी और पैरों में बेड़ियां बांधी गईं तथा अमृतसर हवाई अड्डे पर उतरने के बाद ही उन्हें हटाया गया।

न्यूज इन ब्रीफ

बांग्लादेश बुधवार से अगरतला मिशन से वीजा सेवाएं फिर से शुरू करेगा

अगरतला : त्रिपुरा की राजधानी अगरतला में बांग्लादेश के सहायक उच्चायोग ने घोषणा की है कि वह दो महीने के अंतराल के बाद बुधवार से वीजा और राजनयिक सेवाएं फिर से शुरू करेगा। बांग्लादेश के ढाका में संन्यासी चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे लोगों के एक समूह द्वारा मिशन के परिसर में तोड़फोड़ किए जाने के एक दिन बाद तीन दिसंबर को इसने सेवाएं निलंबित कर दी थीं। घटना के मद्देनजर, तीन पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया था जबकि अगरतला में बांग्लादेश के सहायक उच्चायुक्त आरिफ महामद को ढाका बुलाया गया। यहां बांग्लादेश के सहायक उच्चायुक्त कार्यालय के प्रथम सचिव एमडी अल अमीन ने मंगलवार को जारी एक नोटिस में कहा, ''बांग्लादेश सहायक उच्चायोग की सभी वीजा और राजनयिक सेवाएं पांच फरवरी से फिर से शुरू होंगी।''

उच्चतम न्यायालय कॉलेजियम ने पांच अतिरिक्त न्यायाधीशों को स्थायी करने की मंजूरी दी

नयी दिल्ली : उच्चतम न्यायालय के कॉलेजियम ने बुधवार को मद्रास और तेलंगाना उच्च न्यायालयों के पांच अतिरिक्त न्यायाधीशों को स्थायी न्यायाधीश के रूप में नियुक्त करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना की अध्यक्षता में बुधवार को कॉलेजियम की बैठक हुई। कॉलेजियम द्वारा जारी बयान के मुताबिक, ''उच्चतम न्यायालय के कॉलेजियम ने पांच फरवरी, 2025 को अपनी बैठक में मद्रास उच्च न्यायालय में मौजूदा समय में अतिरिक्त न्यायाधीश के तौर पर कार्यरत न्यायमूर्ति वेंकटचारी लक्ष्मीनारायणन और न्यायमूर्ति पेरियासामी वडामलाई को स्थायी न्यायाधीश के रूप में नियुक्त करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।'' एक अन्य बयान में कहा गया कि कॉलेजियम ने अतिरिक्त न्यायाधीशों - न्यायमूर्ति लक्ष्मी नारायण अलीशेट्टी, न्यायमूर्ति अनिल कुमार जुकांति और न्यायमूर्ति सुजाना कलसिकम - को तेलंगाना उच्च न्यायालय में स्थायी न्यायाधीश के रूप में नियुक्त करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

दिल्ली हवाई अड्डे पर कस्टम अधिकारियों ने 7.8 करोड़ रुपये मूल्य के सोने के सिक्के जब्त किए

नयी दिल्ली : राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे पर दो लोगों के पास से 7.8 करोड़ रुपये मूल्य के सोने के सिक्के जब्त किए गए हैं। सीमा शुल्क विभाग ने बुधवार को इसकी जानकारी दी । सीमा शुल्क विभाग ने बताया कि आरोपी जम्मू कश्मीर का रहने वाला है और उसे बुधवार को इटली के मिलान से दिल्ली लौटने के दौरान हवाई अड्डे पर रोका गया। विभाग ने कहा कि आरोपियों के सामान की जांच में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला, लेकिन व्यक्तिगत तलाशी लेने पर विशेष रूप से डिजाइन की गयी दो कमर बेल्ट में छिपा कर रखे गये सोने के सिक्के बरामद हुए। सीमा शुल्क विभाग ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट के माध्यम से बताया कि अधिकारियों ने 10.092 किलोग्राम सोने के सिक्के जब्त किए, जिनकी अनुमानित कीमत लगभग 7.8 करोड़ रुपये आंकी गई है।

इस बार चारधाम यात्रा में श्रद्धालुओं का ऑनलाइन के साथ ऑफलाइन पंजीकरण भी होगा

ऋषिकेश : उत्तराखंड में अप्रैल में शुरू होने वाली चार धाम यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं के ऑनलाइन पंजीकरण के साथ ही ऑफलाइन पंजीकरण भी किए जाएंगे ताकि इंटरनेट का उपयोग नहीं कर पाने वाले तीर्थयात्रियों को कोई परेशानी न उठानी पड़े । अधिकारियों ने यहां बताया कि चारधाम यात्रा को लेकर यहां यात्रा ट्रांजिट कैंप परिसर में गढ़वाल मंडल के आयुक्त विनय शंकर पाण्डे की अध्यक्षता में आयोजित एक बैठक में यात्रा प्रशासन ने पिछली गलतियों से सबक लेते हुए इस बार यात्री पंजीकरण की व्यवस्था में बदलाव का निर्णय लिया है। बैठक में तय किया गया कि श्रद्धालुओं के ऑनलाइन पंजीकरण के साथ-साथ 40 फीसदी ऑफलाइन पंजीकरण भी किए जाएंगे ताकि देहात से आने वाले श्रद्धालुओं को इसके झंझट से मुक्ति मिल सके। पिछली बार केवल ऑनलाइन पंजीकरण की व्यवस्था से यात्रियों को काफी परेशानी उठानी पड़ी थी। अधिकारियों ने बताया कि बैठक में यह भी तय किया गया कि यात्रियों को पंजीकरण कराने के बाद दिए जाने वाले 'स्लॉट' में यात्रा क्रम का विशेष ध्यान रखा जाएगा। उनके अनुसार उदाहरण के लिए चारों धाम की यात्रा करने वालों को यमुनोत्री, गंगोत्री, केदारनाथ और बदरीनाथ के क्रम में 'स्लॉट' दिए जाएंगे। बैठक में गढ़वाल मंडल आयुक्त ने लोक निर्माण विभाग को स्पष्ट रूप से निर्देश दिए कि चारधाम यात्रा मार्गों पर सभी कार्य 15 अप्रैल तक पूरे कर लिए जाएं।

नेपाल ने माउंट एवरेस्ट और 8,000 मीटर से अधिक ऊंचे पर्वत शिखरों के एकल पर्वतारोहण पर रोक लगाई

काठमांडू : नेपाल सरकार के संशोधित पर्वतारोहण नियमों के अनुसार माउंट एवरेस्ट और 8,000 मीटर से अधिक ऊंचाई वाले अन्य पर्वत शिखरों पर एकल अभियान को औपचारिक रूप से समाप्त कर दिया गया है और दो पर्वतारोहियों के लिए एक पर्वतारोही गाइड का होना अनिवार्य होगा। पर्वतारोहण नियमन में छठा संशोधन मंगलवार को नेपाल राजपत्र में प्रकाशित होने के बाद लागू हो गया। संशोधित नियमों के अनुसार 8,000 मीटर से अधिक ऊंचाई वाले पर्वत शिखरों के लिए प्रत्येक दो पर्वतारोहियों के लिए एक ऊंचाई सहायक कर्मचारी या पर्वतारोही गाइड नियुक्त किया जाना आवश्यक है, जिसमें 8,849 मीटर ऊंचा माउंट एवरेस्ट भी शामिल है। नेपाल राजपत्र में प्रकाशित एक नोटिस के अनुसार, अन्य पर्वतों के लिए, नियम के अनुसार प्रत्येक समूह में कम से कम एक गाइड होना आवश्यक है। पिछले नियम के अनुसार 8,000 मीटर से अधिक ऊंचाई वाले पर्वतों पर चढ़ने वाले पर्वतारोहियों के समूह के लिए एक पर्वतारोही गाइड पर्याप्त था। पर्यटन विभाग की निदेशक आरती नेउपाने ने कहा, ''सरकार ने पर्वत पर पर्वतारोहियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए गाइड का होना अनिवार्य कर दिया है।'' उन्होंने कहा कि पर्वतारोहण से जुड़े जोखिम को कम करने के लिए यह संशोधन किया गया है। पर्यटन कंपनी 'इमेजिन नेपाल ट्रेक्स' के प्रबंध निदेशक मिंगमा जी शेरपा ने कहा कि यह नया नियम बहुत पहले ही बनाया जाना चाहिए था क्योंकि इसका पर्वतीय पर्यटन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता। हालांकि, उन्होंने कहा कि माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने की रॉयल्टी में वृद्धि नहीं की जानी चाहिए, क्योंकि इससे नेपाल आने वाले अभियान दल हतोत्साहित होंगे। नेपाल सरकार ने हाल में वसंत ऋतु के दौरान 1 सितंबर से माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई की रॉयल्टी को प्रति व्यक्ति 11,000 डॉलर से बढ़ाकर 15,000 डॉलर कर दिया है। संशोधित नियमों के तहत, वसंत ऋतु (मार्च-मई) में दक्षिण मार्ग से माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने का प्रयास करने वाले विदेशी पर्वतारोहियों के लिए रॉयल्टी शुल्क 11,000 डॉलर से बढ़ाकर 15,000 डॉलर प्रति व्यक्ति कर दिया गया है।

न्यूज अपडेट

नेपाल के रास्ते अवैध रूप से भारत में प्रवेश करने पर बांग्लादेशी हिंदू दंपति को पकड़ लिया गया

पीलीभीत (उप्र) : नेपाल के रास्ते अवैध रूप से देश में प्रवेश करने के आरोप में उत्तर प्रदेश के पीलीभीत जिले में एक बांग्लादेशी हिंदू दंपति और उनके चार वर्षीय बच्चे को बुधवार को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह दंपति 28 जनवरी को 10 फरवरी तक वैध वीजा के साथ नेपाल पहुंचा था। स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि इसके बाद वे भारत में घुस आए और उन्होंने गभिया सहराई गांव में शरण ली। उन्होंने कहा कि यह तराई क्षेत्र की ऐसी बस्ती है, जिसके बारे में कहा जाता है कि विस्थापित बंगाली परिवार वहीं ठहर जाते हैं। माधोटांडा थाने के प्रभारी (एसएचओ) अशोक पाल सिंह के अनुसार पिछले सप्ताह इस परिवार भारत में पहुंचने की जांच की जा रही है और उन्हें हिरासत में लिया गया है। खुफिया एजेंसियों से इस परिवार के बारे में जानकारी मिली थी। पुलिस के अनुसार दंपति ने बताया कि सरकार में बदलाव के बाद अल्पसंख्यकों पर बढ़ते अत्याचार के कारण वे बांग्लादेश से भाग गए थे। पुलिस के मुताबिक इस परिवार ने बताया कि भारत में प्रवेश करने से पहले वे नेपाल में बंगाली समुदाय के सदस्यों के पास गये। स्थानीय ग्रामीणों ने उन्हें आश्रय दिया। पुलिस के अनुसार पीलीभीत का गाभिया गांव पहले से ही विस्थापित बंगाली परिवारों का निवास स्थल है। सन् 1965 से 1971 के बीच पूर्वी पाकिस्तान से आए इन लोगों ने यहां शरण ली थी।

प्रधानमंत्री 24 फरवरी से असम के दो दिवसीय दौरे पर आएंगे: हिमंत

गुवाहाटी : मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 24 फरवरी से असम के दो दिवसीय दौरे पर यहां पहुंचेंगे। प्रधानमंत्री 8,000 कलाकारों द्वारा रिकॉर्ड बनाने वाले झुमुर नृत्य प्रदर्शन को देखने के लिए शाम पांच बजे यहां पहुंचेंगे। मुख्यमंत्री ने बताया कि वह (प्रधानमंत्री मोदी) अगले दिन 'एडवांटेज असम शिखर सम्मेलन' के उद्घाटन सत्र में भी शामिल होंगे। शर्मा ने कहा कि वह हाल ही में प्रधानमंत्री की राज्य यात्रा को अंतिम रूप देने के लिए राष्ट्रीय राजधानी में थे और साथ ही अन्य केंद्रीय मंत्रियों से मुलाकात कर उन्हें निवेश शिखर सम्मेलन के लिए आमंत्रित किया। दो दिवसीय 'एडवांटेज असम शिखर सम्मेलन' का दूसरा संस्करण 25 फरवरी से यहां आयोजित किया जाएगा ताकि साझेदारी व सहयोग को मजबूत किया जा सके और साथ ही व्यापार के विस्तार व नए निवेश को आगे बढ़ाने के लिए राज्य में उपलब्ध असंख्य संभावनाओं के बारे में मूल्यवान जानकारी प्राप्त की जा सके।

बिहार में पीएमएवाई-यू के तहत लगभग डेढ़ लाख घरों का निर्माण पूरा

पटना : बिहार में प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी (पीएमएवाई-यू) के तहत लगभग डेढ़ लाख घरों का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है जबकि एक लाख से अधिक का कार्य जारी है। एक बयान में यह जानकारी दी गई। बिहार के मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा के कार्यालय द्वारा मंगलवार को जारी बयान के अनुसार, ''राज्य सरकार शहरी क्षेत्रों के गरीबों के लिए उनका खुद का आवास सुनिश्चित करने की योजना पर काम कर रही है। वर्तमान में पीएमएवाई-यू के तहत कुल 2,64,604 घरों के निर्माण की योजना पर काम किया जा रहा है जिनमें से 1,48,630 घरों का निर्माण पूरा हो चुका है जबकि 1,17,974 का निर्माण जारी है।'' बयान के अनुसार पिछले तीन माह में 41,080 नये घरों का निर्माण किया गया है तथा 228 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। इसमें कहा गया कि अगस्त 2025 तक बाकी घरों के निर्माण कार्य को पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

सरपंच हत्या मामले में दोषियों पर होगी कार्रवाई होगी: फडणवीस

छत्रपति संभाजीनगर : महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार को कहा कि सरपंच संतोष देशमुख की हत्या के मामले में दोषी पाए गए लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने 'एक नया बीड' बनाने का आश्वासन दिया। पिछले साल दिसंबर में तीसरी बार राज्य के मुख्यमंत्री का पद संभालने के बाद पहली बार बीड जिले के दौरे पर आए फडणवीस ने उक्त टिप्पणी की। सरपंच परिषद नामक संगठन के प्रतिनिधियों ने बीड के अष्टी तालुका में शिम्पोरा से कुन्थेफाल सिंचाई परियोजना के भूमिपूजन समारोह के इतर मुख्यमंत्री से मुलाकात की और उनके समक्ष अपनी मांगें रखीं। मसाजोग के सरपंच संतोष देशमुख का 9 दिसंबर 2024 को अपहरण कर लिया गया और प्रताड़ित करने के बाद उनकी हत्या कर दी गई। घटना को कथित तौर पर इसलिए अंजाम दिया गया, क्योंकि उन्होंने बीड में एक ऊर्जा कंपनी से जबरन वसूली की कोशिश को रोकने का प्रयास किया था। पुलिस ने हत्या और जबरन वसूली के मामले दर्ज किए हैं।

हिंदू समाज तभी 'फल-फूल' सकता है, जब वह एकजुट हो : मोहन भागवत

पत्तनमथिट्टा : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने बुधवार को कहा कि हिंदू समाज तभी फल-फूल सकता है, जब वह एकजुट हो। उन्होंने सभी हिंदुओं को उनकी जाति, क्षेत्र या भाषा से परे एक मानने का आह्वान किया। केरल के पत्तनमथिट्टा में चेरुकोलपुझा हिंदू धार्मिक सम्मेलन के हिस्से के रूप में आयोजित हिंदू एकता सम्मेलन में भागवत ने कहा कि एकजुट समाज फलता-फूलता है, जबकि खंडित समाज मुरझा जाता है। उन्होंने कहा कि हिंदू होना एक स्वभाव है, जिसमें लोग पढ़ाई-लिखाई का इस्तेमाल ज्ञान बढ़ाने के लिए, धन का इस्तेमाल दान के लिए और ताकत का इस्तेमाल कमजोरों की मदद करने के लिए करते हैं। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि हिंदू धर्म में कोई भी श्रेष्ठ या निम्न नहीं है; जाति कोई मायने नहीं रखती और छुआछूत के लिए कोई जगह नहीं है। उन्होंने सभी हिंदुओं से एक-दूसरे का सम्मान करने का आग्रह किया और कहा कि अगर सभी हिंदू एकजुट हो जाएं, तो इससे दुनिया को फायदा होगा। भागवत ने एकजुट होने के तरीके भी सुझाए, जिनमें खुद को पहचानना, सभी के साथ समान बर्ताव करना और पर्यावरण की रक्षा करना शामिल है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण की रक्षा के लिए नीतिगत बदलावों में समय लगेगा, लेकिन लोग तीन छोटी चीजें कर सकते हैं : पानी बचाएं, पेड़ लगाएं और प्लास्टिक का इस्तेमाल बंद करें। आरएसएस प्रमुख ने परिवारों में संस्कारों के महत्व पर चर्चा का आह्वान किया। उन्होंने दावा किया कि इससे केरल में मादक पदार्थों की लत की समस्या से निपटने में मदद मिल सकती है। भागवत ने कहा, हमारे युवा नशे के आदी क्यों हैं? ऐसा इसलिए है, क्योंकि घर में कोई 'संस्कार' नहीं हैं। उन्होंने कहा, अगर सभी लोग एकजुट होकर काम करें, तो हिंदू एकता हासिल की जा सकती है।

बीएसएफ बांग्लादेशियों के अवैध निर्माण के खिलाफ कड़ी कार्रवाई कर रहा है: अधिकारी

नयी दिल्ली : सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने 4,096 किलोमीटर लंबी भारत-बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय सीमा पर तैनात अपने 'फील्ड कमांडर' को निर्देश दिया है कि वे बांग्लादेशियों या सीमा बल द्वारा सीमा पर किए जा रहे अवैध निर्माण के मामले में ''कड़ी कार्रवाई'' करें। सीमा प्रबंधन प्रभाग के सूत्रों ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि साल 2024 में सीमा पर अवैध निर्माण की करीब 80 घटनाएं सामने आईं। बीएसएफ के उत्तर बंगाल फ्रंटियर ने 31 जनवरी को एक बयान में कहा था कि हाल के दिनों में उसके अधिकार क्षेत्र में ''ऐसी घटनाएं बढ़ रही हैं।'' उत्तर बंगाल फ्रंटियर का मुख्यालय पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी में स्थित है और यह भारत-बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय सीमा की 932 किलोमीटर सीमा की रक्षा करता है। उत्तर बंगाल फ्रंटियर ने बुधवार को एक बयान जारी कर बताया कि चार और पांच फरवरी की रात को भारी हथियारों से लैस बांग्लादेश के कुछ बदमाश दक्षिण दिनाजपुर जिले के सीमावर्ती गांव मलिकपुर में अवैध रूप से घुस गए थे और उन्होंने बल के एक दल पर हमला कर दिया था, जिसमें एक जवान और एक बांग्लादेशी घायल हो गया था। दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इसने कहा, ''ये बदमाश तस्करी और डकैती के लिए अवैध रूप से भारत में घुसे थे। उनके पास भारी संख्या में हथियार, लाठी-डंडे और तार काटने वाली मशीन थी। बीएसएफ के दल ने जब उन्हें चेताया तो बदमाशों ने रुकने के बजाय जवानों पर हमला कर दिया।''

दिल्ली: घर खोने के महीनों बाद खैबर पास के निवासियों को नई सरकार से न्याय की उम्मीद

नयी दिल्ली : उत्तरी दिल्ली में सिविल लाइंस के खैबर पास इलाके में विस्थापित लोग अपने घरों को तोड़े जाने के महीनों बाद बुधवार को इस उम्मीद के साथ मतदान केंद्रों पर कतार में खड़े दिखाई दिये कि आने वाली सरकार उन्हें स्थायी आवास मुहैया कराएगी। अधिकारियों ने पिछले वर्ष 13 जुलाई और चार अगस्त को खैबर पास इलाके में अतिक्रमण हटाओ अभियान शुरू किया था। इलाके में 15 एकड़ जमीन खाली करने के लिए 250 से अधिक घरों को तोड़ा गया था। यहां रहने वाले लोगों ने दावा किया कि उन्हें सही तरीके से नोटिस नहीं दिया गया जबकि अधिकारियों ने बताया कि निर्माण अवैध थे। अतिक्रमण हटाओ अभियान में विस्थापित होने वालों में शामिल 30 वर्षीय रेखा ने कहा, हमारे पास पहले अपना घर था लेकिन अब हम किराएदार के रूप में रहते हैं क्योंकि जिस जगह पर हम दशकों से रह रहे थे, वह अचानक एक दिन तोड़ दी गई। उन्होंने कहा, मेरा परिवार मध्यम वर्गीय है और हर चीज महंगी होती जा रही है इसलिए अब हमारे ऊपर किराए का अतिरिक्त बोझ है। आने वाली सरकार से हमारी एकमात्र उम्मीद यही है कि वह हमें अपना घर वापस दिलाने में मदद करेगी।

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार हसीना और अन्य को भारत से वापस लाने का प्रयास कर रही है : गृह सलाहकार

ढाका : बांग्लादेश की अंतरिम सरकार प्रत्यर्पण संधि के तहत अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना एवं अन्य को भारत से वापस लाने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। गृह सलाहकार लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) मोहम्मद जहांगीर आलम चौधरी ने बुधवार को यह जानकारी दी। हसीना (77) पिछले साल 5 अगस्त से भारत में रह रही हैं, जब वह छात्रों के नेतृत्व में हुए बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन के बीच बांग्लादेश से भारत चली गई थीं। इन व्यापक प्रदर्शन के बाद उनकी अवामी लीग की 16 साल पुरानी सरकार गिर गयी थी। बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण

(आईसीटी) ने हसीना और कई पूर्व कैबिनेट मंत्रियों, सलाहकारों एवं सैन्य तथा असैन्य अधिकारियों के खिलाफ 'मानवता के खिलाफ अपराध और नरसंहार' के लिए गिरफ्तारी वारंट जारी किए हैं।
सरकारी बीएसएस समाचार एजेंसी ने चौधरी के हवाले से कहा, ''हम उन लोगों को वापस लाने की कोशिश कर रहे हैं, जो आईसीटी में मानवता के खिलाफ अपराध के आरोपों में मुकदमे का सामना कर रहे हैं।'' उन्होंने यह टिप्पणी 100 से अधिक आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों पर एक सवाल का जवाब देते हुए की, जिनके खिलाफ आईसीटी ने गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। पिछले साल बांग्लादेश ने हसीना के प्रत्यर्पण की मांग करते हुए नयी दिल्ली को एक राजनयिक नोट भेजा था। गृह सलाहकार ने कहा कि वे देश में रह रहे लोगों को गिरफ्तार कर रहे हैं, जबकि विदेश में रह रहे अन्य लोगों को वापस लाने के प्रयास जारी हैं।

सुरक्षा एजेंसियां जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के खिलाफ अपनी लड़ाई तेज करें : अमित शाह

नयी दिल्ली : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को सभी सुरक्षा एजेंसियों को जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई तेज करने का निर्देश दिया ताकि 'शून्य घुसपैठ' के लक्ष्य को हासिल किया जा सके। शाह ने जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा स्थिति पर दो दिन में दो उच्च स्तरीय समीक्षा बैठकों की अध्यक्षता करते हुए कहा कि नरेन्द्र मोदी सरकार के निरंतर और समन्वित प्रयासों के कारण केंद्र शासित प्रदेश में आतंक का पारिस्थितिकी तंत्र कमजोर हो गया है। उन्होंने सभी सुरक्षा एजेंसियों से घुसपैठ और आतंकवादी कृत्यों पर सख्ती के दृष्टिकोण के साथ और अधिक कठोर कार्रवाई करने का निर्देश देते हुए कहा कि इसका लक्ष्य आतंकवादियों के अस्तित्व को जड़ से उखाड़ फेंकना होना चाहिए। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के मुताबिक गृहमंत्री ने सभी सुरक्षा एजेंसियों को 'शून्य घुसपैठ' के लक्ष्य के साथ आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई तेज करने का निर्देश दिया।

प्रतिबंधित संगठनों के साथ समझौतों से त्रिपुरा में शांति एवं समृद्धि आई है

अगरतला : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि प्रतिबंधित संगठनों के साथ समझौतों से त्रिपुरा में शांति एवं समृद्धि आई है। अगरतला में त्रिपुरा सरकार के नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम को नयी दिल्ली से ऑनलाइन माध्यम से संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार ने पिछले सात वर्षों में कांग्रेस एवं वाममोर्चा के कई दशकों के शासन की तुलना में अधिक उपलब्धियां हासिल की हैं।

मुंबई अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना

सूरत, गुजरात में चार रेलवे ट्रैक पर 100 मीटर लंबा 'मेक इन इंडिया' स्टील ब्रिज का निर्माण किया गया

अहमदाबाद : नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए चार रेलवे ट्रैक; पश्चिमी रेलवे के दो और किम एवं सायन के बीच दो डीएफसीसी ट्रैक पर स्टील ब्रिज का निर्माण किया गया।इस ब्रिज में दो स्पैन हैं; 100 मीटर, 60 मीटर जिस से दोहरी लाइन मानक गेज रेल ट्रैक की सुविधा मिलेगी। इस महत्वपूर्ण इंफ्रास्ट्रक्चर निर्माण के विकास में चार प्रमुख ट्रैक - दो पश्चिमी रेलवे और दो डीएफसी-सीआईएल और एक सिंचाई नहर को पार करना शामिल है। 100 मीटर का स्पैन 28 जनवरी 2025 से 5 फरवरी 2025 तक पश्चिमी रेलवे और डीएफसी ट्रैक पर लॉन्च किया गया, जबकि 60 मीटर का स्पैन निर्माण स्थल पर ट्रैक के पास स्थित सिंचाई नहर के ऊपर बनाया जाएगा। पश्चिम रेलवे और डीएफसीसीआईएल ट्रैक पर 1432 मीट्रिक टन वजन वाले 100 मीटर लंबे स्टील ब्रिज के निर्माण के लिए, लगभग 525 मीट्रिक टन वजन वाले 84 मीटर लंबे लॉन्चिंग नोज़ का उपयोग किया गया।14.3 मीटर चौड़ा, 100 मीटर का यह स्टील ब्रिज, 1432 मीट्रिक टन वजन का है, जिसे गुजरात के भुज में स्थित आरडीएसओ द्वारा अनुमोदित कार्यशाला में तैयार किया गया है और इंस्टालेशन के लिए सड़क मार्ग से साइट पर लाया गया है। इस स्टील ब्रिज के 100 मीटर फैलाव को साइट के अहमदाबाद छोर पर जमीन से 14.5 मीटर की ऊंचाई पर अस्थायी संरचना पर जोड़ा गया था और 50 मि.मी. व्यास वाले मैक-लॉय बार का उपयोग करके 250 टन की क्षमता वाले दो अर्ध-स्वचालित जैक के स्वचालित तंत्र के साथ खींचा गया था। इस निर्माण स्थल पर पियर की ऊंचाई 12 मीटर है।100 मीटर स्पैन की ब्रिज असेंबली में लगभग 60000 (100 मीटर) टोर-शियर टाइप हाई स्ट्रेंथ (ढढक्ह) बोल्ट का उपयोग किया गया है, जो 100 साल के जीवनकाल के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। ब्रिज के 2 स्पैन को उ5 सिस्टम पेंटिंग से पेंट किया गया है और उन्हें इलास्टोमेरिक बियरिंग पर रखा जाएगा।

इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला में चैंपियंस ट्रॉफी के लिए उचित टीम संयोजन तैयार करने उतरेगा भारत

नागपुर : भारत बृहस्पतिवार से यहां इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली तीन मैच की एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट श्रृंखला में चैंपियंस ट्रॉफी के लिए उचित टीम संयोजन तैयार करना चाहेगा जिसमें कुछ शीर्ष खिलाड़ियों की फॉर्म और फिटनेस पर भी नजर रहेगी। कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे खिलाड़ी पिछले कुछ समय से रन बनाने के लिए जूझ रहे हैं और उनके प्रदर्शन पर सभी की निगाह रहेगी। यह दोनों स्टार खिलाड़ी पिछले महीने रणजी ट्रॉफी में भी खेले थे लेकिन उसमें भी असफलता ही उनके हाथ लगी थी। अब वह उस प्रारूप में वापसी करेंगे जिसमें उन्होंने वर्षों तक अपना दबदबा बनाए रखा था। इन दोनों खिलाड़ियों ने वनडे विश्व कप 2023 में अच्छा प्रदर्शन किया था। कोहली ने जहां इस टूर्नामेंट में 765 रन बनाए थे वहीं रोहित ने 597 रन का योगदान दिया था। विश्व कप के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से हारने के बाद यह दोनों खिलाड़ी श्रीलंका के खिलाफ तीन मैच की वनडे श्रृंखला में खेले थे। रोहित ने इस श्रृंखला में दो अर्धशतक लगाए थे जबकि कोहली कोई खास प्रदर्शन नहीं कर पाए थे। इन दोनों का लचर प्रदर्शन टेस्ट क्रिकेट में भी जारी रहा जिससे उनके भविष्य को लेकर अटकलबाजी शुरू हो गई। इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला पाकिस्तान और दुबई में 19 फरवरी से शुरू वाली चैंपियंस ट्रॉफी से पहले भारत की अंतिम प्रतियोगिता होगी जो टी20 विश्व कप के बाद खेल के सबसे छोटे प्रारूप से संन्यास लेने वाले रोहित और कोहली के

करियर के लिए भी निर्णायक साबित होगी। भारतीय टीम के लिए कुछ खिलाड़ियों की फॉर्म ही चिंता का विषय नहीं है, उसे इस पर भी काफी माथापच्ची करनी होगी कि ऋषभ पंत और केएल राहुल में से विकेटकीपर की भूमिका कौन निभाएगा। रोहित और उप कप्तान शुभमन गिल पारी की शुरुआत करेंगे। उनके बाद कोहली और श्रेयस अय्यर उतरेंगे जबकि विकेटकीपर बल्लेबाज को पांचवें नंबर पर उतारा जा सकता है। इसके बाद हार्दिक पंड्या का नंबर आता है। पंत की अनुपस्थिति में वनडे विश्व कप 2023 में राहुल ने विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संभाली थी तथा उन्होंने 452 रन बनाए थे। उनकी उपस्थिति में टीम का अच्छा संतुलन बना लेकिन बीच के ओवरों में लगातार स्ट्राइक रोटेट करने में उनकी नाकामी चिंता का विषय होगी। भारतीय बल्लेबाजी क्रम में दाएं हाथ के बल्लेबाजों की भरमार है और ऐसे में पंत बाएं हाथ का बल्लेबाज होने के कारण उसमें विविधता लाते हैं। वह आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करते हैं और ऐसे में वह टीम के लिए तुरुप का इक्का साबित हो सकते हैं।

रोहित ने कहा, इंग्लैंड के खिलाफ मुकाबलों और चैंपियन्स ट्रॉफी पर ध्यान

नागपुर : भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने बुधवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने भविष्य के बारे में अटकलों को खारिज करते हुए कहा कि ऐसे समय में उनके करियर के बारे में बात करना अप्रासंगिक है जब उनका ध्यान इंग्लैंड के खिलाफ तीन एकदिवसीय मुकाबलों और आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी पर है। भारत 19 फरवरी से शुरू हो रही चैंपियंस ट्रॉफी की तैयारी इंग्लैंड के खिलाफ तीन एकदिवसीय मैच की श्रृंखला के साथ करेगा जिसका पहला मैच बृहस्पतिवार को यहां खेला जाएगा। रोहित ने मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'जब तीन एकदिवसीय और चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन होना है तो मेरे लिए अपने भविष्य की योजनाओं के बारे में बात करना कितना प्रासंगिक है। (मेरे भविष्य पर) खबरें कई वर्षों से चल रही हैं और मैं उन खबरों पर स्पष्टीकरण देने के लिए यहां नहीं हूं।' भारतीय कप्तान ने कहा, 'मेरे लिए तीन मैच (इंग्लैंड के खिलाफ) और चैंपियंस ट्रॉफी बहुत महत्वपूर्ण हैं। मेरा ध्यान इन मुकाबलों पर है और मैं देखूंगा कि इसके बाद क्या होता है।'

अभिषेक टी20 बल्लेबाजों की रैंकिंग में दूसरे स्थान पर

दुबई : बेहतरीन फॉर्म में चल रहे भारत के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा बुधवार को जारी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय नवीनतम बल्लेबाजी रैंकिंग में 38 स्थान की लंबी छलांग के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गए जबकि टीम के उनके साथी तिलक वर्मा एक स्थान के नुकसान से तीसरे स्थान पर हैं। अभिषेक ने मुंबई में इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी खेलते हुए 135 रन की तेजतर्रार पारी खेलकर भारत को 4-1 से श्रृंखला जीताने में अहम भूमिका निभाई। अभिषेक ने 54 गेंद की अपनी पारी में 13 छक्के मारे। यह खेल के सबसे छोटे प्रारूप में किसी भारतीय पुरुष खिलाड़ी का सर्वोच्च स्कोर है। इस प्रदर्शन की बदौलत 24 साल के अभिषेक ने नवीनतम रैंकिंग में लंबी छलांग लगाई। ऑस्ट्रेलिया के स्टार बल्लेबाज ट्रेविस हेड (855 अंक) टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजों की सूची में शीर्ष पर बरकरार हैं लेकिन वानखेड़े में रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन के बाद अभिषेक उनसे सिर्फ 26 रेटिंग

अंक पीछे हैं। कप्तान सूर्यकुमार यादव भी पांचवें स्थान पर हैं। हार्दिक पंड्या (पांच स्थान के फायदे से 51वें स्थान पर) और शिवम दुबे (38 स्थान के फायदे से 58वें स्थान पर) की रैंकिंग में भी सुधार हुआ है। गेंदबाजी रैंकिंग में भी भारत के वरुण चक्रवर्ती इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला में 14 विकेट चटकाने के बाद तीन स्थान के फायदे से आदिल राशिद के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर हैं। चक्रवर्ती को श्रृंखला का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी भी चुना गया। इंग्लैंड के खिलाफ पांच विकेट चटकाने वाले भारतीय स्पिनर रवि बिश्नोई भी चार स्थान आगे बढ़कर छठे पायदान पर हैं। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह भी नौवें स्थान के साथ शीर्ष 10 गेंदबाजों की सूची में शामिल हैं। वेस्टइंडीज के स्पिनर अकील हुसैन एक बार फिर दुनिया के नंबर एक गेंदबाज बन गए हैं। पिछले हफ्ते राशिद उन्हें पछाड़कर दुनिया के शीर्ष गेंदबाज बन गए थे। श्रीलंका के खिलाफ गॉल में पहले टेस्ट में पारी और 242 रन की जीत के बाद नवीनतम टेस्ट रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ियों को फायदा हुआ है। कार्यवाहक कप्तान स्टीव स्मिथ अपने 35वें टेस्ट शतक की बदौलत तीन स्थान के फायदे से बल्लेबाजी रैंकिंग में पांचवें स्थान पर हैं। सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा 232 रन की अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी खेलने के बाद छह स्थान आगे बढ़कर 11वें पायदान पर हैं। भारत के यशस्वी जायसवाल चौथे स्थान पर बने हुए हैं।

एकदिवसीय विश्व कप की भारत की तैयारियों में बड़ी भूमिका निभाएगा डब्ल्यूपीएल, हरमनप्रीत ने कहा

मुंबई: भारत और मुंबई इंडियंस की कप्तान हरमनप्रीत कौर का मानना है कि महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) का आगामी सत्र इस साल के अंत में देश में होने वाले एकदिवसीय विश्व कप की तैयारी में बड़ी भूमिका निभाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि भारत की अंडर-19 महिला टीम ने हाल ही में मलेशिया में अपना दूसरा टी20 विश्व कप खिताब जीतकर एक नया मानदंड स्थापित किया है। हरमनप्रीत ने बुधवार को मुंबई इंडियंस की सत्र पूर्व प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान मीडिया से कहा, 'डब्ल्यूपीएल बहुत बड़ी भूमिका निभाने जा रहा है क्योंकि इस साल एकदिवसीय विश्व कप होना है। डब्ल्यूपीएल के बाद हमारे पास अपनी फिटनेस पर काम करने के लिए काफी समय होगा।' उन्होंने कहा, 'हमारी अंडर-19 टीम लगातार ट्रॉफी जीतकर मानक स्थापित कर रही है और यह हम सभी के लिए बहुत गर्व का क्षण है।' मुंबई इंडियंस की गेंदबाजी कोच और टीम मेंटोर (मार्गदर्शक) भारत की पूर्व दिग्गज खिलाड़ी झूलन गोस्वामी ने कहा कि उनकी टीम के पास डब्ल्यूपीएल के लिए 'स्तरीय कोर खिलाड़ी' हैं जबकि घरेलू खिलाड़ियों ने भी प्रभावशाली प्रदर्शन किया है। झूलन ने कहा, 'वे सभी बहुत ही बेहतरीन खिलाड़ी हैं, उन्होंने घरेलू क्रिकेट में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। उनमें से एक ने अभी-अभी अंडर-19 (टी20) विश्व कप जीता है, जी कमालिनी... और संस्कृति गुप्ता भी हैं।' उन्होंने कहा, 'हमारे पास एक बेहतरीन कोर टीम है। हमारे पास कुछ युवा खिलाड़ी हैं जिन्होंने इस सत्र में अच्छा प्रदर्शन किया है।

न्यूज अपडेट

प्रारूप में बदलाव और बीते प्रदर्शन से विराट और रोहित का आत्मविश्वास बढ़ेगा: बांगड़

नयी दिल्ली : भारत के पूर्व बल्लेबाजी कोच संजय बांगड़ ने बुधवार को स्वीकार किया कि प्रारूप में बदलाव और वनडे में पिछला प्रदर्शन इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला और चैंपियंस ट्रॉफी में विराट कोहली और रोहित शर्मा की जोड़ी का मनोबल बढ़ाएगा। हाल के दिनों में दोनों फॉर्म हासिल करने में संघर्ष कर रहे हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू टेस्ट श्रृंखला और ऑस्ट्रेलिया में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में लचर प्रदर्शन के कारण अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उनके भविष्य पर सवाल उठ रहे हैं। बांगड़ ने 'स्टार स्पोर्ट्स' द्वारा आयोजित एक बातचीत के दौरान कहा, 'विराट और रोहित दोनों ही सफेद गेंद के सर्वकालिक महान खिलाड़ियों के रूप में जाने जाएंगे। अगर आप सूची बनाएं तो उनके नाम इसमें होंगे। प्रारूप में बदलाव और इस प्रारूप में पिछले प्रदर्शन से निश्चित रूप से उनका आत्मविश्वास काफी बढ़ेगा।' इस पूर्व क्रिकेटर ने, 'रोहित शीर्ष क्रम में कैसे खेलेंगे, यह दिलचस्प होगा क्योंकि हाल में उन्होंने कुछ कम स्कोर बनाए हैं।' दोनों अनुभवी खिलाड़ी घरेलू क्रिकेट में वापसी में भी असफल रहे और दोनों इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला और आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में फॉर्म हासिल करने के लिए बेताब होंगे।

ओलंपिक पदक विजेता बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल पिता के साथ महाकुंभ पहुंचीं

महाकुंभनगर : भारतीय बैडमिंटन स्टार और ओलंपिक कांस्य पदक विजेता साइना नेहवाल महाकुंभ के दौरान त्रिवेणी संगम के पवित्र जल में डुबकी लगाने के लिए बुधवार को यहां पहुंचीं। महाकुंभ को दुनिया का सबसे बड़ा आध्यात्मिक समागम बताते हुए उन्होंने कहा कि वह इस भव्य आयोजन का हिस्सा बनकर सौभाग्यशाली महसूस कर रही हैं। साइना से पहले खेल जगत से ओलंपियन मुक्केबाज और पूर्व राज्यसभा सांसद एम सी मैरीकॉम, पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के चेयरमैन जय शाह महाकुंभ में आ चुके हैं जो 26 फरवरी तक चलेगा। साइना ने कहा कि वह अपने पिता के साथ त्रिवेणी संगम जाएंगी। इस शटलर ने कहा, 'इस पवित्र आयोजन का हिस्सा बनना एक विशेष अनुभव है। मैं उत्तर प्रदेश सरकार को इस तरह के शानदार उत्सव के आयोजन के लिए बधाई देती हूं। मुझे उम्मीद है कि अधिक से अधिक लोग यहां आएंगे और इसे दुनिया भर में पहचान दिलाएंगे।'

भारत के आईसीसी एलीट पैनल के अंपायर नितिन मेनन 'व्यक्तिगत कारणों' से चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर हुए

दुबई : अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के एलीट पैनल के अंपायरों में भारत के एकमात्र प्रतिनिधि नितिन मेनन ने व्यक्तिगत कारणों से इस महीने पाकिस्तान में होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी में अंपायरिंग से बाहर होने का विकल्प चुना है। आईसीसी ने बुधवार को 15 मैच अधिकारियों की सूची की घोषणा की जिसमें तीन मैच रेफरी और 12 अंपायर शामिल हैं जो 19 फरवरी को कराची में शुरू होने वाले इस टूर्नामेंट के अधिकारी होंगे जिसका फाइनल नौ मार्च को होगा। ऑस्ट्रेलिया के डेविड बून, श्रीलंका के रंजन मदुगले और जिम्बाब्वे के एंड्रयू पाइक्रॉफ्ट को आठ टीमों के टूर्नामेंट के लिए मैच रेफरी के रूप में नामित किया गया है। यह टूर्नामेंट पाकिस्तान में तीन जगह कराची, लाहौर और रावलपिंडी में आयोजित किया जाएगा जबकि भारत सुरक्षा चिंताओं के कारण अपने सभी मैच दुबई में खेलेगा जिसमें शुरूआत 20 फरवरी को बांग्लादेश के खिलाफ मुकाबले से होगी।

बुमराह की अनुपस्थिति से भारत की जीत की संभावना 30-35 प्रतिशत कम हो जाएगी: शास्त्री

दुबई : पूर्व कप्तान रवि शास्त्री का मानना है कि जसप्रीत बुमराह की संभावित अनुपस्थिति चैंपियंस ट्रॉफी में भारतीय टीम को काफी कमजोर कर सकती है लेकिन उन्होंने इस मुख्य तेज गेंदबाज की राष्ट्रीय टीम में वापसी में जल्दबाजी नहीं करने की सलाह दी। बुमराह की जनवरी में सिडनी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांचवें टेस्ट में पीठ की मांसपेशियों में खिंचाव आ गया था और उन्होंने दूसरी पारी में गेंदबाजी नहीं की थी।

देश में सोने की मांग 2024 में 802.8 टन रही, 2025 में 700-800 टन रहने का अनुमान:डब्ल्यूजीसी

मुंबई : देश में सोने की मांग आयात शुल्क में कमी और शादी-ब्याह व त्योहारों से संबंधित खरीदारी से 2024 में सालाना आधार पर पांच प्रतिशत बढ़कर 802.8 टन हो गई। 2025 में इसके 700-800 टन के बीच रहने का अनुमान है। विश्व स्वर्ण परिषद (डब्ल्यूजीसी) की बुधवार को जारी रिपोर्ट के अनुसार, देश में 2024 में सोने की मांग 802.8 टन रही, जबकि 2023 में यह 761 टन थी। सोने की मांग का कुल मूल्य 2024 में 31 प्रतिशत बढ़कर 5,15,390 करोड़ रुपये हो गया। 2023 में यह 3,92,000 करोड़ रुपये था। डब्ल्यूजीसी के क्षेत्रीय मुख्य कार्यकारी अधिकारी (भारत) सचिन जैन ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, '2025 के लिए हमारा अनुमान है कि सोने की मांग 700-800 टन के बीच रहेगी। उम्मीद है कि शादी-ब्याह से जुड़ी खरीदारी से सोने के आभूषणों की मांग में सुधार होगा बशर्ते कीमतों में कुछ हद तक स्थिरता आए।' गौरतलब है कि 2024 में सोने की कीमत रिकॉर्ड ऊंचाईयों तक पहुंच गई थी। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, आभूषण विक्रेताओं व खुदरा विक्रेताओं की मजबूत मांग के बीच मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी में सोने की कीमतों में लगातार पांचवें कारोबारी सत्र में तेजी जारी रही और यह 500 रुपये बढ़कर 85,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के नए शिखर पर पहुंच गई। इस वर्ष सोना 6,410 रुपये या 8.07 प्रतिशत चढ़कर 85,800 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया जो एक जनवरी को 79,390 रुपये प्रति 10 ग्राम था। डब्ल्यूजीसी की स्वर्ण मांग रुझान, 2024 रिपोर्ट में कहा गया कि चौथी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) के दौरान मांग 265.8 टन पर स्थिर रही, जो 2023 की इसी अवधि में 266.2 टन के समान है।

उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में शेयर बाजार में गिरावट, सेंसेक्स 313 अंक टूटा

मुंबई : हाल की तेजी के बाद शेयर बाजार में दोनों मानक सूचकांक...सेंसेक्स और निफ्टी...बुधवार को नुकसान में रहे। उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 313 अंक टूटा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की इस सप्ताह पेश होने वाली मौद्रिक नीति समीक्षा और व्यापार युद्ध को लेकर चिंता के बीच निवेशकों ने सतर्क रुख अपनाया। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 312.53 अंक यानी 0.40 प्रतिशत की गिरावट के साथ 78,271.28 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 367.56 अंक तक नीचे आ गया था। सेंसेक्स के तीस शेयरों में से 21 नुकसान में जबकि नौ लाभ में रहे। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 42.95 अंक यानी 0.18 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,696.30 अंक पर बंद हुआ। मंगलवार की तेजी के बाद मुनाफावसूली और रुपये के अबतक के सबसे निचले स्तर पर आने से भी

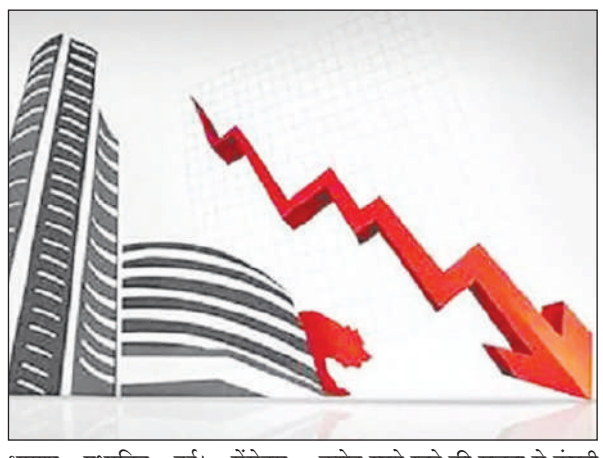

धारणा प्रभावित हुई। सेंसेक्स मंगलवार को 1,397.07 अंक चढ़ा था और निफ्टी 378.20 अंक चढ़कर एक महीने के उच्चस्तर पर बंद हुआ था। सेंसेक्स के तीस शेयरों में से एशियन पेंट्स तीन प्रतिशत से अधिक नीचे आया। कंपनी का एकीकृत शुद्ध लाभ दिसंबर, 2024 को समाप्त तीसरी तिमाही में 23.5 की गिरावट के साथ 1,128.43 करोड़ रुपये रहने की सूचना से कंपनी का शेयर नीचे आया। मुख्य रूप से कमजोर मांग से कंपनी का लाभ कम हुआ है। इसके अलावा टाइटन, नेस्ले, हिंदुस्तान यूनिलीवर, भारतीय स्टेट बैंक, लार्सन एंड टुब्रो, आईटीसी, जोमैटो और बजाज फिनसर्व के शेयर प्रमुख रूप से नुकसान में रहे। दूसरी तरफ, लाभ में रहने वाले शेयरों में अदाणी पोर्ट्स, इंडसइंड बैंक, टाटा मोटर्स और एचडीएफसी बैंक शामिल हैं। मेहता इक्विटीज लि. के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) प्रशांत तापसे ने कहा, 'वैश्विक स्तर पर गिरावट के बीच चुनिंदा बैंकों, वाहन, रियल्टी और दैनिक उपयोग का सामान बनाने वाली कंपनियों (एफएमसीजी) के शेयरों में बिकवाली से बाजार नुकसान में रहा। सभी की नजरें शुक्रवार को मौद्रिक नीति घोषणा पर होगी। अगले कुछ सत्रों में कारोबार के दौरान उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है।' जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, 'घरेलू बाजार गिरावट के साथ एक सीमित दायरे में रहा। व्यापार युद्ध को लेकर वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच अनुकूल बजट से उत्साहित निवेशक घरेलू परिदृश्य में सुधार पर गौर कर रहे हैं। अमेरिकी बॉन्ड रिटर्न में गिरावट और कच्चे तेल की कम कीमतों ने बाजार धारणा को समर्थन दिया है।

आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति की बैठक शुरू

मुंबई : भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की दो महीने पर होने वाली बैठक बुधवार को शुरू हुई। उम्मीद है कि इस बार एमपीसी शुक्रवार को पेश होने वाली मौद्रिक नीति समीक्षा में नीतिगत दर रेपो में 0.25 प्रतिशत की कटौती कर सकती है। रिजर्व बैंक ने इससे पहले मई, 2020 में रेपो दर को 0.40 प्रतिशत घटाकर चार प्रतिशत किया था। इसका मकसद यह सुनिश्चित करना था कि अर्थव्यवस्था को कोविड महामारी और उसके बाद के लॉकडाउन के संकट से निपटने में मदद मिल सके। आरबीआई ने मई, 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध के मद्देनजर नीतिगत दर में वृद्धि का सिलसिला शुरू किया था और मई, 2023 में वृद्धि पर रोक लगी। अभी रेपो दर 6.5 प्रतिशत है। रिजर्व बैंक के नवनियुक्त गवर्नर संजय मल्होत्रा बुधवार से शुरू होने वाली अपनी पहली मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक की अध्यक्षता करेंगे। छह सदस्यीय समिति के फैसले की घोषणा सात फरवरी शुक्रवार को की जाएगी। विशेषज्ञों की राय है कि मौजूदा स्थिति नीतिगत दर में कटौती के लिए अनुकूल है क्योंकि यह खपत आधारित मांग वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए केंद्रीय बजट में घोषित उपायों के पूरक के रूप में काम करेगा। एसबीआई की एक शोध रिपोर्ट में कहा गया है कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित खुदरा मुद्रास्फीति चौथी तिमाही में घटकर 4.5 प्रतिशत और चालू वित्त वर्ष में औसतन 4.8 प्रतिशत पर रहने की उम्मीद है। इसमें यह भी कहा गया है कि जनवरी के मुद्रास्फीति आंकड़े 4.5 प्रतिशत के आसपास बने हुए हैं।

वित्त मंत्रालय का अपने अधिकारियों को एआई टूल का इस्तेमाल न करने का निर्देश

नयी दिल्ली : कृत्रिम मेधा (एआई) के इस्तेमाल को लेकर तेज होती चर्चाओं के बीच वित्त मंत्रालय ने अपने अधिकारियों को कार्यालय के कंप्यूटर एवं अन्य उपकरणों में चैटजीपीटी और डीपसीक जैसे एआई टूल एवं ऐप को डाउनलोड न करने का निर्देश दिया है। यह कदम सरकारी डेटा और दस्तावेजों की गोपनीयता से जुड़े जोखिम को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है। मंत्रालय ने पिछले महीने अपने सभी विभागों को भेजे एक संदेश में कहा है कि कार्यालय के कंप्यूटर एवं फोन उपकरणों में एआई टूल और एआई ऐप के इस्तेमाल से सख्ती से परहेज किया जाना चाहिए। व्यय विभाग ने 29 जनवरी को एक वक्तव्य में कहा, 'यह तय किया गया है कि कार्यालय के कंप्यूटर और उपकरणों में एआई टूल और चैटजीपीटी एवं डीपसीक जैसे एआई ऐप का इस्तेमाल सरकार, डेटा और दस्तावेजों की गोपनीयता के लिए जोखिम पैदा करते हैं।' भारत सरकार ने यह कदम ऐसे समय उठाया है जब ऑस्ट्रेलिया और इटली जैसे देशों ने गोपनीयता और डेटा सुरक्षा चिंताओं को देखते हुए अपने आधिकारिक सिस्टम को चीनी एआई कंपनी डीपसीक से संरक्षित करने की घोषणा की है। इस बीच, ओपनएआई के संस्थापक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सैम आल्टमैन बुधवार को भारत यात्रा पर पहुंचे। आल्टमैन का शीर्ष सरकारी अधिकारियों एवं उद्योग के दिग्गजों से मिलने का कार्यक्रम है। डीपसीक ने पिछल हफ्ते अपने किफायती एआई टूल आर1 को पेश कर समूची दुनिया को अचरज में डाल दिया था। इससे चैटजीपीटी बनाने वाली कंपनी ओपनएआई और एआई चिप बनाने वाली एनवीडिया को तगड़ा झटका लगा है।

मध्यप्रदेश ने नई सेमीकंडक्टर नीति को मंजूरी दी, पूंजीगत सब्सिडी और अन्य लाभ मिलेंगे

भोपाल : मध्यप्रदेश सरकार ने एक नई सेमीकंडक्टर नीति को मंजूरी दे दी है। इसके तहत राज्य में चिप डिजाइन और विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए वित्तीय और अन्य प्रोत्साहन दिए जाएंगे। अधिकारियों ने बताया कि राज्य मंत्रिमंडल ने मंगलवार को मध्य प्रदेश सेमीकंडक्टर नीति 2025 को मंजूरी दे दी। इस नीति के तहत फैब इकाइयां और डिजाइन सुविधाएं स्थापित करने पर पूंजीगत और ब्याज सब्सिडी के अलावा रियायती दरों पर जमीन और रियायती बिजली भी दी जाएगी। इलेक्ट्रॉनिक्स, वाहन और सूचना प्रौद्योगिकी जैसे विभिन्न क्षेत्रों में सेमीकंडक्टर कलपुर्जों की बढ़ती मांग के साथ मध्यप्रदेश निवेश आकर्षित करने, नवाचार को बढ़ावा देने और एक मजबूत सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए अनुकूल वातावरण बनाने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। राज्य पात्र परियोजनाओं के लिए पूंजी निवेश सब्सिडी (निवेश का 25 प्रतिशत या भारत सरकार द्वारा प्रदान की गई सब्सिडी का 50 प्रतिशत, जो भी कम हो) प्रदान कर रहा है। गैर-सरकारी अनुमोदित परियोजनाओं के लिए कंपनियों को 150 करोड़ रुपये की सीमा के साथ 40 प्रतिशत पूंजी निवेश सब्सिडी मिल सकती है।

न्यूज अपडेट

सरकार ने 150 उत्पादों के लिए गुणवत्ता अनुपालन को अनिवार्य किया

नयी दिल्ली : सरकार ने घरेलू उपकरणों से लेकर औद्योगिक सामाग्रियों समेत 150 उत्पादों के लिए गुणवत्ता अनुपालन को अनिवार्य किया है। इस पहल का मकसद कड़ी सुरक्षा के साथ प्रदर्शन मानदंड को सुनिश्चित करना है। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने कहा कि उसने बेहतर जागरूकता के उद्देश्य से 150 से अधिक उत्पादों को पहले ही सूचीबद्ध कर लिया है। इन अनिवार्य मानकों का दायरा अलग-अलग प्रवर्तन तिथियों के साथ विभिन्न क्षेत्रों तक बढ़ाया गया है। बीआईएस इन आदेशों के क्रियान्वयन की निगरानी करेगा। सूची में वैक्यूम क्लीनर, स्टेनलेस स्टील के बर्तन और मालिश करने वाले उपकरणों सहित विभिन्न उत्पाद शामिल हैं। फर्नीचर उद्योग में, विनिर्माताओं को 'ब्लॉक बोर्ड', प्लाईवुड और लकड़ी के फ्लश दरवाजे जैसे उत्पादों के लिए गुणवत्ता मानदंडों का पालन करना होगा। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, 'गुणवत्ता नियंत्रण आदेश (क्यूसीओ) को घटिया वस्तुओं के आयात को रोकने और उपभोक्ताओं को उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए तैयार किया गया है।'

विश्व बैंक की लॉजिस्टिक्स रैंकिंग में 2030 तक शीर्ष 25 देशों में आ सकता है भारत : रिपोर्ट

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री गति शक्ति और राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति जैसी पहल के जरिये मजबूत बुनियादी ढांचे के विकास से भारत को 2030 तक विश्व बैंक लॉजिस्टिक्स प्रदर्शन सूचकांक में शीर्ष 25 देशों में जगह बनाने में मदद मिलेगी। एक रिपोर्ट में यह अनुमान लगाया गया है। विश्व बैंक लॉजिस्टिक्स प्रदर्शन सूचकांक (एलपीआई) में भारत 139 देशों में 38वें स्थान पर है और इसका लक्ष्य 2030 तक शीर्ष 25 में आना है। वैश्विक प्रदर्शक मेस्से स्टटगार्ट इंडिया द्वारा ईएसी इंटरनेशनल कंसल्टिंग के साथ साझेदारी में किए गए अध्ययन को अंतरराष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स प्रदर्शनी लोगिमैट इंडिया-2025 से पहले मंगलवार को जारी किया गया। यह प्रदर्शनी 13-15 फरवरी को बंबई एक्जिबिशन सेंटर में आयोजित होने वाली है। रिपोर्ट में इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि भारत के 2030 तक विश्व बैंक के लॉजिस्टिक्स प्रदर्शन सूचकांक (एलपीआई) में शीर्ष 25 देशों में जगह बनाने के लक्ष्य को प्राप्त करने में प्रधानमंत्री गतिशक्ति योजना और राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति जैसी पहल के तहत बुनियादी ढांचे का मजबूत विकास महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। भारतीय माल ढुलाई और लॉजिस्टिक्स बाजार के 2029 तक सालाना 8.8 प्रतिशत की दर से बढ़कर 484.43 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है, जो 2024 में 317.26 अरब डॉलर था।

स्विगी का तीसरी तिमाही का घाटा बढ़कर 799 करोड़ रुपये हुआ

नयी दिल्ली : ऑनलाइन ऑर्डर लेकर खाने का सामान और किराना सामान पहुंचाने वाली कंपनी स्विगी का चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में एकीकृत शुद्ध घाटा बढ़कर 799.08 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी को पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 574.38 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ था। स्विगी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि उसका कुल व्यय वित्त वर्ष 2023-24 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही के 3,700 करोड़ रुपये से बढ़कर 4,898.27 करोड़ रुपये हो गया है। तिमाही के दौरान कंपनी की परिचालन आय भी 3,048.69 करोड़ रुपये से बढ़कर 3,993.06 करोड़ रुपये हो गई।

एलआईसी को 105 करोड़ रुपये का जीएसटी मांग नोटिस मिला

नयी दिल्ली : भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने बुधवार को कहा कि उसे सात वित्त वर्षों के लिए माल एवं सेवा कर (जीएसटी) के कम भुगतान के मामले में करीब 105.42 करोड़ रुपये का मांग नोटिस मिला है। एलआईसी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि कंपनी को पांच फरवरी को कई राज्यों से ब्याज और जुर्माने के लिए संचार/मांग आदेश प्राप्त हुआ है। कंपनी ने कहा कि आदेश के विरुद्ध लखनऊ आयुक्त (अपील) के समक्ष अपील की जा सकती है। एलआईसी ने कहा कि मांग नोटिस वित्त वर्ष 2017-18 और 2023-24 के बीच के सात वित्त वर्षों से संबंधित है।

वर्ष 9, पूर्णांक 4141 अंक 291, RNI No WBHIN/2016/66788, सर्वांग प्रकाशन के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **सरोज राय** द्वारा 17, बालमुकुन्द मक्कर रोड, 2सरा तल्ला, कोलकाता-700 007 से प्रकाशित। एल. एस. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. 4, कैनल वेस्ट रोड, कोलकाता-700 015 से मुद्रित।
सम्पादक- **अनिल कुमार राय** (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी), विज्ञापन एवं प्रसार-9874555256/7044444522, ई-मेल news@samagya.in